5.5

वर्ष 7 अंक 1-2 (संयुक्तांक)

चेतना प्रवाह



श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक पर हमारी हार्दिक शुभकामनाओं सहित।



पूज्य रज्जूभैय्या के बताये मार्ग का अनुसरण
करते हुए राष्ट्र का भावी पीढ़ियों के
निर्माण में सतत साधनारत!



पूज्य रज्जूभैय्या की माताजी
श्रीमती ज्वालादेवी की स्मृति में निर्मित
विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध

ज्वालादेवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज

सिविल लाइन्स, प्रयाग

- गुरुकुल परम्परा का मूर्त्त स्वरूप, नगरीय प्रदूषण से मुक्त, भव्य परिसर एवं भवन।
- सुयोग्य, अनुभवी, प्रशिक्षित एवं चरित्रवान् आचार्यों द्वारा उत्तम शिक्षण की व्यवस्था।
- इण्टरमीडिएट स्तर तक कम्प्यूटर शिक्षण की व्यवस्था।
- विभिन्न प्रकार के प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उचित मार्गदर्शन की समुचित व्यवस्था।
- विभिन्न छात्रवृत्ति परीक्षाओं में प्रदेश स्तर पर विद्यार्थियों का चयन एवं खेल-कूद।
- अन्य शैक्षिक क्रियाकलापों में विद्यार्थियों का श्रेष्ठ प्रदर्शन।

अध्यक्ष	प्रबन्धक	प्रधानाचार्य
भरत अग्रवाल	शरद गुप्ता	चिन्तामणि सिंह

०५२२-२६२२८६१

आर.एन.आई. नं. UPHIN/4400/2001

डाक पंजीयन-एडी०-२४८/२००२

चेतना प्रवाह पाक्षिक

वर्ष ७ अंक १-२ संयुक्तांक

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक

आषाढ़ कृ. १ आ.शु.२ वि.सं. २०६४



सहयोग राशि : ५०/-

सम्पादकीय कार्यालय— ६३ माधवकुंज, लंका, वाराणसी। दूरभाष- (०५४२) २३६६२५२, फैक्स २३६६१४८

सम्पादकीय

जो आज भी आलोकित है

शत् शत् नमन उस प्रकाश स्तम्भ को

उन्नीसवीं शताब्दी के विश्व ने चमत्कृत होकर देखा था कि, ऋषियों के धर्म को गतिशील बनाने के लिए उसे केवल कर्मकाण्ड की कठोर जड़ता की खोल से बाहर लाकर प्राची के दिव्य प्रवाह को प्रतीची की अहमन्यता से आक्रान्त वीथियों तक पहुंचाने वाले स्वामी विवेकानन्द ने भारत की सुसुप्त आत्मा की लौ को उर्ध्व की ओर उकसाया था। 'चरैवेति' का अमर संदेश देने वाले उस महान् सन्यासी की महान् आत्मा अपने ज्ञान और अनुभव का विस्तार करने में एक दिन भी नहीं रुकी और उसने भारत की मिट्टी में बिखरी और दबी, सब विचारधाराओं को आत्मसात किया क्योंकि, उन्हें इसकी प्रतीति थी कि उनका उद्गम और गन्तव्य एक है। जिन्होंने दारुण दुःख झेलने वाले, कातर मनुष्य की सेवा का व्रत लेकर, उसे पूजा की पीठिका प्रदान कर ईश्वर की संज्ञा से अभिहित किया, उस महान् धर्मयोद्धा (विवेकानन्द) के तिरोधान के पश्चात् धर्म की गत्यात्मकता अवरुद्ध होती उसके पूर्व ही १९०६ में साक्षात् धर्म एवं संस्कृति ने ही विग्रह रूप में प्रकट होकर माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर (श्रीगुरुजी) का नाम धारण कर लिया। काशी में शिक्षित, विवेकानन्द की परम्परा में उन्हीं के गुरु-भाई स्वामी अखण्डानन्द से दीक्षित, माधवराव विद्यार्थियों की असीम श्रद्धा के परिणाम स्वरूप 'श्रीगुरुजी' के नाम से लब्धप्रतिष्ठ हुए। विद्यार्थी मधु, प्राध्यापक श्रीगुरुजी, सन्यासी जीवन के आकर्षण से प्रलुब्ध होकर आत्ममुक्ति के मार्ग का चयन करने सारगाछी पहुँच गये। किन्तु, नियति के निर्देश और गुरु की प्रच्छन्न प्रेरणा ने उन्हें आत्ममुक्ति के मार्ग से विमुखकर, सार्वजनिक मुक्ति, मातृभूमि का पुनरुद्धार, भारत की आध्यात्मिक शक्ति का संजीवन और समस्त हिन्दू समाज में उसकी शिक्षा का प्रसार करने हेतु नये पथ की ओर उन्मुख कर दिया। हिमालय की उपत्यका की ओर आकर्षित उनका मन, हिन्दू-समाज की, आन्तरिक शक्ति के क्षरण के कारण, दुर्दशा का अवलोकन कर विचलित हो रहा था। देवताओं की अपारशक्ति उन्हें आन्दोलित कर रही थी। जब अन्तर का संघर्ष समाप्त हुआ वे पहली लड़ाई जीत चुके थे। उन्होंने अपना वह पथ पा लिया था जिसका उन्हें अनुसरण करना था। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अपने लक्ष्य के रूप में चुन लिया था। फिर तो उनके सरकार्यवाह तथा प. पू. सरसंघचालक के रूप में अनवरत

प्रवास के कारण उत्तर से दक्षिण तक पूर्व से पश्चिम तक हिन्दू धर्म की वीणा का तार अपना स्वर प्राप्त करता रहा। श्रीगुरुजी ने देखा कि उत्तर से दक्षिण तक हजारों योजन में विस्तीर्ण हमारी प्राचीन भारतभूमि देवी-देवताओं से भरी हुई है पर इनकी असंख्य भुजाओं की अटूट श्रृंखला एक ही परमात्म तत्व को बांधे हुए है। श्रीगुरुजी के उनके शरीर और आत्मा की एकता को अनुभव किया और सम्पूर्ण हिन्दू-समाज को बताया कि वह इसे अनुभव करे। परिपूर्ण मानव की कल्पना को साकार करने के लिए शाखा ही सशक्त माध्यम है, इस विश्वास को लोगों के हृदय में स्थापित किया। अमूर्त में लीन बुद्धिवादी बलवान आत्माओं को देवी-देवताओं में सबसे उच्च सिंहासन पर अवस्थित भारतमाता का आदर करना सिखाया, युवकों को अतीत के महान् प्राचीन ग्रंथों, उससे भी अधिक अपने समाज के दुःखी संतप्त मनुष्यों के आर्त्तिनाश हेतु कर्तव्य-बोध कराया, सबको भारत से श्रद्धायुक्त स्नेह और उसके उद्धार के लिए आत्म-समर्पण का आह्वान किया। ''खोलना ही हो हृदय का मर्म तो बस कर्म खोले'' का मंत्र हृदय में धारण कर उसी मंत्र से लाखों युवकों को दीक्षित करते हुए श्रीगुरुजी ने सामाजिक सरोकारों से जुड़े किसी भी प्रश्न को अनुत्तरित नहीं रहने दिया। अस्पृश्यता का दंश झेलते हुए हिन्दू समाज के लिये 'हिन्दवः सोदराः सर्वे' का अमृतमंत्र श्रीगुरुजी की अद्भुत देन है। शिक्षा का प्रश्न हो चाहे मतान्तरण की समस्या, आन्तरिक अलगाव वाद की ज्वाला की ओर इंगित करते हुए, चीन के आक्रमण से पूर्व ही राष्ट्र को सावधान करते हुए एवं गो-रक्षा के लिए उठे प्रचण्ड संघर्ष में मार्ग निर्देश करते हुए श्रीगुरुजी साक्षात् योगेश्वर थे। उनकी जन्मशताब्दी समारोह के बहाने स्वयंसेवकों ने पूरे राष्ट्र की चेतना के जागरण का पर्व चलाया था। काशी प्रान्त के कार्यक्रम जन-जन के हृदयों को स्पर्श करने वाले सिद्ध हुए। सभी वर्णों के नेतृत्व के मध्य आयोजित संगोष्ठी, संत-महात्माओं के सम्मेलन के माध्यम से समाज को प्रदत्त महान् सन्देश, बुद्धिधर्मीजनों के बीच आयोजित संगोष्ठी, तरुणों का आह्वान करते हुए विद्यार्थी सम्मेलन हिन्दू-समाज के सभी वर्गों में समन्वय-सेतु के पाये बन गये। इस शताब्दी का यह वर्ष सबसे सक्रिय वर्ष था। समारोह की स्मृति संजोए यह विशेषांक कार्यक्रमों की वृत्त-पत्रिका नहीं है वरन् काशी प्रान्त की जनता के उत्साह, कार्यक्रमों में उसकी सहभागिता, आयोजनों में उसकी महती भूमिका का यह महान् दस्तावेज है, जिसे आप सबके हस्त कमलों में समर्पित कर हम गौरवान्वित हो रहे हैं।

युगाब्द : ५११०

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

प्रधान कार्यालय
डा. हेडगेवार भवन, महाल, नागपूर - 440 032
दूरभाष : 2723003, 2720150 फैक्स : (0712) 2721589
E-mail : hedgewarbhavan@rediffmail.com

दिनांक १७.०७.२००७



शुभकामना सन्देश

आदरणीय बन्धुवर,

सादर प्रणाम!

परम पूजनीय श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष में काशी प्रान्त के विभिन्न जिलों में सम्पन्न कार्यक्रमों की स्मृति को स्थायी रूप देने हेतु विश्व संवाद केन्द्र, काशी द्वारा **'चेतना प्रवाह'** पाक्षिक का 'श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक' का प्रकाशन किया जा रहा है, आपके पत्र से यह समाचार प्राप्त कर अत्यन्त हर्ष हुआ।

विश्वास है कि यह विशेषांक श्रीगुरुजी के जीवन, उनकी साधना एवं उनके जीवनादर्शों को समाज के सामने प्रस्तुत करने में सफल सिद्ध होगा।

भवदीय

कु.सी. सुदर्शन

सरसंघचालक

ॐ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ॐ

केशवकुंज, झण्डेवाला, देशबन्धु गुप्ता मार्ग, नई दिल्ली-110055



शुभकामना सन्देश

आदरणीय बन्धुवर,

सादर नमस्कार।

परम पूजनीय श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष में काशी प्रान्त के विभिन्न स्थानों पर सम्पन्न कार्यक्रमों की स्मृति को स्थायी रूप देने के उद्देश्य से विश्व संवाद केन्द्र, काशी द्वारा चेतना प्रवाह पाक्षिक "श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक" का प्रकाशन किया जा रहा है, आपके पत्र से यह समाचार प्राप्त कर अत्यन्त हर्ष हुआ। काशी से इस प्रकार का संकलन प्रकाशित हो, यह अपेक्षित ही था। परम पूजनीय श्रीगुरुजी के जीवन में उनका काशीवास महत्वपूर्ण कड़ी है। काशी में ही वे संघ के सम्पर्क में आये, काशी में ही उन्हें गुरुजी संबोधन मिला। काशी से जुड़े उनके संस्मरण कार्यकर्ताओं की वर्तमान पीढ़ी में भी ऊर्जा का संचार कर सकेंगे।

श्रीगुरुजी जैसे जीवनव्रती की स्मृति प्रत्येक स्वयंसेवक के हृदय में सदैव ध्येयनिष्ठा की प्रेरणा देती रहती है। उनकी जन्मशतवार्षिकी में आयोजित कार्यक्रमों की भी यही संकल्पना रही है। अतः यह स्मृति चिरनूतन बनी रहे, इस दृष्टि से विशेषांक का प्रकाशन स्वागतेय है।

प्रकाशन कार्य से जुड़े सभी बन्धुओं को मेरी हार्दिक बधाई और साधुवाद। 'चेतना प्रवाह' का यह विशेषांक अपने सदुद्देश्य की पूर्ति में सफल हो, यही प्रभु से मेरी प्रार्थना है।

आपका

अधीश

(अधीश कुमार

☎ (0091-11) 23670365, 23615854, 23679996, 23684445 Fax : (0091-23517722)
E-mail : rssdelhi@rediffmail.com or vishwav@vsnl.com (http://www.rss.org)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

काशी प्रान्त
कार्यालय : 'केशव निलय', डी.–59/79–बी., सिगरा, आकाशवाणी मार्ग, वाराणसी–221010
दूरभाष : (0542) 2364149, 2360465, फैक्स : 2360465

दिनांक १५/०७/२००७



शुभकामना सन्देश

बन्धुवर संपादक जी

सप्रेम नमस्कार!

यह जानकार अत्यन्त हर्ष हुआ कि आप चेतना प्रवाह का एक विशेषांक काशी प्रान्त में परम पूज्य श्रीगुरुजी की जन्मशताब्दी वर्ष के अन्तर्गत होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का संकलित वृत्त के साथ प्रकाशित कर रहे हैं। यह विशेषांक सभी को संघ कार्य के विस्तार हेतु विशेष प्रेरणादायी बने, यही प्रभु से प्रार्थना है।

इसी आशा के साथ,

भवदीय

[signature]

प्रान्त संघचालक
काशी प्रान्त

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

काशी प्रान्त

कार्यालय : 'केशव निलय', डी.–59/79–बी., सिगरा, आकाशवाणी मार्ग, वाराणसी–221010

दूरभाष : (0542) 2364149, 2360465, फैक्स : 2360465

क्र. - ३००/०७-२०८०

तिथि-१५ जून २००७



परम बन्धुवर,

सस्नेह नमस्कार,

युगों से विश्व में अध्यात्म चेतना के प्रवाह का संचार काशी से हो रहा है। संघ दृष्टया काशी को प्रान्त की मान्यता है। सन् २००६, भारत में ही नहीं विश्व में श्रीगुरुजी (स्व. माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर) की जन्मशताब्दी के रूप में मनाया गया है। लाखों-लाख स्वयंसेवकों के प्रयत्नों से हजारों हजार नानाविध कार्यक्रमों (लगभग सत्रह हजार) में करोड़ो करोड़ नागरिकों की सहभागिता के साथ सम्पन्न जन्मशताब्दी ने समाज में एक विश्वास निर्माण किया है कि छुआछूत व जातीयता की कट्टरता को दूर कर समरस समाज का निर्माण अवश्य होगा। हिन्दुत्व साम्प्रदायिक नहीं बल्कि भारत का राष्ट्रियत्व है, विश्व का बन्धुत्व है तथा धरती का मानवीय वैज्ञानिक चिन्तन है। खण्डित भारत नहीं बल्कि अखण्ड भारत की पूजा संकल्प के साथ-साथ गरीबों दुखियों, पिछड़ों एवं बिछुड़ों को गले लगाकर उसे प्यार, सम्मान व स्वालम्बन प्रदान करने का जीवन व्रत धारण किया है।

काशी प्रान्त में सम्पन्न श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी के कार्यक्रमों में लाखों लोगों की भागीदारी में अनेक धार्मिक, सामाजिक, शैक्षिक एवं राजनैतिक विद्वान् भी उपस्थित रहे हैं। उन सब स्मृतियों को एक विशेषांक के रूप में प्रकाशित करने का अति योग्य निर्णय आप लोगों ने किया है। यह विशेषांक समाज जागरण के उद्देश्य में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा यह विश्वास बनता है।

सम्पादक बन्धु एवं अन्य सभी कार्यकर्ताओं को मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएँ!

सधन्यवाद।

इन्द्रेश कुमार

(इन्द्रेश कुमार)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

नागपुर

श्रीकांत जोशी
७५ ए, नवयुग निवास
डॉ. भडक्रमकर मार्ग
मुम्बई-४००००७

शुभकामना सन्देश

सस्नेह नमस्कार,

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष में काशी प्रान्त के विभिन्न जिलों में सम्पन्न विविध कार्यक्रमों की स्मृति को स्थायी रूप देने हेतु विश्व संवाद केन्द्र काशी, चेतना प्रवाह, का 'श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक' प्रकाशित करने जा रहा है। यह अत्यन्त आनंद व हर्ष की बात है। गत वर्ष (२००६-०७) देश-विदेशों में भी बड़े व्यापक स्तर पर सामाजिक समरसता का भाव जगाने अनेक सद्भाव सभाएँ, संत सम्मेलनों, युवा-विद्यार्थियों के एकत्रीकरण, विद्वद्जनों की विविध विषयों पर गोष्ठियाँ तथा खंडशः विशाल हिन्दू सम्मेलनों के कार्यक्रमों के साथ ही संघ की नित्य शाखाओं में आधिकाधिक उपस्थिति व स्वयंसेवकों की सक्रियता को दर्शाने वाले अनेक विविध कार्यक्रम हुए। एक तरह से जन्मशताब्दी का यह एक पर्व अपने राष्ट्र जीवन में फिर से हिन्दुत्व का प्रबल प्रभावी वातावरण बनाने में सफल रहा।

अतः ऐसे प्रान्तभर के सभी कार्यक्रमों का एकत्रित, संचित, संकलित वृत्त सभी को नित्य प्रेरणादायी सिद्ध हो सकेगा।

'चेतना प्रवाह' के इस उपक्रम की यशस्विता के लिए मैं अपनी हार्दिक शुभेच्छाएँ सूचित करता हूँ तथा संयोजकों का विशेषतः विश्व संवाद केन्द्र के परिचालकों को मनःपूर्वक अभिनन्दन करता हूँ।

सधन्यवाद।

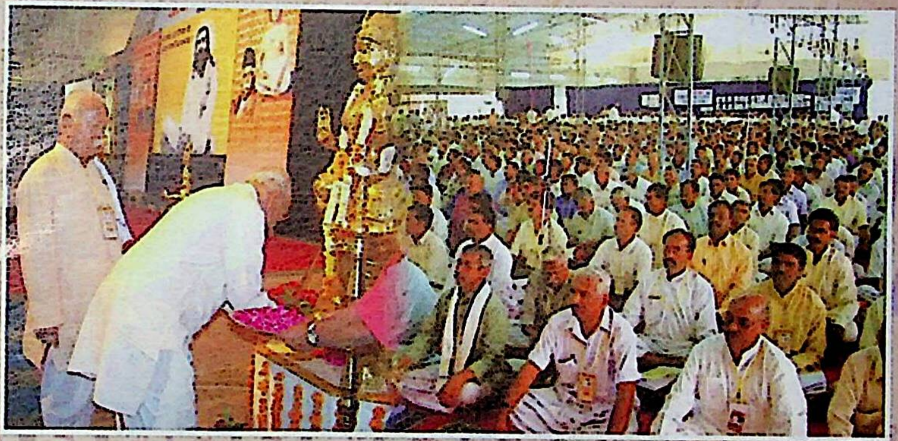
भवदीय

Shrikant Joshi

(श्रीकांत जोशी)

श्रीगुरुजी जन्म शताब्दी शुभारम्भ समारोह, नागपुर

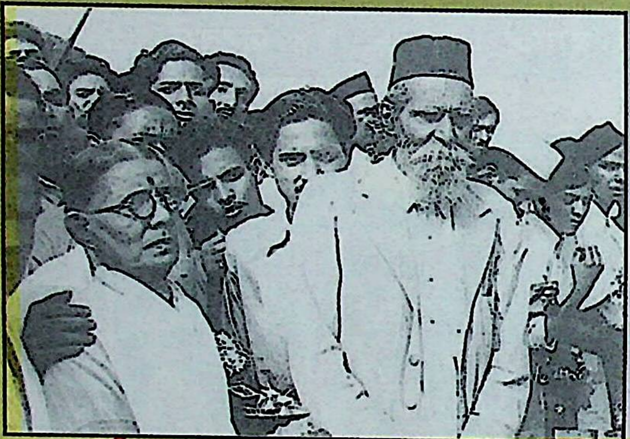
माघ कृष्ण ११ विजया एकादशी, युगाब्द ५१०७, २४ फरवरी २००६



कार्यक्रम में दीपप्रज्ज्वलन करते सरसंघचालक श्री कुप्प. सी. सुदर्शन एवं उपस्थित महानुभाव



श्रीगुरुजी के चिन्तन को प्रकट करने वाली पुस्तकों का संचय



प्रथम प्रतिबन्ध के बाद दिल्ली में स्वागत के समय माता सौ. ताईजी और पिता श्री भाऊजी



श्री गुरुजी का एक दुर्लभ चित्र



काशी के अन्तिम प्रवास में यज्ञ करते श्री गुरुजी



पूज्य गुरुदेव
स्वामी अखण्डानन्द जी
द्वारा प्रदत्त कमण्डल



प्रसिद्ध सिंदी बैठक
खड़े (बाएँ से दाएँ) - श्री विठ्ठलराय पत्की, पू. बालासाहेब देवरस
बैठे (बाएँ से दाएँ) - श्री अप्पाजी जोशी, पू. डाक्टर हेडगेवार,
श्री गुरुजी, श्री बबनराव पंडित

श्रीगुरुजी का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्रीगुरुजी का जन्म फाल्गुन कृष्ण एकादशी (१९ फरवरी, १९०६) को नागपुर में हुआ था। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से प्राणि विज्ञान में एम.एस.सी. करने के बाद उनका रुझान अध्यात्म की ओर हुआ और वे रामकृष्ण मिशन से जुड़ गये, पर संघ के संस्थापक पूज्य डॉ. हेडगेवार के संपर्क में आकर उन्होंने समाज सेवा का कंटक पथ स्वीकार किया।

डॉ. हेडगेवार के देहावसान के बाद वे सरसंघचालक बने। १९४० से १९७३ तक उन्होंने राष्ट्र सेवा की अखण्ड साधना की। इसके परिणाम स्वरूप संघ शाखाओं का जाल भारत के हर जिले तक पहुँच गया। ५ जून १९७३ को उनका देहावसान हुआ।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह (काशी प्रान्त) के पत्रकों की झलकियाँ



काशी प्रान्त, श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के शुभारम्भ की चित्र-स्मृति



प्रयाग स्थित रामवाटिका में दीप प्रज्ज्वलन करते हुए पूज्य महंत रामरतन दास महाराज एवं मंचासीन अतिथि गण



मंत्रोच्चार करते विद्वद्गण



श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी विशेषांक का विमोचन करते हुए श्री राममाधव सहित अन्य अतिथि

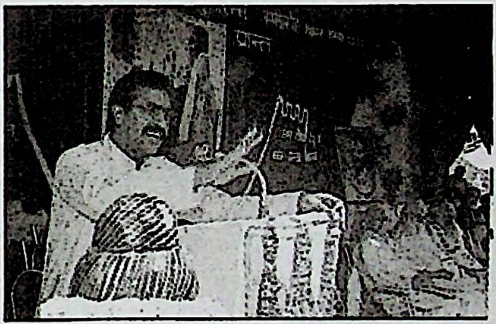


श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह को सम्बोधित करते पूज्य संत गोपालजी महाराज एवं श्रोतागण

'हिन्दुत्व' राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान -राममाधव

हिन्दुत्व का विचार राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान है। हिन्दू धर्म नहीं एक विचार है। किसी भी राष्ट्र की पहचान वहाँ के रहने वाले नागरिकों के आचार-विचार, संस्कृति एवं सभ्यता से होती है। भारतीय संस्कृति सदियों से पल्लवित, पुष्पित एवं गौरवशाली रही है।

उक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी मण्डल के सदस्य राममाधव ने कटरा रामलीला कमेटी के पंडाल में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह द्वारा आयोजित उद्घाटन अवसर पर काशी प्रान्त के कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में अकेला भारत ही एक मात्र हिन्दू राष्ट्र है जहां विभिन्न धर्मों एवं विभिन्न संस्कृतियों के लोग 'सर्वधर्म समभाव' एवं 'सर्वेभवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः' के आदर्श को अपनाकर राष्ट्रीय विचारधारा का अनुपालन करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीगुरुजी ने सही अर्थो में हिन्दू राष्ट्र भारत की परिकल्पना को परिभाषित करके समाज में रहने वाले लोगों को विभ्रम की स्थिति से उबारने का मूलमंत्र दिया। समाज के लोग संघ के बारे में तरह-तरह के भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। आज भी भ्रमित करने वाले लोगों को यह नहीं पता है कि आर.एस.एस. की स्थापना किन मूल उद्देश्यों को लेकर हुई है। आज भी लोगों के दिलो दिमाग में गलत धारणा बन गयी है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक राजनीतिक दल है। लोगों की यह अवधारणा गलत है। श्री माधव ने कहा कि वास्तव में श्रीगुरुजी एक श्रेष्ठ आध्यात्मिक पुरुष थे। आध्यात्मिकता व्यक्तिगत मोक्ष के लिए नहीं है। बल्कि आध्यात्मिकता से प्रेरित होकर गुरुजी सारगाछी आश्रम में स्वामी अखण्डानन्द के शिष्य बने। उन्हीं की प्रेरणा से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य में अग्रसर हुये। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का मानना है कि उनको ईश्वर का साक्षात्कार हुआ था।



उद्घाटन समारोह में उद्बोधन करते श्री राममाधव एवं अन्य अधिकारी

एक बार बैतूल जेल में संघ के भविष्य को लेकर वे काफी व्यथित हुए कि संघ का भविष्य क्या होगा। लेकिन दूसरे ही दिन उनके विचार बदल गये। उन्होंने कहा कि संघ की स्थापना जिन उद्देश्यों को लेकर की गयी है, वह उद्देश्य संघ परिवार को प्राप्त होगा। ऐसा माना जाता है कि रात में ही ईश्वर प्रेरणा का भान उन्हें हुआ जिसके आधार पर विचार और सोच बदल गये। श्री माधव ने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने भारत को हिन्दू राष्ट्र कहा लेकिन गुरुजी ने हिन्दू राष्ट्र क्या है? उसके विचार एवं भाव को विस्तृत रूप से स्पष्ट करते हुए कहा कि हिन्दुत्व का विचार राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान है। हिन्दू धर्म नहीं वरन एक विचार है। उन्होंने साम्प्रदायिकता के विचार को सभी राजनैतिक दलों से परिभाषित करने को कहा लेकिन आज तक किसी भी दल ने इस दिशा में प्रयास

नहीं किया। राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप पर उन्होंने कहा है कि भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। राष्ट्रीयता, राष्ट्र, हिन्दुत्व पर जो भारत में भ्रम था उसे गुरुजी ने अपनी पुस्तकों में व सम्मेलनों में खुलकर बोला और भ्रम की स्थिति को तोड़ने का प्रयास किया। राममाधवजी ने कहा कि आज भारत के चतुर्दिक संकट के बादल मँडरा रहे हैं। आज युवा वर्ग से अपेक्षा है कि सारे गिले-शिकवे भुलाकर राष्ट्र निर्माण के अलख जगाने के लिए आगे आये और गुरुजी का संदेश जन-जन तक पहुंचाकर देश में स्वदेशी, सुरक्षा और समरसता भाव समाज में जागृत करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुविख्यात संत फलहारी बाबा ने की। डॉ. कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने संचालन किया व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. देवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह, गोपाल जी महाराज, प्रो. राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल तथा प्रान्त प्रचारक शिवनारायणजी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्रीगुरुजी जन्म शताब्दी समारोह समिति

अखिल भारतीय समिति में काशी प्रान्त का प्रतिनिधित्व, काशी प्रान्त के संरक्षक मण्डल, पदाधिकारी एवं सदस्यों की सूची संलग्न है--

अखिल भारतीय समिति में काशी प्रान्त का प्रतिनिधित्व

संरक्षण मण्डल- जगद्गुरु शंकराचार्य पूज्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती जी महाराज

सदस्य-
१. डॉ. ठाकुर प्रसाद वर्मा-पूर्व रीडर, प्राचीन इतिहास, संस्कृत एवं पूरातत्व विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
२. डॉ. देवेन्द्र प्रताप सिंह-पूर्व उपकुलपति, लखनऊ, रीवाँ, राजर्षि टण्डन मुक्त वि.वि., इलाहाबाद
३. डॉ. कामेश्वर उपाध्याय-ज्योतिषाचार्य, अखिल भारतीय विद्वत् परिषद्, काशी
४. श्री रमेश चौधरी-डोमराजा, काशी

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति, काशी प्रान्त

संरक्षक मण्डल-
१. पूज्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती महाराज - जगद्गुरु शंकराचार्य, श्रीकाशी सुमेरुपीठ
२. पूज्य महन्त रामरतन दास महाराज - श्री फलाहारी आश्रम, अरैल, प्रयाग
३. पूज्य अवधेश जी महाराज 'मानस मर्मज्ञ' - बेतिया मंदिर
४. पूज्य रामानुजाचार्य श्रीमहाराज - संकीर्तन भवन, झूँसी, प्रयाग
५. पूज्य सन्त देवरहा हंस बाबा - विन्ध्याचल
६. पूज्य विश्वनाथ नारायण पालन्दे महाराज, काशी
७. पूज्य महन्थ मेवादास श्रीमहाराज - श्रीगुरु रविदास मंदिर, सीरगोवर्धन, काशी
८. पूज्य परमा महाराज - संस्थापक-शनिदेव धाम, कुशाफल, प्रतापगढ़

अध्यक्ष- पूज्य सन्त स्वामी गोपालजी महाराज - सच्चा बाबा आश्रम, अरैल, नैनी, प्रयाग

कार्याध्यक्ष- डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव - पूर्व निर्देशक, नार्दन कोल इण्डिया लिमिटेड

उपाध्यक्ष- * डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय-सुलतानपुर, * श्री सरदार राजेन्द्र सिंह एडवोकेट-मीरजापुर
* श्री नरेन्द्र बहादुर सिंह-सोनभद्र, * श्री ओम प्रकाश जायसवाल-जौनपुर

सचिव - डॉ. कृष्ण बिहारी पाण्डेय - पूर्व कुलपति, कानपुर विश्वविद्यलाय, पूर्व अध्यक्ष लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश

सह सचिव - * श्री ब्रह्मानन्द पेशवानी-प्रमुख व्यवसायी, काशी, * श्री दीनदयाल-काशी
* श्री सोहनलाल श्रीमाली-विन्ध्याचल, * श्री दिनेश प्रताप सिंह-शक्तिनगर, सोनभद्र
* श्री कमलाकान्त-प्रयाग * श्री रमाशंकर -सुलतानपुर * श्री मुरलीपाल -जौनपुर

कोषाध्यक्ष- * श्री रामकृपाल मिश्र-सामाजिक कार्यकर्ता, इलाहाबाद

सदस्य - * श्री मनुशर्मा-प्रख्यात साहित्यकार, * पं किशन महराज-'पद्म विभूषण', तबलावादक, काशी
* श्री चन्द्रशेखर मिश्र प्रख्यात साहित्यकार-काशी, * श्री जगत शर्मा-प्रसिद्ध व्यंग्य चित्रकार,काशी
* श्री एस. प्रणाम सिंह-कला क्षेत्र, काशी * श्री सूर्यकान्त जालान-समाज सेवा, काशी
* श्री सुबीर बनर्जी ए.एच. हवीलर, प्रयाग, *श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव-राजनीतिज्ञ, काशी
* श्री विजयकान्त शर्मा-प्रयाग, * श्री कुँवर श्रीपाल सिंह-सिंगरामऊ स्टेट
* डॉ. सुरजीत सिंह डंग-राजनीतिज्ञ, मीरजापुर, * श्री रामलखन जायसवाल-उद्योगपति, सुलतानपुर
* श्री महेश्वर पति त्रिपाठी-अध्यापक, मीरजापुर, * श्री राम शकल-राजनीतिज्ञ, सोनभद्र
* डॉ. शुकदेव सिंह-प्रसिद्ध साहित्यकार, पूर्व प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, का.हि.वि.वि.
* श्री प्रदीप व्याहुत -कला क्षेत्र, गाजीपुर, * पंडित रामकिशोर त्रिपाठी-शिक्षा जगत, सुलतानपुर
* श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह चौधरी-पूर्व महाधिवक्ता, उत्तर प्रदेश सरकार, प्रयाग * श्री भरत अग्रवाल-एडवोकेट, प्रयाग, * डॉ. लखन राम 'जंगली'-साहित्यकार, सोनभद्र *श्री प्रभुनाथ केशवरवानी-उद्योगपति, प्रयाग

आयाम प्रमुख, काशी प्रान्त

प्रबुद्ध गोष्ठी प्रमुख- * डॉ. गिरीश त्रिपाठी
विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख- * डॉ. उमेश जी,
सामाजिक सद्भाव प्रमुख- * श्री संजीव जी
अधिकतम उपस्थिति प्रमुख- * श्री चन्द्रमोहन जी
विशाल हिन्दू सम्मेलन प्रमुख-* डॉ. विश्वनाथ लाल निगम
विशाल हिन्दू सम्मेलन सह प्रमुख-* श्री बाँके लाल यादव

वाराणसी

समरसता के लिए समर्पित था श्रीगुरुजी का जीवन -कुप्प. सी. सुदर्शन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक कु.सी. सुदर्शन ने कहा कि श्रीगुरुजी का सम्पूर्ण जीवन सामाजिक समरसता के लिए समर्पित था। वे "हिन्दवः सोदराः सर्वे, मम मंत्र समानता और न हिन्दू पतितो भवेत्" में विश्वास करते थे। यह विचार व्यक्त करते हुए काशी थे। यद्यपि श्रीगुरूजी प्राणीशास्त्र के शिक्षक थे फिर भी वे पढ़कर अन्य विषयों के विद्यार्थियों को पढ़ाते थे। गरीब विद्यार्थियों की फीस भी वे स्वयं देते थे। छात्रों के बीच वे इतने लोकप्रिय हुए कि उन्हें प्रेम से छात्र 'श्रीगुरुजी' कहने लगे और यही नाम पूरे संसार में प्रसिद्ध हो गया।



विराट हिन्दू सम्मेलन में उपस्थित सरसंघचालक कु.सी. सुदर्शन जी, शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द, सरकार्यवाह मोहन राव भागवत एवं अन्य संघ के अधिकारी

महानगर स्थित कटिंग मेमोरियल इण्टर कालेज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में श्री सुदर्शन ने कहा कि काशी की 'पतित पावनी भूमि' से श्रीगुरुजी का सम्बन्ध रहा है। प्राचीन मान्यता है कि 'चना चबेना गंगजल जो पुरवें करतार, काशी कबहुँन छांड़िये विश्वनाथ दरबार'। इसी पवित्र ध रती पर उन्होंने अध्ययन एवं अध्यापन का कार्य किया। शिक्षक के रूप में वे विद्यार्थियों की सदा सहायता करते श्रीगुरुजी ने संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार से प्रभावित होकर समाज सेवा का निश्चय किये। सन् १९४२ में जब कांग्रेस के सभी नेता जेल में थे, उस समय श्रीगुरुजी ने संघ कार्य करते हुए व्यक्तिगत रूप से भारत छोड़ो आन्दोलन में स्वयंसेवकों को भाग लेने की अनुमति दी थी। अरुणा आसफ अली ने लिखा है कि आन्दोलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने हर प्रकार से आन्दोलनकारियों का सहयोग किया। शेष पृष्ठ..(५ पर)

समरसता के लिए समर्पित था श्रीगुरुजी....(पृष्ठ ४ का शेष).....

स्वयं अरुणा आसफ अली दिल्ली के तत्कालीन संघचालक लाला हंसराज के घर पर रहीं। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान को आजादी १९४२ के आन्दोलन के कारण नहीं मिली बल्कि उसका कारण नेता जी सुभाषचन्द्र बोस एवं सैनिक विद्रोह था। वैसे अंग्रेज १८८५ में ही भारत को हिन्दुस्तान एवं पाकिस्तान में बांटने का निश्चय कर चुके थे। उनका अनुमान था कि बंटवारे के बाद दोनों के आपस में लड़ने के कारण उन्हें फिर वापस आना पड़ेगा। जबकि वैसा नहीं हुआ। श्रीगुरुजी ने आजादी के पूर्व एवं आजादी के पश्चात् भी भारत का मार्ग दर्शन किया। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि श्रीगुरुजी राष्ट्र के लिए हिन्दू भाव आवश्यक मानते थे। वे चाहते थे कि समाज सभी प्रकार के भेद-भाव से मुक्त हो। उनका मत था कि हिन्दू कभी पतित नहीं होता। सभी हिन्दू सहोदर हैं। समानता हमारा मन्त्र है। धर्म में अस्पृश्यता के लिए कोई स्थान नहीं है। श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी पर समाजिक समरसता के लिए हमें कार्य करना चाहिए। हम समाज के छोटे से छोटे व्यक्ति को साथ लेकर चलें, यही श्रीगुरुजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विराट हिन्दू सम्मेलन के अध्यक्ष एवं ज्योतिष्पीठ के पूज्य शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती ने कहा कि श्रीगुरुजी ने राष्ट्र एवं व्यक्ति दानों को प्रभावित किया। उनकी प्रेरणा से अनेक लोग संघ के स्वयंसेवक बने। उनका नाम गोवर्धनपीठ के शंकराचार्य के लिए प्रस्तावित था लेकिन उन्होंने शंकराचार्य पद छोड़कर अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। समरसता हमारी परम्परा का अंग है। श्रीगुरुजी समरसता के समर्थक थे। सर संघचालक कु.सी. सुदर्शन के दीप प्रज्वलन से समारोह का शुभारम्भ हुआ। इसी क्रम में वैदिक मंगलाचरण श्री वाचस्पति मिश्र द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मंच पर सरकार्यवाह श्री मोहनराव भागवत, सर्वश्री बजरंग लाल, डॉ. देवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. के. बी. पाण्डेय, डॉ. जे. पी. लाल, डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, डोमराजा श्री सुरेश चौधरी, श्री किशोरी लाल एवं डॉ. धर्मसिंह विद्यमान थे। कार्यक्रम का संचालन श्री वीरेन्द्र जायसवाल ने किया। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन भूपेन्द्र जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर लगभग ८ हजार की संख्या में लोग उपस्थित थे।

अन्य धर्मों में नहीं है हिन्दू धर्म जैसा त्यागभाव

हिन्दू धर्म में जो त्याग और बलिदान की भावना है वह विश्व के अन्य धर्मो में नहीं। काशी प्राचीन काल से ही सन्त, महात्माओं, साधकों और विद्वानों की धरती रही है। यहां के संतों ने पूरे विश्व में ज्ञान का प्रकाश फैलाया है।

उक्त बातें जगतगुरु विष्णुस्वामी सम्प्रदायाचार्य एवं श्री यमुनाचार्य जी महाराज 'सतुआ बाबा' ने २६ मार्च को नगर निगम पेक्षागृह वाराणसी में आयोजित श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी उद्घाटन समारोह में व्यक्त किया। इस अवसर पर अमेरिका से भारत भ्रमण पर आर्यी सर्वानन्दमयी माता ने कहा कि सभी धर्मों से श्रेष्ठ हिन्दू धर्म में गुरु का महत्व होता है। बिना गुरु के ज्ञान नहीं मिल सकता। यही एक ऐसा धर्म है जिसमें मनुष्य अपनी आत्मा की आवाज सुनकर समाज हित में कार्य करता है। क्षेत्र प्रचारक अशोक बेरी ने कहा कि साधु सन्तों की कोई जाति नहीं होती। महापुरुष सम्पूर्ण विश्व के होते हैं। महापुरुषों से मिले ज्ञान का उप योग समाज के निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीगुरुजी ने समाज को एक दिशा दिखाई। इसी का परिणाम है कि लाखों लोग उनके बताए मार्ग पर चल रहे हैं। सन्त रविदास मन्दिर के महन्त श्रीमेवादास ने कहा कि मनुष्य जन्म से हिन्दू पैदा होता है। हिन्दू धर्म अखण्ड है। इसे कोई बांट नहीं सकता। समारोह का संचालन श्री किशोरी लाल ने किया।

श्रीगुरुजी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए -अभय कुमार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक अभय कुमार ने कहा कि संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी कहा करते थे कि 'जवानी के कुछ दिन यदि आराम के लिए लें तो बुढ़ापे के निकम्मे दिन ही आराम के लिए बचेंगे' अतः श्रीगुरुजी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। यह विचार वाराणसी के मिसिर पोखरा स्थित दक्षिणेश्वर मठ में आयोजित संत सम्मेलन में उन्होंने व्यक्त किया। इस सम्मेलन में श्रीगुरुजी की खूबियों का बखान किया गया। ईमानदारी को आत्मसात करने पर बल दिया गया। विधायक श्यामदेव राय चौधरी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि ईमानदारी आदमी को महान् बनाती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मधुसूदन गिरि थे, उन्होंने ईमानदारी को आत्मसात करने पर बल दिया।

हिन्दुओं की घटती जनसंख्या चिन्ता का विषय

अखिल भारतीय विद्वत् परिषद के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. कामेश्वर उपाध्याय ने कहा कि हिन्दुओं की जनसंख्या लगातार घट रही है जो चिन्ता का विषय है। बंगलादेशियों के घुसपैठ से स्थिति गम्भीर होती जा रही है। दुखद यह है कि सरकार इन घुसपैठियों को बाहर करने के प्रति गम्भीर नहीं है।

उक्त विचार डॉ. कामेश्वर जी ने वाराणसी के कबीर चौरा स्थित कबीरकीर्ति मन्दिर में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति, काशी उत्तर की ओर से आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक मे मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि श्रीगुरुजी ने सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में भारतीयता के आधार पर काम करने के लिए अनेक संगठन बनाए। बैठक में प्रमुख रूप से डा. राज सिंह, किशोरी लाल, भूपेन्द्र दादा, मुरली जी, डा. नागेन्द्र पाण्डेय, वीरेन्द्र गुप्ता तथा दिनेश पाठक आदि उपस्थित थे।

स्वयंसेवक स्वीकार करें आतंकवाद की चुनौती -अशोक बेरी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी की जन्मशती पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक अशोक जी बेरी ने कहा कि वर्तमान में आतंकवाद सबसे बड़ी समस्या है, स्वयंसेवक इसे चुनौती के रूप में स्वीकारें।



उक्त वक्तव्य श्री बेरी ने नगर निगम प्रेक्षागृह में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक हिन्दू समाज से भेदभाव खासकर जातीय दूरी मिटाने के लिए काम तेज करें। हिन्दू समाज में समरसता और स्वदेशी का भाव जगाने के संकल्प के साथ ही देश को अब हिन्दू समाज के भितरघातियों के खिलाफ संघर्ष छेड़ने का आह्वान किया। अध्यक्षता कर रहे स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती ने बार-बार हो रहे हर-हर महादेव के उद्घोष के बीच आतंकवाद को राक्षस बताया, संगठित होने का आह्वान किया और कहा कि देश के नेता जनता को अपमानित कर रहे हैं। स्वामी सिद्धेश्वरानन्द, स्वामी डॉ. रामकमल दास वेदान्ती, प्रो. धर्म सिंह तथा मनोज पाण्डेय समेत अनेक वक्ताओं ने विचार व्यक्त किये। श्री यमुनाचार्य महाराज सतुआ बाबा, अमेरिकी साध्वी सर्वानंदमयी साई माँ, प्रान्त प्रचारक

शिवनारायण जी, जिला प्रचारक विश्वप्रताप जी, रविदास मन्दिर के महन्त मेवालाल आदि के साथ ही कुछ बौद्ध भिक्षु भी समारोह में उपस्थित थे।

हिन्दू सम्मेलन में मानव कल्याण पर जोर

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के अन्तर्गत जिले के विकास खण्ड काशी विद्यापीठ का विशाल हिन्दू सम्मेलन भारतमाता मन्दिर वाराणसी में आयोजित हुआ। सम्मेलन का शुभारम्भ जनार्दन प्रसाद व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह ने सयुंक्त रूप से भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। सम्मेलन में मानव कल्याण के लिए समाज में व्याप्त छुआछूत, ऊँच-नीच को समाप्त कर संगठित हिन्दू समाज के निर्माण पर बल दिया गया। विधायक हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि हिन्दू धर्म नहीं एक विचारधारा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डा. अमर सिंह ने कहा कि गुरुजी ने हिन्दू समाज को मजबूत करने के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। उन्होंने अफजल को फांसी नही देने पर कांग्रेस सहित कुछ पार्टियों पर निशाना साधा। इस मौके पर राघवेन्द्र, भरत सिंह, ज्योत्सना श्रीवास्तव, उमाकांत सिंह, छोटेलाल पटेल, सुरेन्द्र नारायण सिंह, रामखेलावन बिन्द, सच्चन केशरी, शीला सिंह, कृष्ण कुमार मिश्रा, दामोदर गुप्ता, विरेश्वर सिंह आदि मौजूद रहे।

वन्देमातरम् के विरोध में छिपी है देश विभाजन की योजना

सेवापुरी वाराणसी क्षेत्र के जुड़ावन सिंह इंटरं कालेज में हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया इस मौके पर मुख्य अतिथि विश्व हिन्दू परिषद के प्रांतीय संगठन मंत्री मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि वंदेमातरम् का विरोध देश का एक नया एक्शन प्लान है जो सिर्फ वोट की राजनीति के लिए लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के राजनेताओं ने मुस्लिम मतों को हथियाने के लिए देशद्रोहिओं और आतंकवादियों से समझौता कर लिया हैं। जिससे कि उनकी राजनीति ठीक-ठाक चलती रहे। वोट की राजनीति का नतीजा है कि संसद पर हमला करने के आरोपी अफजल को, सुप्रीम कोर्ट की ओर से फांसी की सजा मिलने के बाद भी, फांसी नहीं दी जा रही है। देशद्रोहियों को बढ़ावा देने का ही नतीजा है कि आज रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, हवाई अड्डा, मन्दिर, मस्जिद, संसद, विधान सभा अथवा कोई भी आम या खास नागरिक सुरक्षित नहीं है। इसके अलावा विधान परिषद सदस्य उदयनाथ उर्फ चुलबुल सिंह, बचनू पटेल, देवेन्द्र प्रताप सिंह, संघ के बलराम सिंह, वीरेन्द्र, उमेश व काशी प्रान्त के संगठन मंत्री श्रीकांत सागर ने भी विचार व्यक्त किया। सम्मेलन की अध्यक्षता जंगली पाल व संचालन दिनेश सिंह ने किया।

समरसता के लिए संघ कृतसंकल्प

समाज से छुआछूत मिटाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कृतसंकल्प है। ऊँच-नीच का भेदभाव खत्म हो एवं लोगों में समरसता व एकता स्थापित रहे यही आर.एस.एस. का उद्देश्य है। यह बातें संघ क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह ने चिरईगांव में आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में कही।

सम्मेलन में डॉ. सिंह ने कहा कि इस देश में जन्म लेने वाले सभी नागरिक हिन्दू है। आतंकवाद को सिर्फ हिन्दू समाज ही खत्म कर सकता है। उन्होंने आतंकवाद के सफाए के लिए हिन्दुओं से आगे आने के लिए कहा। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे धर्मराज राम ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के चलते आपसी सद्भाव नष्ट

हो रहा है। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज अल्पसंख्यक न हो जाय इसके लिए हिन्दुओं को हम दो हमारे दो की नीति का नारा छोड़कर जिससे जितना बन सके उतना जन्म दे। इस अवसर पर डॉ. प्रेमदास ने कहा कि इसाई मिशनरियां हिन्दू धर्म को बदनाम करने में लगी हुई हैं। वे हिन्दुओं को बरगालाकर धर्म परिवर्तन का कुचक्र रच रहे हैं। इस मौके पर चिरईगांव ब्लाक के ८४ गांवों से आये लोगों की भारी भीड़ उपस्थित थी।

पाश्चात्य देश लगे हैं भारत को बांटने की साजिश में -बाबा प्रेमदास

गुरु गोलवलकर जैसा और शबरी जैसी भक्त ने ही हिन्दुस्थान को ऊँचाई प्रदान की है। आज संपूर्ण विश्व में भारत की एकता व अखंडता को लेकर जो आश्चर्य व्यक्त किया जाता है उसके मूल में हिन्दू संस्कृति है। इस संस्कृति को विदेशों में श्रद्धा के भाव से देखा जाता है किंतु भारत के राजनेता सड़क से संसद तक हिन्दू संस्कृति तथा भगवान् राम का नामं लेने से सिर्फ इसलिए डरते हैं कि कहीं उनकी वोट की राजनीति के गणित मे कोई उलट फेर न हो जाय। यह सच्चाई अपने शब्दों में बाबा प्रेमदास ने कही। वे वाराणसी चिरईगांव ब्लाक मुख्यालय पर हिन्दू सम्मेलन को संबोधित किया।

इस अवसर पर डॉ. अमर सिंह, जिला संघचालक भरत उपाध्याय, जिला प्रचारक राघवेन्द्र ने भी विचार रखे। अध्यक्षता धर्मराज, संचालन विनय सिंह व धन्यवाद ज्ञापन अजय सिंह छोटू ने किया। स्वागत गीत सुप्रिया व भानुप्रिया ने गाया।

श्रीराम का आदर्श जीवन में उतारें

माधवराव सदाशिव गोलवलकर (श्रीगुरुजी) के जन्मशताब्दी वर्ष पर जिलेभर में खंड स्तर पर आयोजित किये जा रहे समारोह के अंतर्गत वाराणसी जिले के पिंडरा बाजार के सामुदायिक भवन व राजा तालाब बाजार में सम्मेलन हुए। अपराह्न २ बजे से ४ बजे तक चले हिन्दू सम्मेलन में मुख्य अतिथि बाबा प्रेमदास ने शबरी की प्रेम भक्ति व गुरुजी के राष्ट्रभक्ति के सन्दर्भ में राम के आदर्श को मानव जीवन में उतारने पर बल दिया। मुख्य वक्ता दिनेश जी ने भारतीय संस्कृति पर हो रहे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक हमलों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सम्मेलन में विभूतिनारायण सिंह, लल्लन दूबे, रामप्रवेश पाण्डेय, संजय जायसवाल, चन्द्रशेखर सेठ आदि ने भाग लिया। अध्यक्षता कल्लूराम कन्नौजिया, संचालन आनन्द दूबे और धन्यवाद ज्ञापन रमेश जायसवाल ने किया।

मदरसे पैदा कर रहे हैं आतंकवादी

वाराणसी जिले के राजातालाब बाजार में आयोजित हिंदू सम्मेलन में विहिप के प्रान्तीय संगठन मंत्री मनोज जी ने कहा कि मदरसे आतंकवादी पैदा कर रहे हैं। आतंकवाद से पूरा देश असुरक्षित हो गया है। हिंदुओं की एकजुटता से ही इस पर काबू पाया जा सकता है। इस अवसर पर सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

भारत माता की झांकी निकली

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह में सबसे आकर्षण का केन्द्र भारत माता की झांकी रही। किशोरी लाल जालान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चक्का वाराणसी के विद्यार्थियों ने पांच किमी की दूरी तपती धूप में तय की। यह धूप भी विद्यार्थियों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। भारतमाता का जयघोष करते हुए छात्र-छात्राओं ने देखते ही देखते पांच किमी की दूरी तय कर ली।

देश रक्षा के लिए हिंदुओं में एकता जरूरी –कामेश्वर उपाध्याय

वाराणसी के बड़ागांव में स्थित सुभद्रा कुमारी इण्टर कालेज के प्रांगण में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी के अवसर पर विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यअतिथि संत शिरोमणि गोविन्द जी कैलाश पुरी आश्रम के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं श्रीगुरुजी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हिन्दुओं का संगठित होना जरूरी है। हिंदू संगठित होगा तभी देश की आन-बान की रक्षा हो सकेगी। सम्मेलन के मुख्यवक्ता डॉ. कामेश्वर उपाध्याय ने कहा कि श्रीगुरुजी ने हिन्दू समाज को संगठित करने में अपना सम्पूर्ण जीवन लगा दिया। डॉ. हेडगेवार की प्रेरणा से उन्होंने हिन्दू समाज में एक नई चेतना जागृत की। श्री उपाध्याय ने हिन्दू समाज को संगठित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आज हिन्दू जातियों में विभाजित है। विभाजित होने की वजह से आज हिन्दू कमजोर हो रहा है। लोगों को जात-पांत का बंधन तोड़कर एक होना पड़ेगा। सम्मेलन की अध्यक्षता शोभनाथ एवं संचालन दिनेश जी ने किया। इस मौके पर उपस्थित प्रह्लाद जी एडवोकेट, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्राचार्य मृत्युंजय शर्मा, भरत जी, डॉ. जे.पी. दूबे, आनंद दूबे, डॉ. प्रदीप आदि लोगों ने भी सम्मेलन को संबोधित किया।

समग्र हिन्दू समाज की मजबूती से ही मिटेगा आतंकवाद

भारत में आज चौतरफा आतंकवादी सक्रिय हैं। जब-जब हिन्दू समाज कमजोर हुआ है तो आतंकवाद बढ़ा है। देश की अस्मिता की रक्षा व आतंकवाद के नाश के लिए समग्र हिन्दू समाज की मजबूती जरूरी है। आतंकवाद को जड़ से मिटाए बिना देश का विकास नहीं किया जा सकता।

उक्त विचार प्रो. जयप्रकाश लाल ने वाराणसी जिले के हरहुआ विकास खण्ड के जूनियर हाईस्कूल के प्रांगण में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित हिन्दू सम्मेलन में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि श्रीगुरुजी हिन्दू समाज के सम्मान, परंपराओं, मूल्यों की रक्षा के प्रणेता रहे। सम्मेलन के अध्यक्ष संत अवधेश जी महाराज ने कहा कि हिन्दू समाज संगठित होकर अपने अधिकारों को हासिल करे। राधाकृष्ण मन्दिर के महंत मद्रासी बाबा ने कहा कि देश में तेजी से बढ़ रहे ईसाई मिशनरियों व मदरसों को रोकना होगा। उन पर कड़ी नजर रखनी होगी। सम्मेलन में मनोज जी, सुरेश सिंह गौतम, भरत उपाध्याय, अखिलेश सिंह, मधुबन यादव, डॉ. भागवत सिंह आदि ने भी विचार रखे। संचालन दिनेश सिंह ने किया।

देश की अखंडता के लिए संगठित हो हिन्दू समाज

देश की अस्मिता एवं सुरक्षा के लिए हिन्दू समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने की जरूरत है। जब तक हिन्दू समाज संगठित नहीं होगा, तबतक भारत के अखण्ड होने का सपना पूरा नहीं हो सकता यह विचार श्री युगल बिहारी इण्टर कालेज रामेश्वर वाराणसी के मैदान में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के समापन अवसर पर आयोजित हिन्दू सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह ने व्यक्त किया। इसके पूर्व संघ स्वयंसेवकों ने साइकिल सामाजिक समरसता यात्रा, सेवापुरी स्थित भगवान् शंकर जी के रामेश्वर मन्दिर पर स्थित घाट की सफाई, वरुणा नदी में सामूहिक स्नान एवं समरसता भोज, सड़कों की साफ-सफाई कर मानवता का संदेश दिया। अध्यक्षता रामकिशुन राम व संचालन दिनेश जी ने किया।

हिन्दू समाज को सशक्त बनाने पर बल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह ने कहा कि देश की अस्मिता की रक्षा के लिए हिन्दू समाज को संगठित व सशक्त बनाने की आज जरूरत है।

श्री सिंह हरहुआ वाराणसी के श्री युगल बिहारी इण्टर कालेज के मैदान में "श्रीगुरुजी" के जन्मशताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर आयोजित विशाल हिन्दू सम्मेलन में मुख्यअतिथि पद से बोल रहे थे। समारोह को हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, सुजीत सिंह टीका, सुरेश सिंह गौतम, बचनू राम पटेल आदि ने भी सम्बोधित किया।

हिन्दुस्थान में बढ़ा विभाजन का संकट -शिवनारायण

एक बार फिर हिंदुस्थान पर विभाजन का संकट मंडराने लगा है। कुछ वैसी ही परिस्थितियां बन गई हैं जैसी आजादी के पूर्व थीं। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी के विचार आज भी युवा पीढ़ी के लिए प्रासांगिक हैं। उक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक शिवनारायण जी ने वाराणसी के हरहुआ स्थित कृषक इण्टर मीडिएट कालेज में आयोजित श्रीगुरुजी जन्मश्ताब्दी समारोह के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिस वक्त बापू, नेहरू और पटेल जैसे लोग भारत विभाजन के लिए सार्वजनिक रूप से तैयार नहीं थे, श्रीगुरुजी ने उसी वक्त कह दिया था कि अब विभाजन को टाला नहीं जा सकता। आगाह किया कि नागालैण्ड और मेघालय में प्रवेश के लिए इनरलाइन परमिट लेनी होती है। निर्दिष्ट दिन और स्थान के अतिरिक्त



कहीं भी गए तो गिरफ्तारी तय है। हम अब भी नहीं चेते तो ऐसा ही माहौल पूरे देश में होगा। समारोह की अध्यक्षता अनौरा आश्रम के ब्रह्मचारी राम बालक दास ने की। जन्मशताब्दी समारोह समिति के संरक्षक सुरेश गौतम, काशी जिला के संघचालक प्रह्लाद सिंह ने भी विचार व्यक्त किये। श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समाराहों के निमित्त शहर के प्रमुख हिस्सों में तो ॐ अंकित केसरिया झण्डे टांगे गए और आयोजन स्थल को भी केसरिया झण्डों से पाट दिया गया था। कृषक इंटर कालेज के दोनों ओर एक एक किलो मीटर तक केसरियाँ झण्डे और बैनर लगाए गए थे। हरहुआ में आयोजित जन्मशताब्दी समारोह के उद्घाटन पर बाल स्वयंसेवकों ने गुरुजी से जुड़े प्रेरक प्रसंक बारी-बारी से सुनाए। अमित, राजू व प्रतीक ने श्रीगुरुजी के प्रेरक प्रसंगो को सुनाया तो गितेश ने उन पर लिखा गया गीत 'राष्ट्र की जय चेतना आई तुम्हारा रूप लेकर...' सुनाया। इस समारोह में बड़ी संख्या में महिलाएँ भी शामिल हुईं।

संघ का कार्य है व्यक्ति निर्माण -राममाधव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र को समर्पित था। संघ का विचार मानव कल्याण के लिए है। आज देश अनेक प्रकार के संकटों से जूझ रहा है, इसके समाधान के लिए प्रबुद्ध वर्ग को आगे आना होगा। संघ कार्य जिस वट वृक्ष के रूप में दिख रहा है, उसका बीजारोपण संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने किया और उस कार्य को आगे बढ़ाने में श्रीगुरुजी का विशेष योगदान रहा। हमारी संस्कृति महान् एवं सनातन है। जीवन जीने की संजीवनी हिन्दू संस्कृति से प्राप्त हो सकती है। ऐसी सोच श्रीगुरुजी के मन में सदैव विचरण करती रहती थी।

उक्त विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अ. भा. कार्यकारी मण्डल के सदस्य राम माधव ने वाराणसी स्थित विश्व संवाद केन्द्र के सभागार में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित प्रबुद्ध नागरिक संगोष्ठी में व्यक्त किया।। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों के साथ संघर्ष पाश्चात्य देशों में देखने को मिलता है। परिणामतः गैलेलियो जैसे विज्ञानी को सजा भुगतनी पड़ी धर्म के अन्दर अन्धविश्वास का विस्तार हुआ इसी कारण वैज्ञानिकों के साथ टकराव भी बढ़ा। फलस्वरूप अधिकांश वैज्ञानिक अपने आप को भगवान् मानने लगे। हमारे देश में अनेक वैज्ञानिक हुए जो बाद में चलकर आध्यात्मिकता की ओर अग्रसर हुए। विज्ञान और दर्शन का मेल जो हमारे धर्म एवं संस्कृति में है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। श्रीगुरुजी वैज्ञानिक होने के बावजूद आध्यात्म की ओर उन्मुख हुए। समाज में दो तरह की धारायें होती हैं कुछ लोग जगमुखी होकर मोक्ष की प्राप्ति करना चाहते हैं, तो कुछ लोग समाजमुखी होकर उसकी उपासना करते हुए भगवान् स्वरूप मोक्ष की प्राप्ति करते हैं। गोलवलकर जी उसी परम्परा के वाहक थे। श्री राममाधव ने कहा कि विभिन्न संस्कृतियाँ आयीं और समाप्त हो गयीं लेकिन आज भी हमारी यह सनातन संस्कृति जीवित है। आज दुनियाँ में सन्तोष की कमी है, लोगों की चाह असीमित है परन्तु हिन्दू संस्कृति में कामनाओं पर विजय प्राप्त करने की बात है जिसका वाहक हिन्दू समाज है। आज इसकी जरूरत सम्पूर्ण संसार को है। श्रीगुरुजी ने "सन्तोषं परमं सुखम्" की भावना को सदैव आगे बढ़ाया। श्री राममाधव ने कोफी अन्नान के उस वाक्यांश को उद्धृत किया जिसमें अन्नान कहते हैं कि दुनिया में आज भी कुछ लोग ऐसे हैं जो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना रखते हैं। वर्तमान समय में दुनियां के लोगों को ऐसी कामना करनी चाहिए। संघ की हमेशा से अवधारणा रही है कि धर्म के साथ धर्मी की रक्षा जरूरी है। धर्म के जो उदार सूत्र हैं उस रास्ते पर समाज को चलना चाहिए। संघ ने ऐसा ही काम अपने हाथ में लिया है। साथ ही समाज का सबसे बड़ा शत्रु जो जातिवाद है, उसको



प्रबुद्ध गोष्ठी में मंच पर राममाधव जी, प्रो. श्रीकान्त शर्मा
प्रो. धर्म सिंह, प्रो. देवेन्द्र प्रताप सिंह

समाप्त करने की प्रतिज्ञा ली। हमारे वेदों में भी वर्ण की कल्पना है न कि जाति की। विद्वानों को यह सोचना जरूरी है कि आज की जाति व्यवस्था जो कायम है, कितनी प्रासंगिक है। व्यवस्था परिवर्तन के लिए सन्तों ने बार-बार समाज का मार्गदर्शन किया। जरूरत पड़ने पर व्यवस्था को परिवर्तित भी किया। दोषपूर्ण व्यवस्था को बदलना ही चाहिए और समाज में नवीन व्यवस्था लाकर समाज को सुदृढ़ करना चाहिए। व्यवस्था में रिक्तता नहीं होनी चाहिए। इसका विकल्प क्या हो सकता है, इसका विचार विद्वानों को ही करना चाहिए। वेदों में भी इस बात पर जोर दिया गया है। कर्म के आधार पर समाज की व्यवस्था होनी चाहिए। ऐसा श्रीगुरुजी का भी मानना था। धर्म में ऊँच-नीच की भावना का कोई स्थान नहीं है, ऐसी भावना को प्रबल करने की जरूरत है। प.पू. श्रीगुरुजी ने विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना इसी उद्देश्य से किया था-"हिन्दवः सोदराः सर्वे, न हिन्दू पतितो भवेत"। समाज को भी इसी व्यवस्था से चलना चाहिए। ऐसी संघ की अवधारणा है। हम महान् धर्म एवं संस्कृति के वारिस है यदि इसमें कोई दोष है तो इसका दोषी समाज का है, धर्म का नहीं। आज देश के अन्दर संकट की स्थिति में हिन्दू समाज को संगठित करना ही हमारा लक्ष्य है। राजनीति का अपना स्वभाव होता है। जो वोट बैंक को ध्यान में रखकर तय होता है। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज का एक ही लक्ष्य होना चाहिए जिससे राष्ट्र सुदृढ़ हो। समाज में समरता की भावना आये। वाटर्सन ने अपने शोधग्रन्थ में लिखा है कि संघ जितना आसान देखने में लगता है उससे अधिक आसान उसके प्रति गलत भ्रान्तियां फैलाने में आता है। सामाजिक नेतृत्व प्रदान करना संघ का उद्देश्य है। समाज में ऐसी व्यवस्था हो जिससे समाज का कल्याण हो। नेतृत्व के द्वारा राज्य की उपासना हो न कि राज्य का उपभोग। विषय की प्रस्तावना करते हुए प्रो. सत्येन्द्र मिश्र ने कहा कि श्रीगुरुजी जब संघ के स्वयंसेवक बने तो हिन्दुत्व को एक नई शक्ति मिली। देश में ८६ फीसदी लोगों की बात नहीं मानी जाती, १४ फीसदी लोगों की बातों पर ध्यान दिया जाता है। अतः हिन्दू समाज को संगठित होकर राष्ट्र निर्माण करना होगा। डॉ. शुकदेव भुई ने कहा कि हमें मन, वचन और कर्म से एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में लगना होगा। जाति व्यवस्था को तोड़कर नई व्यवस्था लानी होगी। प्रो. दीनबन्धु पाण्डेय ने कहा कि वे लोग धन्य है जिनकी जन्मभूमि भारतवर्ष है। हमारी संस्कृति का हिमालय सुदुर देशों तक विकसित है। डॉ. शुक्ल ने कहा कि जो दृष्टि श्रीगुरुजी ने समाज को दी है उससे राष्ट्र को समृद्ध एवं खुशहाल बनाया जा सकता है। डॉ. रामायण प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि मन, वचन और कर्म से सन्त होना चाहिए। तभी समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त किया जा सकता है। प्रो. हृदयरंजन शर्मा का कहना था कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदूषण व्याप्त है। इस प्रदूषण को दूर करके ही हम समाज को संगठित कर सकते हैं। हमारी हमेशा से अवधारणा 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की रही है। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के धर्म विज्ञान संकाय प्रमुख प्रो. श्रीकान्त शर्मा ने कहा कि सत्य वचन को अपने जीवन में उतारकर ही मनुष्य समाज में परिवर्तन ला सकता है। आज समाज में संस्कार की कमी आ गयी। जिसके चलते सामाजिक टूटन बढ़ गयी हैं। "उदार चरितानां वसुधैव कुटुकम्" परम्परा के हम वाहक हैं। अतः समाज का प्रत्येक व्यक्ति हमारा कुटुम्कम् होनी चाहिए। कार्यक्रम का प्रारम्भ राममाधव जी द्वारा भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। संचालन प्रो. जयप्रकाश लाल ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. धर्म सिंह ने किया। कार्यक्रम का समापन अर्चना शाही के वन्देमातरम् से हुआ। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में शिक्षक उपस्थित थे। ***

शाखा उपस्थिति दिवस सम्पन्न

काशी महानगर में काशी उत्तर जिले के गांधी नगर की केशव प्रभात शाखा का उपस्थिति दिवस कार्यक्रम २६ नवम्बर को सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण शाखा क्षेत्र के पांच गटों में टोली की सम्पर्क योजना एक मास पूर्व बनी थी। प्रत्येक गट के गटनायक के साथ ५ स्वयंसेवकों की सम्पर्क टोली बनी। इस प्रकार २५ कार्यकर्ता गट के तथा मुख्यशिक्षक कार्यवाह सहित ८ अन्य कार्यकर्ता सम्पर्क हेतु योजना बनाने के लिए बैठे। शाखा की स्वयंसेवक सूची ३२२ की है। सभी को उपस्थित करने की योजना बनी। सम्पर्क प्रारम्भ हुआ। एक सप्ताहपूर्व से उपस्थिति सप्ताह की योजना बनी।

उपस्थिति दिवस के दिन कुल २२२ स्वयंसेवक उपस्थित रहे जिसमें से २०० शारीरिक प्रदर्शन में सम्मलित हुए। व्यायाम योग, आसन, सूर्यनमस्कार, का प्रदर्शन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। संघ स्थान की सज्जा, रेखांकन व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ था। श्री अभय जी विभाग प्रचारक काशी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। १२५ स्वयंसेवक पूर्णगणवेश में तथा ६५ अर्द्धवेश में उपस्थित थे। ३२ स्वयंसेवक सामान्य वेश में रहे।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति

काशी महानगर दक्षिण

संरक्षक मण्डल- स्वामी रामकमलदास वेदान्तीजी महाराज
अध्यक्ष- डॉ. धर्म सिंह
सचिव- डॉ. जयप्रकाश लाल
कोषाध्यक्ष- श्री ज्वाला प्रसाद तिवारी
सदस्य- * श्री वीरेन्द्र जायसवाल
* श्री काशीनाथ शास्त्री, * श्री अजीत बग्गा
* डॉ. सुखदेव - सामाजिक सद्भाव बैठक
* श्री प्रभाशंकर
* श्री अरुण - हिन्दू सम्मेलन
* श्री त्रिलोक - विद्यार्थी सम्मेलन
* श्री मनोज - प्रचार प्रमुख
* श्री ओमप्रकाश * डॉ. दीपक शाह
* श्री संजय * श्री प्रेमदास
* श्री राजेश रंजन - अभिलेखागार
* श्री प्रदीप पंड्या- निधि प्रमुख
* श्री मदन जी- सह निधि प्रमुख
* श्री नरेशचद्र लाल * श्री काशीनाथ सिंह
* श्री राजन - विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख
* श्री सुनील - सह विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख

काशी महानगर उत्तर

अध्यक्ष- * श्री किशोरी
सचिव- * श्री भूपेन्द्र मुखर्जी - प्रबुद्ध गोष्ठी
कोषाध्यक्ष- * श्री मुरली - सा. सद्भाव बैठक
सदस्य- * श्री गौरीशंकर - हिन्दू सम्मेलन प्रमुख
* श्री दिनेश - विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख
* श्री राकेश - सह विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख
* श्री गोपाल स्वरूप - प्रचार प्रमुख
* श्री बहादुर - निधि प्रमुख

काशी जिला

अध्यक्ष- श्री भरत - निधि संग्रह
सचिव- श्री दिनेश - खण्ड सम्मेलन
कोषाध्यक्ष- श्री शिवशंकर जी
सदस्य- श्री अरविन्द - शाखा उपस्थिति
श्री कमलेश - प्रचार प्रमुख
श्री कपिलदेव - विद्यार्थी प्रमुख
श्री ज्योति - सामाजिक सद्भाव बैठक
श्री विन्द्रा - प्रबुद्ध गोष्ठी प्रमुख

हिन्दुत्व पर आघात बन्द हो -के.बी. पाण्डेय

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने कहा कि हिन्दुत्व भारत की आत्मा है जो सम्पूर्ण मानवता की समृद्धि हेतु आवश्यक है। अंग्रेजों के शासनकाल में राष्ट्र खण्डित था पर उसमें हिन्दुत्व का प्राण था। वर्तमान में हिन्दुत्व के मूल तत्वों पर आघात किया जा रहा है। उक्त बातें प्रो. पाण्डेय ने माधव पार्क लंका वाराणसी में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित प्रबुद्ध गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि आज हिन्दुत्व के सामने अनेक चुनौतियां है जैसे सांस्कृतिक आक्रमण, गरीबी, बेरोजगारी, बीमारी, सामाजिक असंतुलन, आतंकवाद, जातिवाद, सामाजिक विघटन, आतंकवाद भ्रष्टाचार, अन्धविश्वास आदि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रबुद्ध गोष्ठियों की विशेष आवश्यकता है। उन्होंने सभा में उपस्थित प्रबुद्धजनों का आह्वान किया कि वे सक्रिय होकर हिन्दू समाज को संगठित करे ताकि भारत का मस्तक पूरी दुनिया में ऊँचा उठ सके। श्री धर्मराज त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्री गुरुजी ने ३३ वर्षो तक समरसता के लिए कार्य किया। सम्पूर्णानन्द विश्वविद्यालय के प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति जाति विभेद की नहीं है। नगाड़ा बजाने वाले को अस्पृश्य समझा जाता है। लेकिन नगाड़ा हमारे समाज में शादी विवाह के शुभ अवसर पर पूजा जाता है। हमारी सनातन संस्कृति के कारण ही संत रविदास की पूजा होती है। अपने निजी स्वार्थों के कारण ही राजनैतिक दल समाज में विभेद पैदा करते हैं। पुराने समय के संस्कार विलुप्त होते दिखाई दे रहे हैं। आरक्षण प्राप्त कर आगे बढ़ने वाले लोग ऊँची कुर्सी पाकर अपने से निम्नकोटि के लोगों को भूल जाते है। राजवृत्ति लेकर अध्यापन करना देश हित में नहीं है। यदि हमारे अन्दर उचित संस्कार आ जाये तो कुछ समस्याओं का समाधान स्वतः हो जायेगा। संसद में कभी नहीं सुना जाता है कि हिन्दू आतंकवादी है। आज हिन्दू समाज को संगठित होकर जाति विहीन समाज खड़ा करने की जरूरत है। विषय प्रवर्तन करते हुए काशी महानगर दक्षिण के जिला प्रचारक अखण्ड प्रताप ने कहा कि भारत का मानव धर्म ही दुनिया में जोड़ने का काम कर सकता है क्योंकि हिन्दू संस्कृति सर्व समावेशक है।



प्रबुद्ध गोष्ठी में बायें से प्रो. धर्मसिंह, प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी एवं प्रो. के.बी. पाण्डेय

कार्यक्रम का प्रारम्भ श्रीगुरुजी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन से हुआ। इस गोष्ठी में लगभग २५० की संख्या में वकील, डाक्टर, अध्यापक, प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुनील किशोर द्विवेदी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. जयप्रकाश लाल ने किया।

संगठित युवा शक्ति ही मिटा सकती है आतंकवाद -होसबोले

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सहबौद्धिक प्रमुख दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि संगठित युवाशक्ति के जागरण से ही आतंकवाद का सफाया हो सकता है। इस क्षेत्र में भी भारत के युवकों ने विशिष्ट भूमिका निभाई। धर्माधारित अध्यात्म-प्रधान हिन्दू संस्कृति ही विश्व का वास्तविक कल्याण कर सकती है।

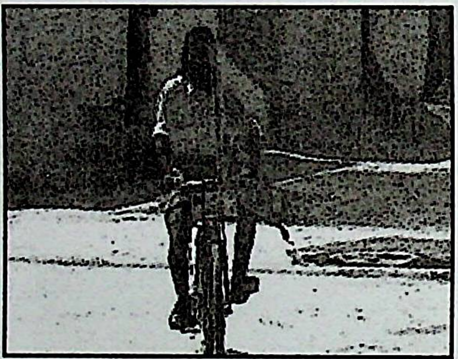
श्री होसबोले जी महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के सभागार में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित विद्यार्थी सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज गरीबी, बेरोजगारी, भूखमरी, बीमारी, सामाजिक असंतुलन, हिंसा, जातिगत वैमनस्य, सामाजिक विघटन, बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लूट का संकट, आतंकवाद, भ्रष्टाचार, अन्धविश्वास आदि अनेकानेक चुनौतियां हमारे सामने हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए जब तक युवा वर्ग आगे नहीं आयेगा, तब तक इनका उपचार संभव नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ०केशव राव बलिराम हेडगेवार के निधन के पश्चात श्री गुरुजी संघ के सरसंघचालक बने और उन्होंने ३३ वर्षों तक संघ का मार्गदर्शन किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से यह विचार रखा कि 'आत्म विस्मृति' और 'असंगठन' के कारण ही हमारी यह दुर्दशा हुई। अंग्रेजों ने अपने गहन अध्ययन से जब देखा कि इस देश में अनेक प्रकार की विविधताएं होते हुए भी 'हिन्दुत्व' का सूत्र समाज को बांधे हुए है तो उन्होंने यहां की प्रज्ञा नष्ट करने का षड्यंत्र रचा। उन्होंने यहां की जातियों में फूट डाली, जाति भ्रष्ट करने की कुचालें चलीं। यहां के गांवों में जो स्वायत्तशासी व्यवस्था थी, उसे नष्ट किया।



श्री होसबोले ने कहा कि हम हजारों वर्षों से आतंकवाद से लड़ रहे हैं। हमारे नालन्दा विश्वविद्यालय को जला दिया गया। इस्लाम का परचम फहराने के लिए मुहम्मद बिन कासिम से लेकर बाबर और औरंगजेब ने हमारे हजारों मन्दिरों को तोड़वा दिया। आज देश आतंकवाद से जूझ रहा है। इस आतंकवाद का शिकार होने वाला आदमी जब अपने परिवार का होता है तब समझ में आता है कि आतंकवाद क्या होता है। जम्मू कश्मीर के हिन्दू बीस सालों से विस्थापित हैं, उनका हाल-चाल लेने के लिए किसी केन्द्रीय मंत्री के पास फुरसत नहीं है। उनके उपर मीडियाकर्मी के पास स्टोरी बनाने का समय नहीं है। उन्होंने कहा कि हिन्दू जीवन पद्धति में किसी भी उपासना पद्धति का विरोध नहीं जबकि इस्लाम या ईसाई मत कहता है कि केवल उनका मार्ग ही सही है। आज इस्लामपंथी और ईसाई दोनों पूरी दुनिया को अपने अधीन करना चाहते है जिसके कारण तीसरे विश्व युद्ध का संकट उत्पन्न हो गया है। ऐसी स्थिति में केवल भारत का 'अध्यात्म' ही दुनिया में जोड़ने का काम कर सकता है। यह आत्म स्वरूप मानता है। जहां कोई

काशी से नागपुर तक सफल साईकिल यात्रा

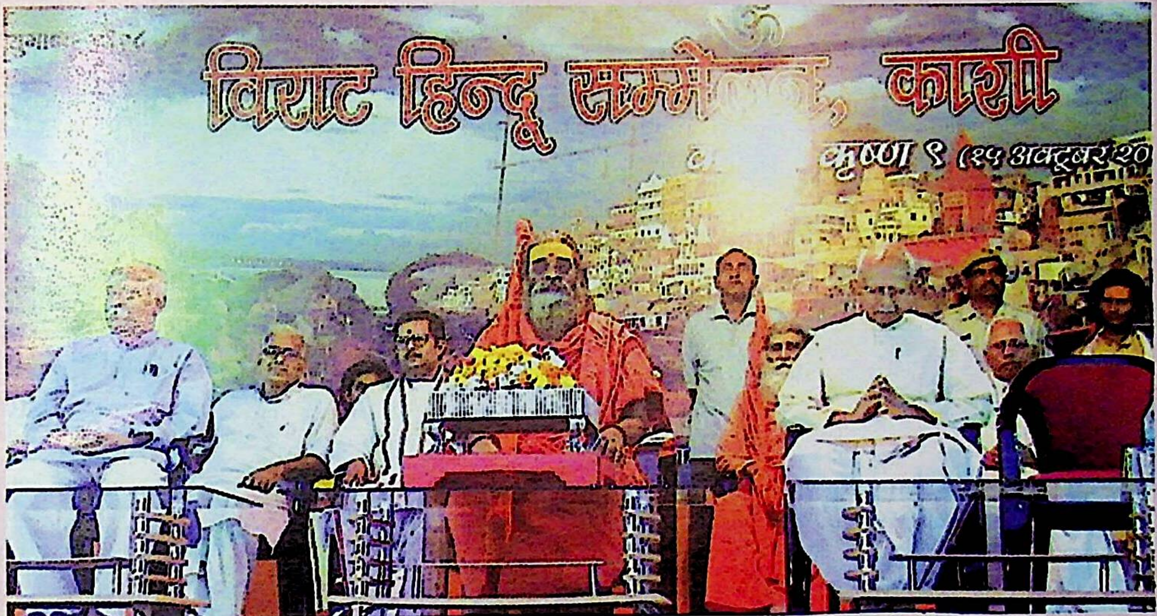
वैसे तो कहा जाता है कि व्यक्ति में कार्य करने की दृढ़ शक्ति हो तो कुछ भी असंभव नहीं है, ऐसा ही कारनामा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक स्वयंसेवक ने कर दिखाया। वाराणसी से १५ कि.मी. उत्तर हरहुआ ब्लॉक के एक छोटे से गांव गहरवारपुर में जन्मे श्री रामगुलाम सिंह के पुत्र दनेश सिंह की आयु मात्र ३० वर्ष है। इतिहास और राजनीतिशास्त्र से एम.ए. करने वाले दिनेश सिंह श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी उद्घाटन समारोह नागपुर में सम्मलित होने के लिए गहरवारपुर गांव (वाराणसी) से साइकिल यात्रा प्रारम्भ किया। दिनेश सिंह का कहना है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प.पू. सर संघचालक मा. कुप्पू. सी. सुदर्शन जी के पत्र से हमें यह प्रेरणा मिली। श्री सिंह साइकिल के आगे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का ध्वज लिए और वन्देमातरम् लिखवाए थे। वे साईकिल पर पूर्ण गणवेश में रहे। वह प्रतिदिन लगभग १०० किलोमीटर चलते थे। जबलपुर की एक घटना उनके दिल को छू गई। जब ढाबा वाले भोजन बिना शुल्क लिये कराये और ५० से अधिक लोगों ने श्रद्धाभाव से पैर छुआ।



संगठित युवा शक्ति ही मिटा... (पृष्ठ १५ का शेष)....

भेदभाव व अस्पृश्यता नहीं रहेगी। उन्होंने सभा में उपस्थित युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे सक्रिय होकर समाज की सुसंगठित शक्ति खड़ी करें ताकि विश्व में भारत का गौरव बढ़े। सम्पूर्णानन्द विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. रजनीश शुक्ल ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि श्रीगुरुजी का काशी से विशेष सम्बन्ध था, यहीं पर उन्होंने शिक्षा पायी और अध्यापन का कार्य किया। श्रीगुरुजी एक आदर्श शिक्षक थे। विद्यार्थी समाज का भविष्य होता है। समर्थ समाज बनाने के लिए विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हिन्दुओं के स्वाभिमान को जगाकर समर्थशाली भारत बनाने के लिए श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम का प्रारम्भ भारतमाता एवं श्रीगुरुजी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मंच पर कोल माइन के निदेशक डॉ. रमेश जी एवं डॉ. शैलेश जी विराजमान थे। विद्यार्थी सम्मेलन में प्रमुख रूप से काशी महानगर उत्तर के सैकड़ों कार्यकर्ता सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक के संघ क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह, प्रान्त प्रचारक शिवनारयण जी, विभाग प्रचारक अभय कुमार जी एवं विश्वप्रताप, चन्दन, सौरभ, सुमित, हनुमान, स्वतंत्र बहादुर, अमित, दिनेश आदि विराजमान थे। कार्यक्रम में लगभग ४०० की संख्या में स्नातक, परास्नातक एवं शोध छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार ने किया एवं एकलगीत प्रभात जी ने गाया।

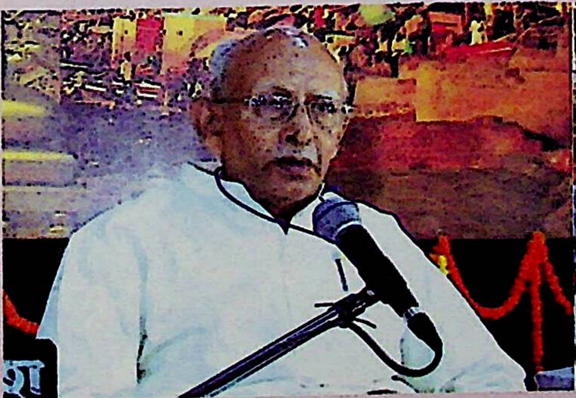


विराट् हिन्दू सम्मेलन में बायें से श्री मोहनराव भागवत, प्रो. के.बी. पाण्डेय, डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती, सरसंघचालक श्री कुप्प्.सी. सुदर्शन





भारतमाता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन करते स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती एवं विशिष्ट अतिथिगण



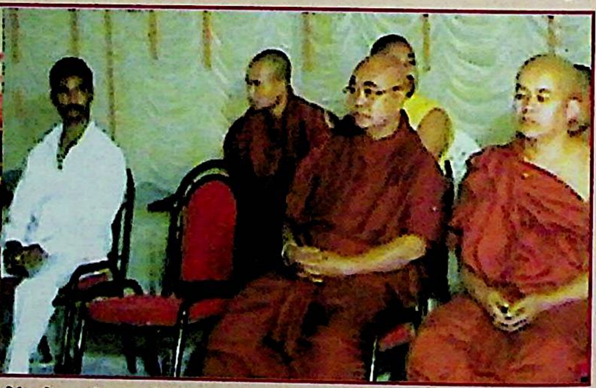


विराट् हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए सरसंघचालक कुप्प्.सी. सुदर्शन एवं जनसमूह



महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के सभागार में आयोजित प्रबुद्ध गोष्ठी के मंच पर संघ के अ०भा० कार्यकारी के सदस्य श्री इन्द्रेश कुमार एवं प्रो. डी.पी. सिंह एक दूसरे का स्वागत करते हुए





अतिथियों का स्वागत करती छात्राएँ एवं कार्यक्रम में बौद्ध भिक्षुओं के साथ डोम राजा सुरेश चौधरी



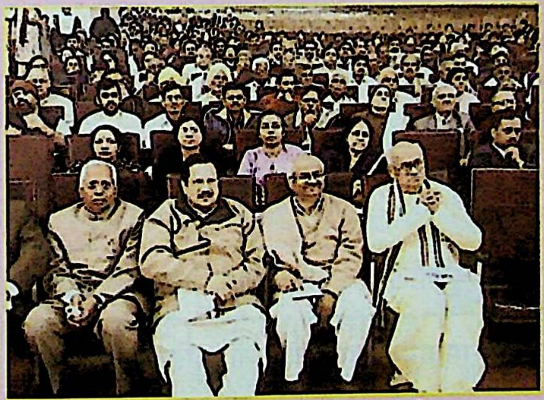


श्रीगुरुजी उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करती अमेरिकी निवासी माँ लक्ष्मी एवं उपस्थित जनसमूह

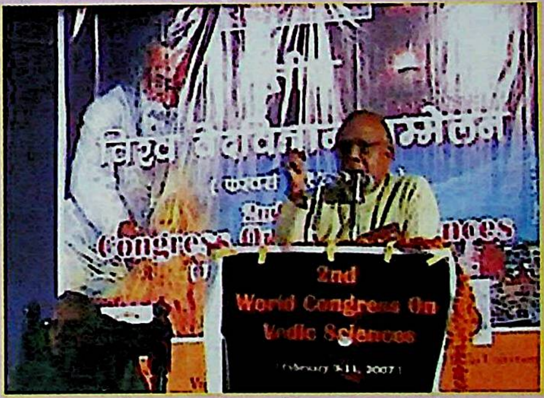
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में सम्पन्न तृतीय विश्व वेद विज्ञान सम्मेलन के विविध कार्यक्रमों की झलकियाँ



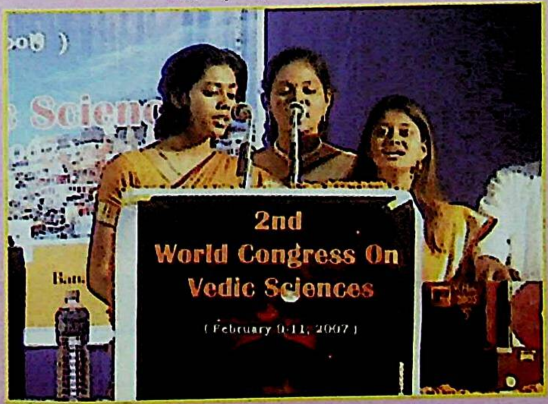
मंच पर बायें से दूसरे स्वामी आत्मप्रियानन्द, कुलपति प्रो. पंजाब सिंह, प्रो. वाचस्पति उपाध्याय,
प्रो. श्रीकांत लेले, प्रो. हृदय रंजन शर्मा, प्रो. के.आई बासु



अगली पक्ति में श्री सुरेश सोनी, श्री इन्द्रेश कुमार,
प्रो. देवेन्द्र प्रताप सिंह



सम्बोधन करते हुए विज्ञान भारती के
अध्यक्ष प्रो. के.आई. बासु



कुलगीत प्रस्तुत करती छात्राएँ



सांस्कृतिक कार्यक्रम का एक दृश्य

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह (काशी महानगर) के विविध कार्यक्रमों की चित्र दीर्घा

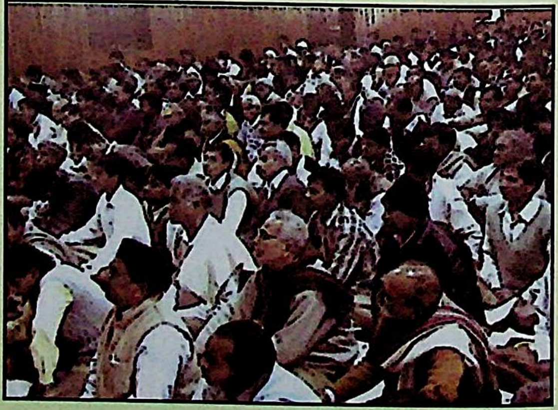



मंच पर प्रो. धर्म सिंह, प्रो. राजेन्द्र अग्रवाल, श्री सुरेश चौधरी, डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, श्री सुरेश राव केतकर एवं उपस्थित जनसमूह




भारतमाता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन करते हुए स्वामी रामकमल दास वेदान्ती सहित प्रमुख संत

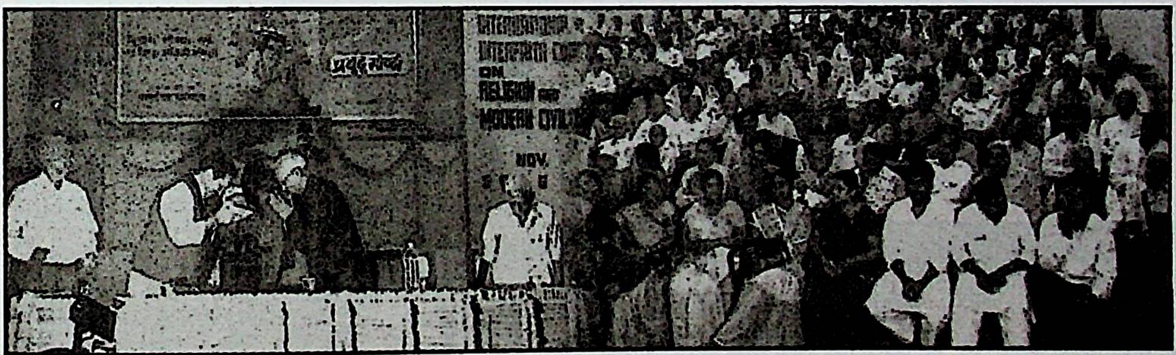




काशी महानगर के भाऊराव देवरस सभागार में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समापन अवसर पर बोलते हुए बालकृष्ण जी एवं उपस्थित स्वयंसेवक

कैलास मानसरोवर से हटे चीन का कब्जा -इन्द्रेश कुमार

विश्व में सर्वत्र संघर्ष की स्थिति व्याप्त है चारों ओर युद्ध और मारा-मारी है। देश के राजनेताओं में श्रीगुरुजी की भांति प्रबल संकल्पशक्ति होनी चाहिए जिससे चीन को जवाब दे सकें कि हिन्दू तीर्थ कैलास-मानसरोवर चीन के अवैध कब्जे से मुक्त हों और परम पावन दलाईलामा के राज्य तिब्बत को शीघ्र ही



प्रबुद्ध संगोष्ठी में (बायें) भूपेन्द्र बनर्जी, इन्द्रेश कुमार, प्रो. सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा, प्रो: डी.पी. सिंह, मा. किशोरी लाल जी एवं उपस्थित प्रबुद्धजन

चीन छोड़ दे तभी उसके साथ वास्तविक भाईचारा स्थापित हो सकेगा। अर्थव्यवस्था की होड़ में एक देश दूसरे देश पर हावी हो रहा है। ऐसी स्थिति में भारत की ओर सारा विश्व नेतृत्व के लिए देख रहा है। भारत आतंकवाद से दो दशक से झेल रहा है किन्तु विश्व स्वीकार नहीं कर रहा था। जब अमेरिका पर आतंकी हमला हुआ तो विश्व में आतंकवाद माना जाने लगा। जो अमेरिका अपनी रक्षा स्वयं नहीं कर सकता, वह दूसरे की रक्षा क्या करेगा।

उक्त उद्गार काशी विद्यापीठ वाराणसी के गांधी अध्ययन केन्द्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी के जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित प्रबुद्ध गोष्ठी में संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल के सदस्य इन्द्रेश कुमार ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसी धरती है जिसके छत के नीचे मुस्लिमपंथ के संस्थापक मुहम्मद साहब और ईसाई पंथ के ईसा मसीह को भी शरण लेनी पड़ी थी, इस देश की मिट्टी से जुड़ना पड़ा और अपनी पूजा पद्धतियाँ चलायीं। उन्होंने भारतीय विविधता को व्यापक बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की विविधता को विभिन्नता मानना और इसमें टकराव बताना हमारी भूल है क्योंकि हमारी यह विशेषता विश्व की अन्य संस्कृतियों में नहीं मिलती है। उन्होंने पूजा पद्धति, धर्म और आस्था की गहरी पैठ की ओर ध्यानाकर्षित करते हुए कहा कि पीपल-तुलसी की पूजा हमारे प्रकृति को सदैव शुद्ध रखने के लिए ही होती है क्योंकि विश्व में दोनों २४ घंटे आक्सीजन देने वाले हैं। हिन्दुत्व की वैज्ञानिकता की ओर संकेत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत राष्ट्र के लिए राष्ट्रीयता विश्व के लिए मानवता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो.

कैलास मान सरोवर से हटे... (पृष्ठ १७ का शेष)

सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि वैदिक पद्धति से ही जीवन जीने वाला केवल हिन्दू है और विश्व में सहिष्णुता वाला धर्म मात्र हिन्दू धर्म है जिसके 'वसुधैव कुटुम्बकम' में सभी पंथों-धर्मों का समावेश है। अतः विश्व में हिन्दू धर्म सर्वश्रेष्ठ है हिन्दू धर्म मानवधर्म है, जो विश्व में सभी के लिए स्वीकार्य होगा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। विषय स्थापना प्रो. रमेश जी ने किया। डॉ. पतंजलि मिश्र एवं डॉ. नीरजा माधव ने भी वक्तव्य दिया। संचालन प्रो. रजनीश शुक्ल सं.सं.वि.वि. ने किया और धन्यवाद भूपेन्द्र बनर्जी ने दिया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रो. देवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो. धर्म सिंह, डॉ. संजय सिंह, प्रो. ओमप्रकाश सिंह, डॉ. हरि प्रसाद अधिकारी, डॉ. बी.बी. सिंह, डॉ. गोपाल स्वरूप चतुर्वेदी, डॉ. अमर सिंह, डॉ. उदय प्रताप सिंह, प्रो. प्रेमचन्द्र विश्वकर्मा, प्रान्त प्रचारक शिवनारायण, युवा महापौर कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, छात्र संघ अध्यक्ष-सत्येन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, श्यामदेव राय चौधरी आदि सैकड़ों की संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

प.पू. श्री गुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक
पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।



डॉ. कामेश्वर उपाध्याय



अखिल भारतीय विद्वत्परिषद्

देवतायन ९६, जानकीनगर, पो. बजरडीहा, वाराणसी (उ०प्र०)

श्रीगुरुजी के वृद्धप्रपितामह महामहोपाध्याय काशीनाथ (पाध्ये) ने 'धर्मसिन्धु' के माध्यम से इस सनातन राष्ट्र को एकसूत्र में बाँधा और ठीक सौ वर्ष बाद इसी कुल में उत्पन्न श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर 'श्री गुरुजी' ने विशाल सनातन राष्ट्र भारत के हिन्दुओं को सर संघचालक के रूप में एकसूत्र में बाँधा। इस दिव्य कुल को, काशीनाथ पाध्ये को, धर्मसिन्धु ग्रन्थ को, श्री गुरुजी को और सनातन राष्ट्र की सनातन-अजर-अमर संस्था 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' को सहस्राधिक प्रणामाञ्जलि।

कामेश्वर उपाध्याय





'श्रीगुरुजी' देवतुल्य थे। वे आध्यात्मिक विभूति थे। उनका दो बार दर्शन मुझे प्राप्त हुआ। आठ वर्ष एवं ग्यारह वर्ष की अवस्था में। उनसे मिलने के बाद मुझे ऐसी अनुभूति हुई जैसे जीवन बदल गया है। इसके बाद आजतक ऐसी दिव्य विभूति से मेरी भेंट नहीं हुई जिसके दर्शन मात्र से जीवन में बदलाव आ जाए। श्रीगुरुजी की इन दो स्मृतियों को आज तक नहीं भूल सकी। इन स्मृतियों को प्रणाम है, श्रीगुरुजी को प्रणाम है।

ज्योत्स्ना चौहान





SPREE GURUJI JANMASHATABDI SAMAROH SAMITI KASHI PRANT

- **RECEIPTS**
- **1) Donations**
- **Through Receipt Books Rs 1547541**
- **Through Coupon Books Rs 1504154**
- **2) Interest Receipts**
- **3) Sale of Books ,**
- **Magazines & C.D.**
- **4) Miscellaneous Income**
- **Total** Rs 3051695

PAYMENTS

1) Publicity& Propaganda Rs 468963
2) Travelling Expenses Rs 567936
3) Printing & Stationary Rs 398017
4) Function & Meeting Exp Rs 868259
5) Postage & Telephone Rs 15412
6) Food & Tea Expenses Rs 310568
7) Purchases of Books Magazines & C.D Rs 84535
8) Donations Rs 146913
9) Miscellaneous Expenses, Rs191092

Total Rs 3051695

- *(SIGNATURE)*
- *Sant.Saccha Baba*
- *(PRESIDENT)*

(SIGNATURE)
K.B.Pandey
(SECRETARY)

चन्दौली

स्वयं की प्रेरणा से कार्य करता है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव राव सदाशिव गोलवलकर गुरुजी के जन्मशताब्दी वर्ष में चलने वाले कार्यक्रमों का औपचारिक उद्घाटन मुगलसराय स्थित अग्रवाल सेवा संस्थान में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन विभाग सह संघचालक एवं पूर्व निदेशक कोल इंडिया के डॉ. रमेश कुमार ने भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण करने के पश्चात् दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर विचार वक्त करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. कुमार ने कहा कि गुरुजी इस शताब्दी के सर्वश्रेष्ठ कर्मयोगी थे। श्रीगुरुजी के जन्मशताब्दी वर्ष में संघ का लक्ष्य है कि उनके चिन्तन एवं कार्यपद्धति के अनुरूप संघ कार्य को विस्तार दिया जाय। उन्होंने कहा कि यदि हमारे देश में शक्ति एवं स्वाभिमान है तो पूरा विश्व हमारी बात सुनेगा। श्रीगुरुजी ने समाज सेवा एवं परिवर्तन का कार्य अपने हाथ में न



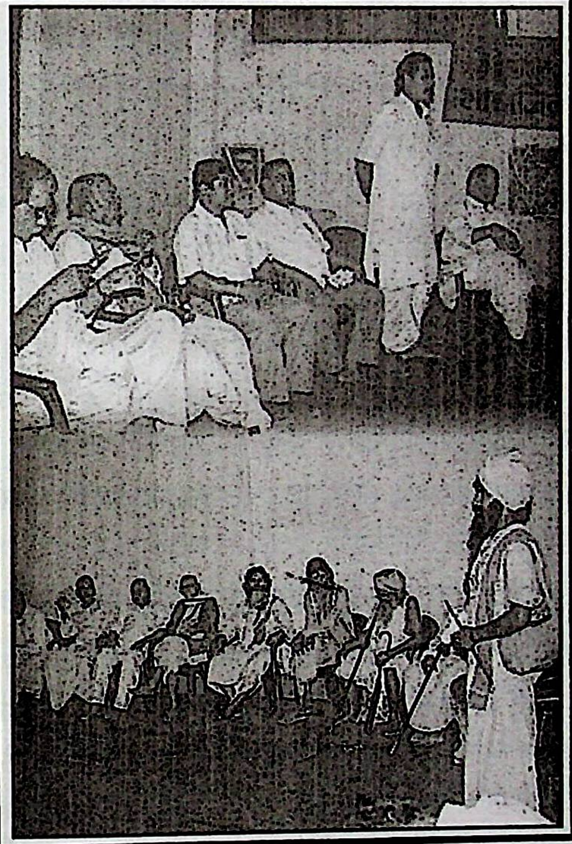
लेकर सभी स्वयंसेवकों को दिया। समारोह के अध्यक्ष समिति के जिला अध्यक्ष राम अनन्त सिंह ने कहा कि श्रीगुरुजी ने कहा था कि विजय ही विजय है। स्वयं की प्रेरणा से राष्ट्र कार्य करने वाला संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। श्रीगुरुजी ने समाज के लिये जीवन न्योछावर कर दिया। यह देश ऐसे वीर जवानों का है जो फांसी का फंदा देखकर हंसते-हंसते शहीद हो जाते हैं। इसके पूर्व समिति के सचिव अमरनाथ सिंह ने श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष में प्रबुद्धजनों की, जाति बिरादरी के प्रमुखों की, विद्यार्थियों इत्यादि के कार्यक्रम जनपद में जगह-जगह आयोजित किए जायेंगे। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भोला भैया, गुरुबख्श कपाही, दीनदयाल, कैलाश, चन्द्रमोहन शर्मा, अभय, सुरेन्द्र सिंह, विजय वर्मा, ब्रजकिशोर मणि त्रिपाठी, रामसूरत सहित पूरे जनपद से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। समारोह का संचालन रविशंकर पाण्डेय ने किया।

संत समाज के जागरण से ही समस्याओं का समाधान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह ने कहा कि हमारा देश साधु संतों का देश रहा है और जब-जब देश पर किसी भी प्रकार का संकट आया है साधु संत ही आगे बढ़कर उसका मुकाबला करते रहे हैं। आज देश एक बार फिर संकटों से घिरा हुआ है और उनकी जड़ें इतनी गहरीं हैं कि बगैर संत समाज के जाग्रत हुये उसका निदान सम्भव नहीं है। वे कैलाशपुरी स्थित भवन श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति की

ओर से आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक को सम्बोधित कर रहे है। श्री सिंह ने कहा कि वर्तमान में जनसंख्या का जैसा असंतुलन बनता जा रहा है उसमें आंकड़े आये हैं कि २०६० में हिन्दू अपने ही देश में अल्पसंख्यक हो जायेंगे। इतिहास गवाह है कि अब तक जिस भी क्षेत्र में हिन्दू घटा, वह क्षेत्र भारत से कट गया। संख्या बल के आधार पर ईसाईयत एवं इस्लाम हिन्दुओं के विरुद्ध साजिश रच रहे हैं। समाज को एक करने के लिये सामाजिक समरसता आवश्यक है, तभी इस संकट से मुक्ति मिलेगी। गड़वाघाट मठ अलीनगर शाखा से आये साधु दयाराम ने कहा कि सामाजिक समरसता लाने के लिये ऊँच-नीच का भेद मिटाना होगा क्योंकि जन्म के समय हर व्यक्ति शूद्र होता है वह गुरु की दीक्षा लेने पर वैश्य, सांसारिक होने पर क्षत्रिय तथा ज्ञान होने पर ब्राह्मण बनता है। जब ऐसा है तो सभी मानव एक समान हैं। रामचन्द्र व्यास ने भगवान् राम के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में काम करने को कहा। राम निवास पाठक ने कहा कि जो समाज को जोड़ता है वह संत तथा जो समाज को तोड़ता है वह असंत। देश हित के लिये संतों को पूरे समाज का आह्वान करके जागृति पैदा करनी होगी। श्री १०८ कमौली वाले बाबा ने कहा कि हिन्दू समाज अपनी ताकत को भूल गया है, उसे जामवन्त बनकर जगाने का काम संतों का है और संतों को इस कार्य के लिए प्रेरित कर संघ राष्ट्र कर्तव्य का पालन कर रहा है।



इस अवसर पर महात्यागी राधिका माता, रामप्यारी माता, स्वामी अशोक रामविलास शास्त्री, जमुना श्रीवास्तव, स्वामी लवकुश, बेचन प्रसाद जायसवाल, विमानचन्द्र दत्ता इत्यादि लोगों ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विभाग प्रचारक अभय कुमार ने श्री गुरुजी के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिला संघचालक अमरनाथ सिंह, संतोष पाठक, वृन्दवासिनी, अनिल कुमार, अशोक उपाध्याय, अरुण सिंह, विनय वर्मा, संतोष चौहान सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीराम पाण्डेय ने किया।

हिन्दू सम्मेलन सम्पन्न

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति ने हिन्दुत्व के जागरण एवं हिन्दू संगठन के निमित्त खण्ड स्तरों पर 'विशाल हिन्दू सम्मेलनों' के क्रम में चन्दौली जिला में सम्मेलनों का आयोजन किया। जिले भर में ६० स्थानों पर २८७५ पुरुषों एवं ६२५ महिलाओं की उपस्थिति रही।

सभी कार्यक्रमों में उपस्थित विद्वान वक्ताओं ने हिन्दू जीवन दर्शन एवं हिन्दू राष्ट्र के समक्ष उपस्थित समस्याओं पर प्रकाश डाला तथा हिन्दू समाज के संगठन की आवश्यकता पर बल दिया। उपस्थित जनसमुदाय को देश पर आसन्न संकट से लड़ने एवं समाज को एकजुट करने की आवश्यकता को समझाया। हिन्दू समाज की एकता के लिए छुआ-छूत, ऊँच-नीच एवं अस्पृश्यता के अन्त करने एवम् सामाजिक समरसता स्थापित करने का आह्वान किया गया।

श्रीगुरुजी देश विभाजन की पीड़ा से आहत थे -अमरनाथ

चन्दौली जिले के श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में शिव नगर एवं बरहनी खण्ड इकाई द्वारा नेशनल इण्टर कालेज में विशाल हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया। जिला संघचालक अमरनाथ ने श्रीगुरुजी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरुजी का जीवन हिन्दू राष्ट्र के साथ ऐसा एकात्म हो गया था कि देश विभाजन के समय उनके बायें कंधे में स्थायी दर्द हो गया। अभय जी ने भारत के गौरवपूर्ण अतीत एवं आज उसकी दुर्दशा की चर्चा करते हुए कहा कि हिन्दू भी जनसंख्या असंतुलन को समाप्त करने के लिए तैयार हों जायें। उन्होंने कहा कि जहां हिन्दू बहुसंख्यक है वहां राष्ट्रवाद है, जहां हिन्दू अल्पसंख्यक है वहां आतंकवाद है। जिसके लिए आने वाली पीढ़ियां वर्तमान समाज को कभी माफ नहीं करेंगी। समारोह का शुभारम्भ अभयजी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। सम्मेलन में आनंद जी, मारकण्डेय, सुधीर, परमानंद, ज्ञानजी, जेलर गुरु तथा पन्नालाल केशरी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। अध्यक्षता रामजीतन राम व संचालन रवीन्द्र ने किया।

राष्ट्र को एक सूत्र में बांधता है संघ -विंध्यवासिनी

भिन्न भाषा व मान्यताओं वाले भारत वर्ष को एक सूत्र में बांधने का कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किया है। इस सम्मेलन में भाषा के आधार पर प्रान्तों के गठन का विरोध किया गया । श्री गुरुजी ने भारत को एक सूत्र में बंधे रहने के लिए हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने का पहल किया था। उक्त विचार संघ के जिला कार्यवाह विंध्यवासिनी जी ने चकिया में विशाल हिन्दू सम्मेलन में कही। इसीक्रम में श्री अमरनाथ जी ने कहा कि हिन्दुओं के उदारवादी रुख ने अनेक समस्याओं को पैदा किया। बावजूद हजारों साल की गुलामी के राष्ट्रीयता को विस्मृत नही होने दिया। सम्मेलन में शिवदयाल तिवारी, रामऔतार गुप्त, शिवाधार सिंह, रामजी चौहान, कैलाश आचार्य, रामदुलारे गोंड, अशोक द्विवेदी, सरदार जंगबहादुर सिंह, कवि रामजियावनदास बावला, विधायक शिवतपस्या पासवान, पूर्व विधायक श्यामदेव जी, योगेश जी, काशीनाथ सिंह, लालजी सिंह, महेन्द्र प्रताप सिंह आदि थे। संचालन जगदीश उपाध्याय ने तथा धन्यवाद अमरनाथ सिंह ने ज्ञापित किया।

संगठित हिन्दू समाज संघ का उद्देश्य -डॉ. रमेश

विश्व शांति के लिये हिन्दू समाज को संगठित कर पश्चिमी सभ्यता को परास्त करना ही संघ का उद्देश्य है। यह तभी सम्भव है जब इस देश का हिन्दू भेदभाव से ऊपर होकर हिन्दुत्व को बढ़ावा देने में जुटेगा। उक्त बातें मुख्य अतिथि संघ के सह विभाग संचालक डॉ. रमेश कुमार ने सरस्वती शिशु मंदिर धानापुर (चन्दौली) के प्रांगण में शनिवार को विशाल हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि बंटवारे के दौरान लगभग १० लाख हिन्दुओं की हत्याएँ हुई जो चिंतन का विषय है। उन्होंने कहा कि जहां हिन्दुओं की संख्या कम है उन

देशों में आज भी चारों तरफ अशांति का माहौल है। इसलिये हिन्दुओं का बहुसंख्यक होना अन्य पंथों को मानने वालों के लिये भी हितकर है। इस देश में जितनी भी संस्कृतियाँ आयीं हिन्दू संस्कृति के आगे ध्वस्त हो गयीं। यही कारण है कि सामाजिक और आध्यात्मिक दृष्टि से आज भी हम अन्य संस्कृतियों एवं पश्चिमी सभ्यता से आगे हैं उन्होंने कहा कि अगला विश्व युद्ध दो राष्ट्रों के बीच नहीं बल्कि दो संस्कृतियों के बीच होगा। ब्रज किशोर जी ने देश की समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनसंख्या वृद्धि पर सरकार करोड़ों रूपये खर्च करने के बाद भी अंकुश नहीं लगा पायी। जिसके चलते पूर्व के अल्पसंख्यक बहुसंख्यक और बहुसंख्यक, अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं। उसके साथ-साथ घुसपैठ वं मतान्तरण , जैसे समस्याओं पर हिन्दू युवकों को चिंतन करना होगा। उन्होंने द्वितीय सरसंघचालक माधव राव सदाशिव गोलवलकर के जीवन एवं कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। श्रीगुरुजी जन्मशतब्दी वर्ष के तत्वावधान में आयोजित विशाल हिन्दू सम्मेलन का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। सम्मेलन में दुःखी सिंह, प्रमोद कुमार, कमलाकान्त मिश्र, दिलीप कुमार पाण्डेय सुजीत कुमार, शशि मिश्रा सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। संचालन रविशंकर पाण्डेय किया।

देश में हो रहे धर्मान्तरण को रोकना आवश्यक -अनिल

'हिन्दी हिन्दू हिन्दुस्थान' की अवधारण को जब तक प्रत्येक व्यक्ति अंगीकार नहीं करेगा तब तक राष्ट्र का समुचित विकास सम्भव नहीं है। उक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला प्रचारक अनिल जी ने इन्दर बालिका इण्टर कालेज इलिया (चन्दौली) के प्रांगण में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में कहा। उन्होंने कहा कि हिन्दुओं के आपसी द्वेष का लाभ मुस्लिम व ईसाई मिशनरियां उठाकर देश को कमजोर करने का कार्य कर रही हैं। तेजी के साथ हो रहे धर्मान्तरण को रोकना जरूरी है और यह तभी संभव है जब हिन्दू एकजुट हो जाएं। रामसकल जी ने कहा कि देश पर कट्टरपंथी हमले हो रहे हैं। संसद भवन पर पाकिस्तानी एजेन्टों द्वारा हमला होने के बाद भी कट्टरपंथी संगठनों के लिए सफाई पेश की जा रही है। शिशु मंदिरों पर हमले बोलने, आरोप लगाने की साजिश रची जा रही है। इसे सहन करना हिन्दू समाज के लिए अक्षम्य होता जा रहा है। बावजूद इसके कतिपय राजनीतिज्ञ तुष्टीकरण की नीति अपना कर हिन्दू राष्ट्र की महत्ता समाप्त करने पर तुले हैं। राष्ट्र की संस्कृति की रक्षा के लिए हिन्दू कमर कसकर तैयार रहें। सम्मेलन में भाष्करानन्द पाण्डेय, राजाराम चौहान, राधेश्याम द्विवेदी, रामललित पासवान, रामदत्त, ओमप्रकाश चौबे, सुमन जी ने विचार व्यक्त किया। अध्यक्षता दुर्गा द्विवेदी ने तथा संचालन श्रीराम पाण्डेय ने किया।

जनसंख्या का असंतुलन एक गंभीर समस्या

मुगलसराय नगर के चतुर्भुजपुर में स्थित बाल विद्या निकेतन विद्यालय में हिन्दुओं की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंतन किया गया। चिंतन में हिन्दू समाज के सामने जनसंख्या असंतुलन, व्याप्त कुप्रथाओं तथा आतंकवाद को गम्भीर समस्या माना गया। मौका था श्रीगुरुजी के जन्मशताब्दी समारोह का, जिसे हिन्दू सम्मेलन के रूप में मनाया गया। सम्मेलन में संघ के काशी विभाग के प्रचारक अभय जी ने हिन्दुओं की जनसंख्या में निरंतर कमी को गंभीर समस्या बताते हुए समाज में जनसंख्या विस्फोट और जनसंख्या नियंत्रण के भ्रम में न फसने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वार्थी एवं सत्तालोलुप राजनेताओं के बहकावे में आकर हिन्दू समाज बंट रहा है। अभय जी ने समाज में व्याप्त जातिवाद व अस्पृश्यता को खतरनाक बताया। उन्होंने आज समाज में व्याप्त कुप्रथाओं के लिए

अंग्रेजी शासनकाल को दोषी बताया। विश्व हिन्दू परिषद के विभाग संगठन मंत्री दिवाकर जी ने आतंकवाद, घुसपैठ, धर्मान्तरण व अलगाववाद जैसी समस्याओं पर प्रकाश डाला। विंध्यवासिनी जी ने गुरुजी के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष श्रीराम पोद्दार ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अजय तिवारी ने किया।

हिन्दुओं की घटती जनसंख्या चिन्ताजनक

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति के तत्वावधान में महेन्द्र टेक्निकल इण्टर कालेज चन्दौली में विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक अभय जी ने कहा कि हिन्दू समाज पर जब भी कोई मुसीबत आती है तो एक महापुरुष का जन्म होता है। इस समय भी हिन्दुओं की संख्या घट रही है जो मुसीबत है, इसे हल करने के लिये हिन्दू समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा तब जाकर यह संकट टल सकेगा।

उन्होंने कहा कि हिन्दुओं की संख्या घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। जनसंख्या नियंत्रण कानून से सबसे ज्यादा प्रभावित हिन्दू समाज ही हुआ हैं। अन्य धर्म के लोग इस विचार को दरकिनार कर अपनी जनसंख्या बढ़ाने में लगे हुये हैं जिससे आनुपातिक रूप से हिन्दुओं की संख्या लगातार घटती जा रही है, जो अत्यन्त चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि धर्मान्तरण करने वाले हिन्दू अन्य धर्मों के बारे में विस्तार से जाने बगैर लोगों के बरगलाने पर भटक रहे हैं, परन्तु उस धर्म को नजदीक से जानने के बाद जिस तरह काफी लोग हिन्दू धर्म में वापस लौट आये, उसी तरह अन्य लोग भी लौटेंगे। विभिन्न कारणों से हिन्दू घट रहा है और टूट रहा है। इस पर रोक लगाने के लिये जाति का बंधन तोड़कर हर एक को आगे आना होगा। हिन्दू सदा से ही समरस रहा है, जिससे इसे कई काल खण्डों में अपमान सहना पड़ा। हिन्दू धर्म को बचाने के लिए इसे नजदीक से जानने व समझने की आवश्यकता है। जातिवाद कोई समस्या नहीं है लेकिन इसमें राजनीति घुस जाने से बुराई आ गयी है। जातिवाद का उद्देश्य सामाजिक उत्थान होना चाहिए। स्वामी रूपेश्वरानन्द जी ने कहा कि वर्तमान परिवेश में हिन्दू समाज को संगठित होने की आवश्यकता है। एक होकर ही शक्ति प्राप्त किया जा सकता है। सभी हिन्दू सहोदर भाई हैं, कोई हिन्दू पतित नहीं हो सकता।

सम्मेलन में अजय, दयानन्द, गुलाब, पंकज, अनिल, गुरमीत, संजय, सुशील सहित सैकड़ों हिन्दू कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभा का संचालन ज्ञानदत्त ने किया।

अभिभावक शिक्षक सम्मेलन सम्पन्न

परम पूज्य श्री गुरुजी के जन्मशती वर्ष के अवसर पर चन्दौली जिले में एक अतिरिक्त कार्यक्रम का आयोजन संघ की पहल पर 'विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान' ने किया। 'अभिभावक - शिक्षक सम्मेलन' नामक इस कार्यक्रम में ४० महानुभावों की उपस्थिति हुई। कार्यक्रम स्थानीय आर्य समाज मन्दिर के हॉल में २४ दिसम्बर २००६ को आयोजित हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य बालकों, तरुणों व शिशुओं के शिक्षा एवं संस्कार पर माता-पिता एवं शिक्षकों की भूमिका पर व्यापक चर्चा करना था। देश का भविष्य इन्हीं के हाथों में होता है, अतएव यह आवश्यक है कि माता-पिता और शिक्षक अपने दायित्व को समझें और स्वर्णिम भारत के निर्माण की नींव रखें ऐसी अपेक्षा इस आयोजन के माध्यम से की गई।

महाविद्यालयीय विद्यार्थी सम्मेलन सम्पन्न

जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दो प्रमुख कार्यक्रम प्रत्यक्ष रूप से संघ के द्वारा आयोजित किये गये। इनमें से एक महत्वपूर्ण आयोजन था 'महाविद्यालयीय विद्यार्थी सम्मेलन'। इस कार्यक्रम के लिए सम्पूर्ण जिले में व्यापक सम्पर्क चलाया गया जिसमें ७०० तरुणों का नाम सूचीबद्ध किया गया। व्यापक सम्पर्क के बाद सम्पूर्ण जिले में १० स्थानों पर विद्यार्थी सम्मेलन किया गया। इन कार्यक्रमों में १४२ विद्यार्थी उपस्थित थे। जिला केन्द्र पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में चयनित विद्यार्थियों में से ४२ की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण माननीय सुरेश सोनी जी, सह सरकार्यवाह की उपस्थिति रही। अपने मार्गदर्शन एवं प्रश्नोत्तर सत्रों में मा. सोनी जी ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया एवं इस आयोजन की आवश्यकता पर व्यापक प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं में अपने अध्ययन के प्रति आग्रह के साथ ही राष्ट्र में हो रही घटनाओं एवं समयाओं पर विचार करने और अपने को इसके अनुकूल संघर्षशील बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रबुद्ध संगोष्ठी सम्पन्न

"निष्क्रिय सज्जन शक्ति का सक्रिय सज्जन शक्ति में परिवर्तित करना हमारा काम है।" इस आह्वान के साथ अखिल भारतीय योजना के अनुसार चन्दौली जिले में भी 'प्रबुद्ध संगोष्ठी' का आयोजन दीनदयालनगर में किया गया। स्थानीय 'सरस्वती शिशु मंदिर व बाल विद्यां निकेतन' के प्रांगण में आयोजित इस गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राममाधव जी, सदस्य अखिल भारतीय कार्यकारिणी रा.स्व.संघ, उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के निमित्त ७०० परिवारों में सम्पर्क किया गया। २२ जनवरी २००७ को आयोजित इस संगोष्ठी में कुल २५० की संख्या उपस्थित थी, जिसमें से २४५ पुरुष एवं पांच महिलायें थीं। इस संगोष्ठी में विषय का प्रवर्तन श्री अजय राय जी, श्री अनंत सिंह जी एवं श्री राम पोद्दार जी ने किया। मुख्यवक्ता के रूप में गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मा० राममाधव जी ने देश के समक्ष उपस्थित समस्याओं पर व्यापक प्रकाश डाला तथा हिन्दू जीवन मूल्यों की श्रेष्ठता एवं हिन्दुओं के संगठन की आवश्यकता पर भी व्यापक मार्गदर्शन किया। उन्होंने प्रबुद्ध वर्ग का आह्वान किया कि देश के सम्मुख उपस्थित समस्याओं में यदि प्रबुद्ध वर्ग सक्रिय नहीं होता तो ये समस्यायें और खतरनाक एवं घातक होती जायेंगी इसलिये प्रबुद्ध वर्ग को संकल्प के साथ प्रत्यक्ष रूप में संघर्ष के लिये आगे आना होगा।

सियासत कर रही समाज का बंटाधार -राममाधव

राजनीति के चलते समाज का विघटन और बंटाधार हो रहा है। राजनीति के ही कारण जातिवाद एवं अलगाववाद जैसी समस्याएं पनप रही हैं। यह बिल्कुल सच है कि राजनीति एवं राजनीतिज्ञ दोनों की दिशा आज सही नहीं है और यही देश की समस्याओं का मुख्य कारण है। उक्त बातें मुगलसराय के प्रबुद्ध संगोष्ठी 'देश के समक्ष उपस्थित चुनौतियाँ और हिन्दू दर्शन' में सरस्वती शिशु मंदिर चर्तुभुजपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल के सदस्य राममाधव जी ने कहीं। उन्होंने कहा कि बाह्य समस्याओं से कहीं अधिक खतरनाक देश की भीतरी समस्याएं हैं। जातिवाद समाज के लिए खतरा बन चुका है। हिन्दू धर्म में जातिवाद के इस विकृत स्वरूप का कहीं उल्लेख नहीं है। शासन और सत्ता में जब संवेदनशील लोग होते हैं तो समाज को

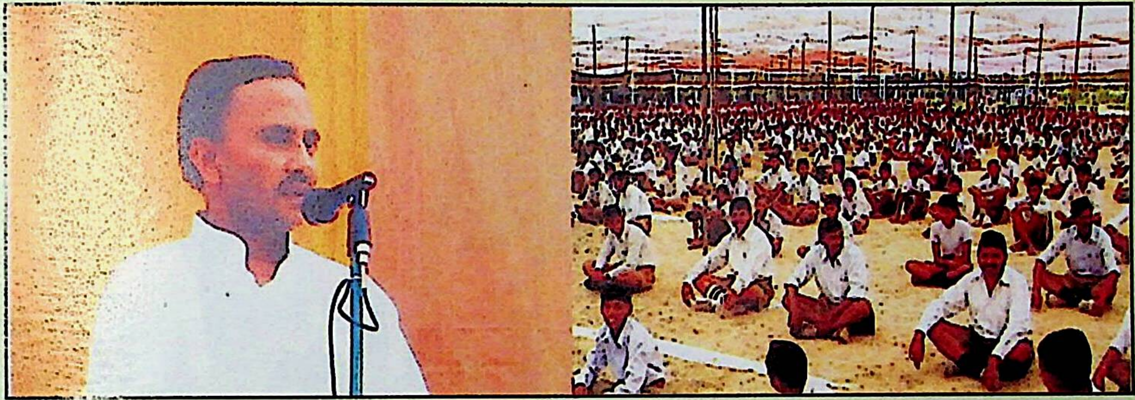
अधिक कष्ट होता है। निठारी जैसे जघन्यकांड पर कार्यवाही करने के बजाय राजनीतिज्ञ यह कहते फिर रहे हैं कि पूरे देश का चिट्ठा सामने रख दूँगा। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकवाद एवं तुष्टीकरण की राजनीति इस देश में हावी है, लेकिन इससे न तो मुसलमानों को फायदा हुआ है न किसी अन्य को। फायदा हुआ है तो केवल नेताओं को। आतंकवाद से आज केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व के कई देश जूझ रहे हैं लेकिन अन्य देशों जापान, अमेरिका, इंग्लैण्ड, जर्मनी, चीन आदि ने आतंकवाद से लड़ने के लिए नये कानून बनाये तथा सुरक्षा पर काफी व्यय किया है। परन्तु राजनीति की विडम्बना देखें अपने देश की। आतंकवाद से लड़ने वाले कानून को ही समाप्त कर दिया गया। श्री माधव ने आगे कहा कि धर्म की रक्षा धर्मी समाज की रक्षा से ही हो सकती है और इसके लिए प्रबुद्ध वर्ग के लोगों को आगे आना होगा। इस वर्ग में लोगों को समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करना होगा। जातिवाद, अस्पृश्यता, आतंकवाद, धर्मान्तरण सहित समस्याओं के विरुद्ध आवाज बुलन्द करना होगा। तभी स्वस्थ एवं धर्मी समाज का निर्माण किया जा सकता है। संगोष्ठी में श्री राममाधव के अलावा समिति के अध्यक्ष अनंत सिंह, श्रीराम पोद्दार ने भी विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर गुरुबख्श, अमरनाथ सिंह, विंध्यवासिनी, रामसकल, शंभूनाथ, रामजनम मुनि ,जी, शिवतपस्या पासवान, अनिल, अजय तिवारी, दुक्खी सिंह, अशोक उपाध्याय, बृजकिशोर तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मोक्ष की इच्छा नहीं, स्वर्ग केवल भूल है।
छोड़कर आँचल जननि का, छानना जग धूल है।
हे निखिल ब्रह्माण्डनायक एक यह वरदान दो।
मातृभू के हित अखण्डित, कर्म निष्ठा ज्ञान हो।

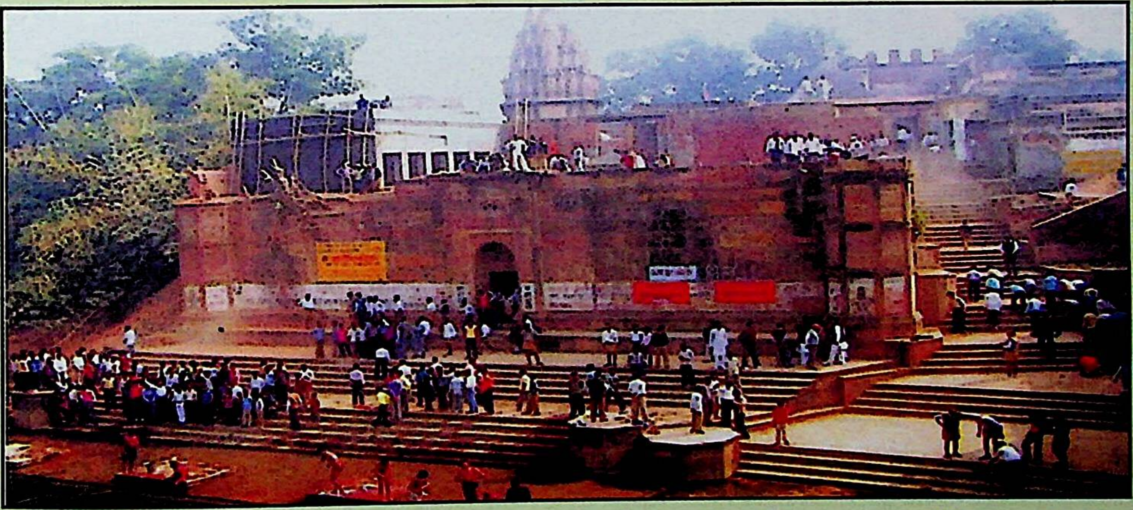
श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति

चन्दौली

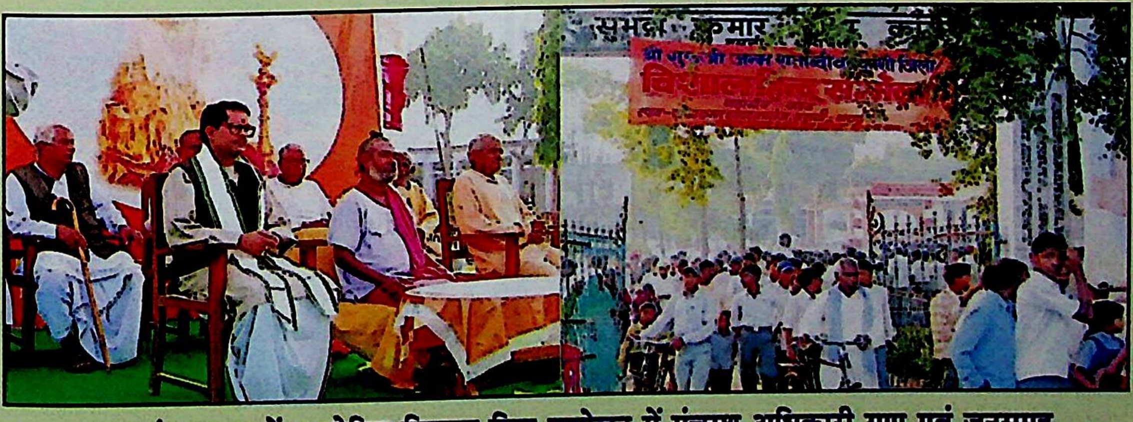
अध्यक्ष - श्री राम अनन्त
सचिव - श्री अमरनाथ
सह सचिव - श्री रविशंकर, श्री राम पाण्डेय, श्री रविन्द्र
कोषाध्यक्ष - श्री रामपोद्दार
सदस्य- श्री बृन्दावासिनी-अभिलेखागार
श्री रविशंकर-शाखा उपस्थिति
श्री राम पाण्डेय-प्रमुख सद्भाव बैठक
श्री ज्ञानदत्त-विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख
श्री रामसकल-प्रबुद्ध गोष्ठी प्रमुख
श्री रविन्द्र-सह प्रबुद्ध गोष्ठी प्रमुख
श्री अजय-निधि प्रमुख



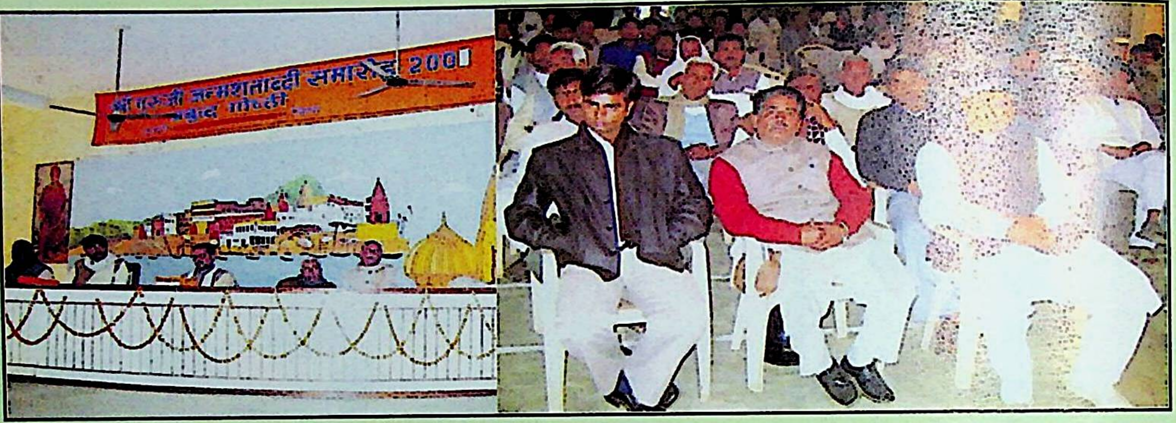
हरहुआ में स्थित कृषक इण्टरमीडिएट कालेज में आयोजित श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह को सम्बोधित करते प्रान्त प्रचारक श्री शिवनारायण एवं उपस्थित पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवक



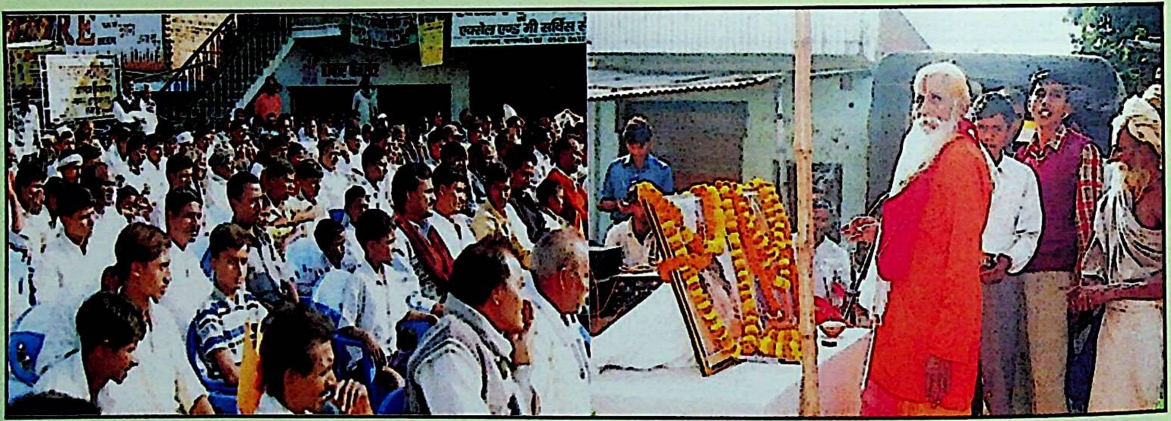
काशी पंचक्रोशी के रामेश्वर मन्दिर एवं घाट की सफाई करते २५०० स्वयंसेवक



बड़ा गांव खण्ड में आयोजित विशाल हिन्दू सम्मेलन में मंचस्थ अधिकारी गण एवं जनसमूह



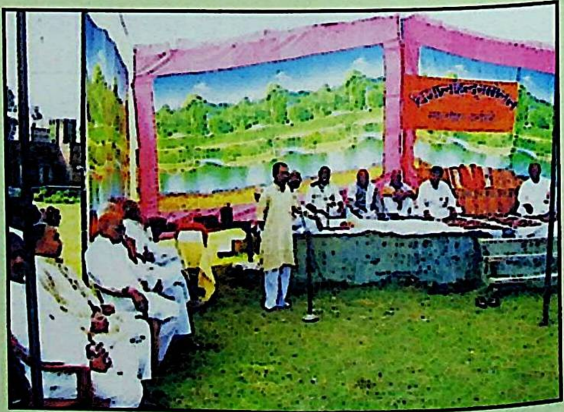
वाराणसी जिले में प्रबुद्ध-गोष्ठी को सम्बोधित करते डॉ. कामेश्वर उपाध्याय एवं उपस्थित प्रबुद्धजन



वाराणसी जिले के खण्ड आराजी लाइन्स में आयोजित विशाल हिन्दू सम्मेलन में उमड़ी भीड़ एवं भारतमाता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित करते बाबा संत शिरोमणि जी

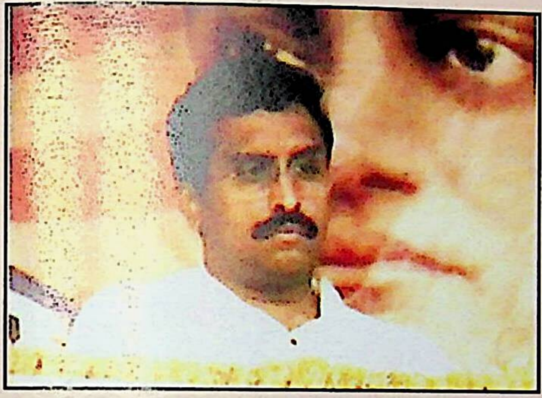


वाराणसी जिले में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समापन समारोह में डॉ. अमर सिंह सहित अन्य अधिकारी

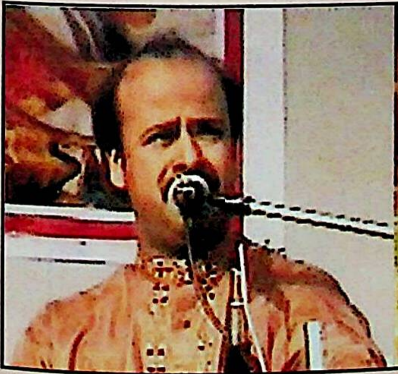


चन्दौली जिले में विशाल हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते श्री ब्रज किशोर मणि त्रिपाठी एवं श्रोतागण

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति मीरजापुर द्वारा आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन के विविध कार्यक्रमों की झलकियाँ














मंच पर स्वामी नरेन्द्रानन्द जी, प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्र संगठन मंत्री रामाशीष जी, क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह एवं उपस्थित विशिष्ट जन

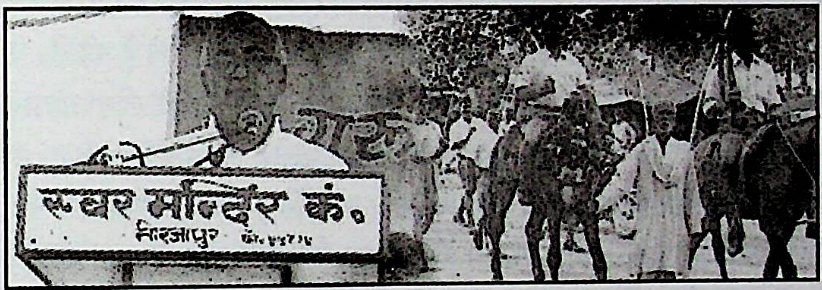


सन्त रविदास नगर भदोही के एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह, प्रान्त प्रचारक शिव नारायण जी एवं उपस्थित प्रबुद्ध जन

मीरजापुर

श्रीगुरुजी के विचारों से ही होगा राष्ट्र का निर्माण -रामाशीष

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर के जन्मशताब्दी समारोह के उद्घाटन के अवसर पर स्वयंसेवकों ने मीरजापुर के नारघाट स्थित भारतीय शिशु मन्दिर से नगर में स्वयंसेवकों ने पूर्णगणवेश पथ-संचलन किया। पथ-संचलन के आगे-आगे घोड़े पर सवार दो स्वयंसेवक हाथ में तलवार लिए थे।



उद्बोधन करते रामाशीष जी एवं स्वयंसेवकों का पथसंचलन

संचलन के बाद राजकीय इण्टर कालेज में सभा को संबोधित करते हुए प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्र संगठन मंत्री रामाशीष जी ने कहा कि श्रीगुरुजी के विचारों से ही राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने श्रीगुरुजी के सम्बध में भविष्यवाणी की थी कि बीसवीं सदी में एक ऐसा महापुरुष पैदा होगा, जो राष्ट्र को नयी दिशा देगा। श्रीगुरुजी ने अस्पृश्यता, जाति-पांत का भेदभाव समाप्त किया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्ययन और बाद में वहीं अध्यापन कार्य करने वाले श्रीगुरुजी ने सभी धर्मों को समान रूप से देखा। उन्होंने देश के उद्धार के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। वे कहा करते थे कि यहां सांस्कृतिक राष्ट्रवाद है। यही वजह है कि यह राष्ट्र आज भी जीवित है। उन्होंने कहा कि श्रीगुरुजी के बताए रास्ते पर चलकर ही देश का विकास किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंगराज सिंह ने किया। इस मौके पर प्रान्त प्रचारक शिवनारायण जी, डॉ. अमर सिंह, डॉ. विश्वनाथ लाल निगम, डॉ. सरजीत सिंह, मनोज जायसवाल, रमेश जी आदि उपस्थित थे।

धर्म व संस्कृति हमारे देश का प्राण तत्व

राजदीप कालेज कैलहट चुनार में संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी के जन्मशताब्दी समारोह के उद्घाटन अवसर पर प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्र संगठन मंत्री रामाशीषजी ने कहा कि ४५० वर्ष पूर्व मीराबाई के गुरु संत रविदास से प्रबुद्ध वर्ग के लोगों ने पूछा कि समाज में असमानता कैसे दूर होगी? तो उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष बाद माधव पैदा होंगे जिन्हें श्रीगुरुजी के नाम से लोग जानेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे यहां सम्प्रदाय के नाम पर पहले कभी झगड़ा नहीं नहीं था। भगवान् राम हम सभी के अराध्य हैं, मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। इस पर बहस करने की जरूरत नहीं है। धर्म हमारे देश का प्राण तत्व है।



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग बौद्धिक प्रमुख डॉ. हरिभान सिंह ने कहा कि समाजिक समरसता शताब्दी वर्ष

का प्रमुख उद्देश्य है। इंजीनियर राजबहादुर सिंह ने कहा कि श्रीगुरुजी जाति व्यवस्था के प्रबल विरोधी थे। हिन्दू व्यवस्था उनके लिए सर्वमान्य व्यवस्था थी। गिरधर लाल दवे ने कहा कि श्रीगुरुजी का जीवन अत्यंत सादगी पूर्ण तथा आध्यात्मिकता व राष्ट्रीयता का परस्पर समन्वय वाला रहा। रामबुलावन सिंह ने कहा कि तोता राम-राम रट लेता है परन्तु रामायण का पाठ नहीं कर सकता। डॉ. विश्वनाथ लाल निगम ने कहा कि साधारण परिवार में जन्म लेकर श्रीगुरुजी असाधरण प्रतिभा के धनी थे। कार्यक्रम का संचालन रामेश्वर सिंह ने किया।

हिन्दुओं को बांट रहे हैं राजनेता -राममाधव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य राममाधवजी ने कहा कि हिन्दुओं की एकता के लिए जातिवाद सबसे बड़ी बाधा है। राजनेता हिन्दू समाज को एकजुट नहीं होने दे रहे हैं। वे जातिवाद का विष बोकर अपने कार्यों को बखूबी अन्जाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग अल्पसंख्यकवाद चला रहे हैं। देश के लिए यह घातक है। वे मीरजापुर के राजकीय इण्टर कालेज में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। श्री माधव ने कहा कि वर्तमान में हिन्दू समाज कमजोर हो गया है। इसकी वजह जातिवाद है। जातियों के बीच मतभेद होने के कारण देश को इस समस्या से जूझना पड़ रहा है। जिस दिन जातिवाद समाप्त हो जायेगा, उसी दिन हिन्दू समाज फिर मजबूत हो जायेगा। लिहाजा अब समय आ गया है कि जातिवाद को दरकिनार करते हुए हिन्दुओं को एकबार फिर देशहित में एकजुट होना पड़ेगा। उन्होंने सिमी के मुद्दे पर प्रदेश के मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की भी जमकर बखिया उधेड़ी। उन्होंने कहा कि देश में आतंकवाद फैलाने वाले संगठन सिमी को क्लीनचिट दिया जा रहा है। वहीं बच्चों को देशभक्ति का पाठ पढ़ाने वाले शिशु मन्दिरों के प्रति दुष्प्रचार किया जा रहा है। आतंकवाद के मुद्दे पर उन्होंने परोक्ष रूप से केन्द्र सरकार को भी जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि देश में दिशाहीन सरकार शासन कर रही है। यह सरकार दिल एवं दिमाग से पैदल हो गयी है। आतंकवाद की समाप्ति के लिए कांग्रेस सरकार के पास कोई कारगर उपाय नहीं है। जिस दिन सत्ता में बैठे लोग, अल्पसंख्यकवाद का रास्ता छोड़ देंगे उसी दिन देश से आतंकवाद समाप्त हो जायेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामरतन दास, शम्भूनाथ दीक्षित, कार्यक्रम के अध्यक्ष अंगराज सिंह, क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह, प्रान्त प्रचारक शिवनारायण जी, विभाग प्रचारक रमेश, विभाग कार्यवाह सोहन, अनिल सिंह, पूर्वमंत्री डॉ. सरजीत सिंह, प्रेम सिंह गर्ग, मनोज जायसवाल, उत्तर मौर्य, रत्नाकर मिश्र, मनोज श्रीवास्तव, महेश्वर पति त्रिपाठी, हेमन्त, विश्वनाथ अग्रवाल, प्रकाशचन्द्र सर्राफ आदि मौजूद रहे।

हिन्दू संगम की सफलता के लिए निकाली गई शोभायात्रा

विराट हिन्दू संगम की सफलता के लिए जनजागरण के उद्देश्य से श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति ने मीरजापुर में एक भव्य शोभायात्रा निकाली। यह शोभायात्रा नारघाट स्थित भारतीय शिशुमन्दिर से निकाली गयी।

शोभायात्रा में भारतमाता का चित्र व श्रीगुरुजी की जीवंत झांकी ने नगरवासियों को आकर्षित किया। भारतमाता की जय, वन्देमातरम्, हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए सैकड़ों स्वयंसेवक शोभायात्रा में शामिल थे।

राष्ट्र निर्माण में युवक सक्रिय भूमिका निभाएँ

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के अवसर पर ज्ञानपुर, भदोही नगर के प्रेस क्लब परिसर में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में काशी सुमेरपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती ने कहा कि सदियों से भारत विश्व गुरु था और आज भी है, लेकिन कुछ काले बादल हिन्दू धर्म रूपी सूर्य को ढक लिए हैं। लोग जातिवाद, भाषावाद पर न लड़ें। कुछ लोग हमारी संस्कृति को नष्ट करना चाहते हैं। इसे रोकना होगा। राष्ट्र निर्माण में युवा सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति से देश को बचाने के लिए माताएँ, राम, कृष्ण, स्वामी विवेकानन्द जैसे बालक समाज को दें, जो राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करें। कायर, कपटी और क्रूर लोग देश की एकता को खंडित करते हैं। हम शांति के पुजारी हैं। आसुरी शक्तियों के बढ़ने पर हम क्रान्ति की चिनगारी भी हैं। उन्होंने कहा कि हज यात्रा से पहले अगर कोई पड़ोसी दुखी है तो सबसे बड़ा धर्म उसके कष्टों को दूर करना है। जो ऐसा नहीं करता तो कुरान उसे काफिर कहता है। मानवता की सेवा सबसे बड़ी सेवा है। पूरे विश्व में अनेक देश हैं, किन्तु भारत ही एक मात्र देश है जहां अपने देश को मां कहा जाता है। अफजल गुरु की फांसी टलती है तो उन शहीदों का घोर अपमान होगा, जिन्होंने आतंकवादियों का मुकाबला करने में अपने प्राणों की बलि दे दी थी। भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि यदि आपके एजेंडे में राम नहीं तो आप हमारे एजेंडे में नहीं। इसके पूर्व उन्होंने कार्यक्रम का शुभारम्भ भारतमाता और गुरुजी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीप्रकाश मिश्र 'भाषा जी' ने और समापन हरिराम तिवारी ने किया। अध्यक्ष दीनानाथ बरनवाल ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण करके सम्मेलन की भूमिका पर प्रकाश डाला। कौलेश्वर, कैलाश, लालचंद श्रीवास्तव, प्रमोद, अंबष्ट, अशोक, धर्मेन्द्र क्रान्तिमान, प्रमोद तिवारी, रणजीत सिंह, पीयूष व शीतल प्रसाद गुप्त आदि ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रान्त प्रचारक शिवनारायण जी, विभाग प्रचारक रमेश जी, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह आदि मौजूद थे।

भारतीय कालगणना पूर्ण वैज्ञानिक : सुरेश सोनी

भारतीय कालगणना का आधार वैज्ञानिक है। हिन्दू धर्म सनातन है। इस बात को विज्ञान ने भी सिद्ध किया है। हिन्दू पेड़-पौधों की पूजा करते हैं। उनका भी आधार वैज्ञानिक है। उक्त विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह सुरेश सोनी ने व्यक्त किये। मीरजापुर के मुसफ्फरगंज स्थित खेतान स्मृति भवन में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति कें तत्वाधान में आयोजित प्रबुद्ध गोष्ठी में ''हिन्दू धर्म की वैज्ञानिकता एवं हिन्दू-राष्ट्र की अवधारणा'' विषय पर वे अपने विचार प्रकट कर रहे थे। श्री सोनी ने कहा कि हम पीपल की पूजा करते है, क्योंकि पीपल सर्वाधिक आक्सीजन देने वाला वृक्ष है। तुलसी का पौधा सबसे अधिक अल्ट्रावायलेट किरणों को सोखता है, हमें हानि से बचाता है इसलिए हम उसकी पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि सहिष्णुता हिन्दुत्व का आधार है। विश्व की सभी सभ्यताएं, संस्कृतियां नष्ट हो गयीं, लेकिन भारतीय संस्कृति ज्यों की त्यों बनी हुई है। श्री सोनी ने कहा कि हिन्दू धर्म की सार्वभौमिकता को सभी मानते हैं। अध्यक्षता करते हुए पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक कृष्ण कुमार मिश्र ने कहा कि हमारे धार्मिक संस्कारों का वैज्ञानिक महत्व है, जो हमारे जीवन को प्रभावित

करता है। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश चन्द्र सर्राफ ने किया। इस अवसर पर जन्मशती समारोह समिति के अध्यक्ष श्री अंगराज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस गोष्ठी में प्रमुख रूप से रामजी सिंह गौतम, राजेश्वर लाल श्रीवास्तव, नारायण उपाध्याय, लालबहादुर सिंह, डॉ. दशरथ चौधरी, पूर्व सांसद रामसकल जी, उमाकान्त मिश्र सहित सैकड़ों प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

अच्छा व्यक्ति बनाने की गारंटी देता है संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से महंत शिवाला स्थित सरस्वती विद्यामन्दिर आशुतोषपुरम् मीरजापुर में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के तहत आयोजित विद्यार्थी सम्मेलन में सद्मार्ग पर चलने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी मण्डल के सदस्य इन्द्रेश कुमार ने कहा कि खाकी नेकर, काली टोपी भटकाव रोकने की गारंटी है। संघ परिवार समाज को एकसूत्र में बांधने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि संघ की स्थापना सन् १९२५ में विजया दशमी के दिन हुई। अब संघ ने ८१ वर्ष की उम्र पूरी कर लिया है। संघ परिवार में करीब १५ लाख लोग स्वयंसेवक बनकर देश को नयी दिशा देने में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संघ की ओर से २७ हजार शिक्षण संस्थान संचालित किये जा रहे हैं। भारत की सबसे बड़ी शैक्षणिक संस्था संघ के पास ही है। माओवादी व आतंकवादियों की क्रूरता को समाप्त करने में संघ की बहुत बड़ी भूमिका है। देश पर आपदा आती है तो संघ अग्रिम पंक्ति में खड़ा होता है। आज संघ लगभग ३० से अधिक राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन बनाकर भारत व विश्व में हिन्दुओं के संगठन में सहयोग करता है। उन्होंने कहा कि संघ राष्ट्रभक्तों का संगठन है। देश के हित के लिए यदि कोई कार्यकर्ता है तो लोग कहते हैं कि यह संघ की देन है। संघ की शाखाएं हमारे परिवार, समाज व देश के लिए सुरक्षा चक्र का काम करती हैं। समाज की बुराईयों में भटकने न देने की गारंटी खाकी नेकर, काली टोपी ही देती है। संघ में आकर व्यक्ति समाज की बुराइयों में भटकता नहीं है बल्कि सही मार्ग पर चलने लगता है। संघ का कार्य ईश्वर का कार्य है। इससे पूर्व संघ के स्वयंसेवकों ने योग, सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद रामसकल जी, विभाग प्रचारक रमेश जी, विभाग संघचालक अंगराज सिंह एवं प्रकाश चंन्द्र, गुलाब चन्द्र, रत्नाकर मिश्र, डा. हरिभान सिंह, प्रचार प्रमुख कृष्ण मुरारी लाल, अमरेश मिश्र, अमरनाथ गुप्ता, राजेश्वर लाल श्रीवास्तव, जगत नारायण मिश्र, राममिलन, शिशिर चन्द्र उपाध्याय आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

राष्ट्र के विकास में आध्यात्मिक शक्ति जरूरी -रामाशीष

विकास खण्ड पहाड़ी , चुनार के हिन्दू सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र सह प्रचारक प्रमुख रामाशीष जी ने कहा कि राष्ट्र के विकास में आध्यात्मिक शक्ति को खड़ा करना आवश्यक है साथ ही हमें संसार के समक्ष आत्म विश्वासी पुनरोत्थानशील राष्ट्र के रूप में खड़ा होना पड़ेगा। तदर्थ हिन्दू समाज के बिखरे हुए तत्वों को संगठित करके आध्यात्मिक व भौतिक इन दोनों क्षेत्रों में उसकी शक्ति को बढ़ाने हेतु सम्पूर्ण हिन्दू समाज को आगे आना होगा। इस्लाम ने सारे मुस्लिम देशों को एक मिल्लत कतृत्व में बांधने का प्रयत्न किया परन्तु सीरिया, ईरान, इराक, मिश्र आदि इस्लामी देश अलग हो गये और उन्होंने राष्ट्रीयता के आधार पर इस्लाम को एक नये ढांचे में ढाल लिया। इस्लाम ७३ फिरकों में बंट गया। ऐसा क्यों ? अपना समाज एक ऐसी माला के रूप में है। जिसमें

अलग-अलग रंग रूप और सुगन्ध के अनेक पुरुष हैं पर एक डोर से माला के रूप में सुगठित भी है। वह डोर है यह भावना कि हम हिन्दू हैं और एक माँ की सन्तान है। हम सभी समान पुरुषों के बेशज हैं, इस भावना को बल प्रदान करना आज की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवलोक महाविद्यालय के प्रबन्धक डॉ. सन्तोष सिंह एवं संचालन जिला बौद्धिक प्रमुख रामनवल चौबे ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विद्याभूषण दूबे ज्ञानानन्द इण्टर कालेज पड़री के प्रधानाचार्य एवं विभाग प्रचारक श्री रमेश जी उपस्थित थे।

श्रीगुरुजी ने हिन्दू समाज को जोड़ा

शिखड़ा (चुनार) के एक कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सुदर्शन जी महाराज ने कहा कि श्री गुरुजी ने सामाजिक समरसता के बारे में अनेक क्रान्तिकारी कदम उठाये थे विहिप की स्थापना के माध्यम से ही उन्होंने भारत में जन्मे सभी पंथों, सम्प्रदायों और मतों के सिरस्थ महापुरुषों को एक मंच पर एकत्र किया। यह भारत के हजारों वर्षों के इतिहास में एक अद्भुत घटना थी। उन्होंने अत्यन्त आदर से जाति विषमता का विचार अस्वीकार करते हुए 'न हिन्दू पतितो भवेत्' का पथ स्वीकृत किया। धर्म संसद में समस्त हिन्दू आचार्यों के माध्यम से 'हिन्दूः सोदराः सर्वे' का उद्घोष कराते हुए हिन्दू समाज़ से अस्पृश्यता को खत्म करने का ऐतिहासिक कदम उठाया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेन्द्र मार्कण्डेय सिंह दुर्गेश त्रिपाठी जिला प्रचारक राकेशजी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन खण्ड कार्यवाह रामबालक जी ने किया।

हिन्दू समाज का संगठन ही संघ का लक्ष्य

परम पूज्य श्रीगुरुजी के जन्मशताब्दी वर्ष में सम्पूर्ण देश में विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। इसी क्रम में चुनार में भी ऐसे कार्यक्रम हुए। इन आयोजनों को प्राप्त हुआ जनसमर्थन उत्साहजनक रहा। संघ का कार्य हिन्दू समाज का संगठन करना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार ने हमें शाखा तंत्र प्रदान किया। अतएव हमारे सभी आयोजनों का उद्देश्य तभी सफल हो सकेगा जब शाखायें सुदृढ़ हों यह जन्मशती वर्ष सामाजिक समरसता के घोष वाक्य पर आयोजित हुआ। हिन्दू समाज को संगठित करने का मुख्य आधार अस्पृश्यता मुक्त हिन्दू समाज ही हो सकता है। अतएव इन आयोजनों से प्राप्त समर्थन वर्ग बनाये रखना एवं इसे कार्य रूप में बदलना हमारे लिये चुनौती है। सतत् प्रयास से हमें अपना लक्ष्य सिद्ध करना होगा।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति

मीरजापुर

संरक्षक- प.पू. श्री देवरहा "हंस बाबा"
अध्यक्ष- श्री अंगराज सिंह
सचिव- श्री अनिल सिंह
कोषाध्यक्ष - श्री अशोक सोनी
सदस्यगण - डॉ. के.के. बरनवाल
डॉ. नीरज त्रिपाठी
डॉ. हंसराज मौर्य
श्री पूनम चन्द्र जैन
डॉ. शिविर चन्द्र उपाध्याय
डॉ. हरिभानु सिंह
श्री माता सहाय मिश्र
श्री संतोष दूबे
श्री विजय सिंह
डॉ. रामदेव प्रसाद
श्री अशोक सिंह
श्री जयशंकर प्रसाद सिंह
श्री महाजन सिंह

चुनार

अध्यक्ष- श्री गिरिधर लाल जी
सचिव- श्री मेवालाल जी- प्रबुद्ध गोष्ठी
कोषाध्यक्ष- श्री जगदीश सिंह - हिन्दू सम्मेलन
सदस्य- डॉ. दीनानाथ सिंह-सामाजिक सद्भाव बैठक
श्री अरुण कुमार सिंह - अधिकतम उपस्थिति
डॉ. देवी प्रसाद सिंह - विद्यार्थी सम्मेलन





हिन्दू वही है जो......

"जम्बू द्वीपे, भरतखण्डे, आर्यावर्ते" हमारे संकल्प में आता है। पश्चिम में गांधार प्रदेश जिसे हम आज अफगानिस्तान के नाम से जानते हैं। पूर्व में ब्रह्मदेश जिसे हम 'म्यांमार' कहते हैं। उत्तर में कैलाश पर्वत और मानसरोवर है। दक्षिण में श्रीलंका एवं अन्य द्वीप समूहों के सम्मिलित करते हुए जो भूखण्ड है, जिसे हम 'भारतवर्ष' कहते हैं। उस भूखण्ड को जो अपनी मातृभूमि, पितृभूमि और पुण्यभूमि मानता है वही हिन्दू है।

जनसंख्या घटी तो खतरे में होगा हिन्दुओं का अस्तित्व -विनायक

विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय महासचिव विनायक राव देशपाण्डे ने भदोही में हिन्दू समाज से एक बार फिर अपनी आबादी बढ़ाने की अपील करते हुए आज यहां कहा कि बहुसंख्यकों की जनसंख्या घटनी नहीं बढ़नी चाहिए अन्यथा अपने ही देश में हिन्दुओं के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो सकता है। सशक्त हुए बिना दुनिया में हिन्दुत्व स्वीकार नहीं हो सकता। कोई दर्शन तभी स्वीकार्य होता है जब उसके साथ शक्ति भी हो। उन्होंने कहा कि जिस दिन देश का ८० करोड़ हिन्दू संगठित हो जायेगा, उस दिन अयोध्या में राम मंदिर निर्माण होने से कोई नहीं रोक सकता। श्री देशपाण्डे ने ज्ञानपुर रोड स्थित होटल रिजेंसी में परमश्रद्धेय गुरुजी की जन्मशताब्दी समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने देश में हिन्दुओं की घटती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर के सात राज्यों में हिन्दुओं की जनसंख्या तेजी से घट रही है। किसी धर्म का नाम लिये बिना उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत हिन्दुओं का एकमात्र प्रतिनिधियों देश है। ऐसे देश में हिन्दुओं की ही आबादी घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर यहां हिन्दुओं की संख्या कम हुई तो दूसरे समाज के लोग हिन्दुओं को रहने नहीं देंगे। हिन्दू समाज को जागरूक करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज को चेतावनी केवल भारत ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के लिए कल्याणकारी हो सकती है। उन्होंने कहा कि देश के बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक पर बहस और विवाद बंद होना चाहिए। जो भारत में पैदा हुआ वह भारतीय है न कि पाकिस्तानी। श्री पांडेय ने कहा कि १९४७ में हमारे देश का विभाजन हुआ। इस विभाजन के लिए लोग एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। किन्तु यह सत्य है कि तत्कालीन भारत के पांच प्रांत जहां हिन्दुओं की संख्या कम थी, वहीं प्रांत भारत से अलग हुए। उन्होंने देश में बढ़ते आतंकवाद पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आतंकवादी गतिविधियां पहले कश्मीर में अपना प्रभाव दिखाया। जिसका परिणाम यह हुआ कि वहां से हिन्दुओं का पलायन हो गया। अब वही आतंकवादी पूरे देश में भय का वातावरण उत्पन्न कर दिये हैं। पिछले दिनों वाराणसी में बम विस्फोट कर ढाई दर्जन लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इसके चार महीने पूर्व मऊ में दंगा कराया गया। जंहां कई लोग मारे गये। अब अलीगढ़ में दंगा कराया गया है। आखिर हिन्दू कब तक इनके आतंक को बर्दाश्त करेगा। उन्होंने बताया कि देश में एक लाख मदरसे चलाये जा रहे हैं। इन मदरसों में चालीस लाख मुसलमानों को शिक्षा दी जा रही है। आतंकवादी गतिविधियों का जन्म मदरसों से ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज को मजबूत बनाकर ही भारत मां की रक्षा की जा सकती है। इसलिए हिन्दुओं में जागृति लाने के लिए इस जन्मशताब्दी वर्ष में अभियान चलाया गया है।

समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। पूजनीय गुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष को समरसता की भावना से मनाया गया। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों की अलग अभिव्यक्ति होनी चाहिए। संघ जितना तेजी से विकसित होगा, उतना ही गुरुजी की शताब्दी का परिणाम सामने आयेगा। उन्होंने कहा कि देश में हिन्दुओं की संख्या जिस तरह से घट रही है, उनको देखते हुए अनुमान है कि सन् २०६० तक हिन्दु-मुस्लिम की संख्या बराबर हो जायेगी। इसके बाद मुसलमान बहुसंख्यक हो जायेगा। उन्होंने कहा कि देश में इस समय ८० करोड़ हिन्दू हैं। जिस दिन पूरा हिन्दू समाज चाह लेगा उस दिन

अयोध्या का मंदिर निर्माण हिन्दू एजेंडे में होगा और इसकी वकालत सभी राजनीतिक दल के लोग करेंगे। इसके लिए हिन्दुओं को अपनी शक्ति मजबूत करना होगा। इसके पूर्व भदोही नगर के हरिमंदिर से परमपूज्य गुरुजी की शोभायात्रा निकाली गयी। समारोह में जिला संचालक प्रमोद, ओमप्रकाश पाण्डेय, पूर्व विधायक पूर्णमासी पंकज, विनीत बरनवाल, आशीष सिंह बघेल, कौशल गुप्ता, जयप्रकाश पाण्डेय, बनारसी पासी, संतोष दुबे, इन्द्रप्रकाश, भारत दुबे, गणेश पाल, रामनरेश यादव, विजय, सुरेन्द्र यादव, संदेश दुबे आदि उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता दीनानाथ बरनवाल ने किया।

पाकिस्तान को नेस्तनाबूत करने से ही रुकेगा आतंकवाद

विद्यार्थियों में देशभक्ति एवं समाजसेवा की भावना होनी चाहिए। उन्हें तेजस्वी एवं चरित्रवान होना चाहिए। पढ़ाई-लिखाई कर डाक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और सीए बनना ठीक है किन्तु यह मिशन नहीं छोड़ना चाहिए। पढ़ना-पढ़ाना मिशन नहीं, मिशन को प्राप्त होने की साधना होनी चाहिए। पाकिस्तान को नेस्तनाबूत करने से ही कश्मीर सहित पूरे देश में आतंकवाद रुकेगा। यह उद्‌गार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल सदस्य इन्द्रेश कुमार ने ज्ञानपुर के आदित्य पुस्तकालय में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित महाविद्यालयीय विद्यार्थी सम्मेलन में व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि शाहजहां ने क्रान्तिकारी नौजवानों को जेल में डाला, उसी में एक उन्नीस वर्ष का नौजवान भी बन्द था। उसकी बूढ़ी माँ की आंखे रोते-रोते अंधी हो गई। लोग कहते थे कि माफी मांग लो वह छूट जाएगा। वह जेल के गेट पर गई और जेलर ने रोक दिया और कहा कि तेरा बेटा गा रहा है कि हे! मातृभूमि भारत कि मां मैं तेरी पूजा करूंगा। तेरी वन्दना करुंगा। दो दिन बाद उसे फांसी हो जाती है। उन्होंने कहा कि १६०५ में दुनिया की यह पहली घटना थी कि एक विधवा के तीन बेटे एक साथ देश के लिए फांसी पर झूल गए। उन्होंने कहा कि देश में जातियां होनी चाहिएं लेकिन जातिवाद नहीं। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ श्रीगुरुजी, भारतमाता एवं डॉ. हेडगेवार के चित्रों पर माल्यार्पण एवं उनके आगे दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस मौके पर उन्होंने दीनदयाल धाम, दीनदयाल पुस्तकालय का लोकार्पण किया। विभाग प्रचारक रमेश, विभाग संघचालक अंगराज जी एवं प्रान्त छात्रावास प्रमुख उमेश, अजीत, पुजारी पाण्डेय, अमरदीप, जिला संघचालक प्रमोद चतुर्वेदी, जिला कार्यवाहक हरीराम, दीनानाथ बरनवाल, श्री प्रकाश मिश्र उर्फ भाषा जी, छोटेलाल सोनकर, ओमप्रकाश पाण्डेय आदि थे।

अयोध्या में बनेगा रामलला का भव्य मंदिर

दुर्गागंज बाजार में स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर के प्रांगण में स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती का नगाड़े और घंटा घड़ियाल के साथ जोरदार स्वागत कर आरती उतारी गई। उनके दर्शन के लिए हजारों की संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हुए थे। भक्तों को सम्बोधित करते हुए शंकराचार्य नरेन्द्रानन्द सरस्वती ने कहा कि अयोध्या में प्रस्तावित श्रीरामलला मंदिर निर्माण के लिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला फरवरी में आएगा। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि फैसला हिन्दू जनमानस के पक्ष में होगा और अयोध्या में भव्य श्रीराममंदिर के निर्माण का कार्य जो वर्षो से स्थगित है पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हिन्दुओं के कुछ तथाकथित संत हिन्दू समाज में मतभेद पैदाकर उन्हें बांटने का प्रयास कर रहे हैं। इस प्रकार के कार्यों को रोकने की जरूरत है। हिन्दू किसी जाति समुदाय से नहीं बल्कि विशालता और सहृदयता का नाम है। हिन्दुओं को एकजुट होने की जरूरत है। हिन्दुओं के कल्याण में ही विश्व का कल्याण निहित है। श्री गिरीश

ने कहा कि हर मुसलमान आतंकवादी नहीं होता पर हर आतंकवादी मुसलमान ही क्यों है। आतंकवादी देश की एकता और अखंडता को नष्ट करना चाहते हैं। यह कार्य एकजुटता के साथ रुक सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पं. धर्मराज मिश्र ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विजयपाल सिंह और देवेन्द्र सिंह थे।

संघ के हिन्दू सम्मेलन में मुस्लिम तुष्टीकरण पर चिन्ता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तमाम बड़े लोगों की मौजूदगी में रविवार को चौरी में हुए हिन्दू सम्मेलन में मुस्लिम तुष्टीकरण पर तुष्टीकरण पर चिन्ता व्यक्त स्वामी विवेकानन्द इण्टर कालेज ब्रह्माश्रम चौरी में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में महंत बाघम्बरी गद्दी प्रयाग के परमपूज्य श्री नरेन्द्र गिरिजी महाराज ने कहा कि राजनीति ने हिन्दुओं को सबसे ज्यादा धोखा दिया है। सत्ता में आने पर वह श्रीराम को भूल गए। शासन में रहते हुए कहा कि बहुमत में नहीं है। उन्हें मालूम कि वह बहुमत में कैसे आए। हिन्दू उसी पार्टी को वोट दें जो मंदिर निर्माण की बात करें।

स्वामी नरेन्द्र जी महाराज ने कहा कि किसी मुसलमान से पूछा जाता है कि वह किस जाति का है तो बताता है कि वह मुसलमान है, न कि अन्सारी व पठान। उन्होंने देश की संसद पर हमला करने के आरोपी अफजल गुरु को फांसी देने की वकालत की। इस मौके पर मनोज श्रीवास्तव, प्रमोद चतुर्वेदी, राजबली दुबे, संदेश दुबे, सुनील दुबे, अमरजीत सिंह ने विचार व्यक्त किए। अवसर पर महाराज जी ने रामचन्द्र पासवान, मकोई सेठ, रवि पाल और जीबी मोची को सम्मानित किया।

मस्जिद नहीं टूटी बल्कि मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार

काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरु शुकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती ने कहा कि राम इस देश की अस्मिता और स्वाभिमान हैं। अयोध्या में बाबरी मस्जिद नहीं तोड़ी गई बल्कि श्रीराम मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है। बाबरी मस्जिद राम मंदिर की शास्त्रीय सीमा के बाहर ही बन सकती है। इसके लिए वह सहयोग करेंगे।

सुरियावां नगर के अभिया रोड स्थित मैदान में श्रीगुरुजी की जन्मशताब्दी समारोह पर आयोजित हिन्दू सम्मेलन में उन्होंने कहा कि श्रीराम के जन्मस्थान पर हो रही राजनीति बंद होनी चाहिए। जहां राम का जन्म हुआ है उसमें परिवर्तन संभव नहीं है। पुरातत्व विभाग में साक्ष्य प्रस्तुत हो चुका है। इस विषय को लोगों के बीच नहीं लाया गया है। हिन्दू समाज मंदिर बनाने के लिए संकल्पित है। मंदिर निर्माण की बात आने पर वह उमड़ पड़ेगा। लोग श्रीराम के दूत की भांति मंदिर निर्माण में अपना सहयोग देंगे। उन्होंने कहा कि इस समय राजनीतिक दल जातियों को आपस में बांटने पर तुले हैं। राजनीति और मानव उत्थान के लिए यह सोच खतरनाक होगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता इन्द्रेश जी अविरल ने कहा कि जब शिशु इस लोक में आता है तो वह जाति विशेष का नहीं होता लेकिन जैसे-जैसे उसे ज्ञान होता है उसमें जाति विशेष की भावना घर कर जाती है। इस मौके पर माताओं, बहनों से अपील की गई कि वह अपने बच्चों में देश प्रेम की भावना जागृत कर उन्हें सपूत बनाएं। योगी देवनाथ ने कहा कि हिन्दू धर्म में जाति विशेष स्थान नहीं रखती, धर्म विशेष है। जाति से पहले व्यक्ति को हिन्दू धर्म के विषय में बताया जाना चाहिए। हिन्दू सम्मेलन का आशय सभी को जोड़ना है, तोड़ना नहीं। हर मुसलमान आतंकवादी नहीं होता। सम्मेलन में सभी राजनीतिक दलों के लोगों ने भाग लिया।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति, भदोही

अध्यक्ष- श्री दीनानाथ बर्नवाल सचिव- श्री हरिराम कोषाध्यक्ष- श्री अशोक सिंह

सदस्य- श्री विनय- सामाजिक सद्भाव बैठक, श्री प्रकाश- विशाल हिन्दू सम्मेलन, श्री कवलेश्वर- प्रबुद्ध गोष्ठी
श्री सदानन्द पाण्डेय - अभिलेखागार प्रमुख, श्री अमरदीप- विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख, श्री अजीत- सह विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख

सोनभद्र जिला

श्रीगुरुजी के सपनों को पूरा करने का लिया संकल्प

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिव गोलवलकर यानि श्रीगुरुजी के सपनों को साकार करने का संकल्प लेते हुए जन्मशताब्दी समारोह का शुभारम्भ हुआ। इस दौरान श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति को घोषणा कर लोगों से श्रीगुरुजी के सोच को अपनाने की अपील की गई।

रेनुकूट कल्याण मंडपम् में पूर्व कुलपति प्रो. कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने बाबा सत्यदेव महाराज के साथ भारत मां की पूजा तथा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद समारोह के संरक्षक महाराज जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। प्रो. पाण्डेय ने अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक की चर्चा की और समारोह के उद्घाटन का भावपूर्ण वर्णन करते हुए मां अमृतानंदमयी के आशीवर्चनों को सुनाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में पूज्य गुरुजी का जीवन दर्शन और प्रासंगिक हो गया है। समारोह के माध्यम से संघ का संदेश पहुंचाकर समाज को जागृत किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. लखनराम जंगली समेत अनेक लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन राजबिहारी ने किया।

श्रीगुरुजी ने मानवीय मूल्यों की स्थापना का स्वयंसेवकों को दिया संकेत

श्रीगुरुजी ने मानवीय मूल्यों की स्थापना का जो संदेश स्वयंसेवकों को दिया था उसी का परिणाम है कि आज तमाम कुत्सित प्रयासों के बावजूद हम अपनी संस्कृति को संजोकर रख सके हैं। श्रीगुरुजी का जीवन दर्शन महज एक कथा न होकर वह कलाकृति है जिसमें भरे हुए रंग हमें जीने का ढंग सिखाते हैं। यह बातें भारतीय विद्वत् परिषद् के महासचिव डॉ. कामेश्वर उपाध्याय ने श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी के अवसर पर ओबरा के क्लब नं.-१ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। हजारों स्वयंसेवकों की उपस्थित में कार्यक्रम का प्रारम्भ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. उपाध्याय व अध्यक्ष सुरेश जी ब्रह्मचारी ने दीप प्रज्जवलित किया। परिचय व अतिथियों के स्वागत की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद काशी के सह प्रांत कार्यवाह बांकेलाल ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि श्रीगुरुजी ने 'विजय ही विजय है' का नारा दिया था। इन चारों शब्दों में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक के रूप में पूरे देश में राष्ट्रवादिता की अलख जगाने वाले श्रीगुरुजी का संदेश छिपा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नरेन्द्र बहादुर, विभाग संघचालक के अलावा सेवा समर्पण संस्थान के अध्यक्ष रामसूर्य राव ने भी गुरुजी के संबंध में अपने विचार रखे। इस अवसर पर शशांक जी द्वारा एक एकल गीत भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष अयप्पा मंदिर के प्रभारी सुरेश जी ब्रह्मचारी ने श्रीगुरुजी के आदर्शों पर चलने का स्वयंसेवकों को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमें ऋण से मुक्ति तभी मिल सकती है जब हम अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें। आभार ज्ञापन राजीव कुमार ने किया।

संचालन दिलीप पाठक द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला प्रचारक हर्षवर्धन जी, डॉ. उमेश, शिवशंकर जी, कृष्णजी व वनवासी हित रक्षा प्रमुख सुधाकर मिश्र समेत संघ परिवार के अनेक लोग मौजूद थे।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह से जुड़ी सोनभद्र विभाग की चित्रांजलि



मंच पर बाएँ से डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, श्री बाँकेलाल, श्री सुरेश ब्रह्मचारीजी महाराज



शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्दजी को माल्यार्पण करते हुए दीप नारायण सिंह





मंच पर स्वामी सत्यदेव महाराज, प्रो. के.बी. पाण्डेय, श्री पुनीत लाल, श्री सुभाष एवं अन्य अतिथि गण





विराट् हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते स्वामी वासुदेवानन्द जी महाराज एवं हिन्दू जनमानस

जय विद्या जय संस्कृति जय भारत माता

विवेकानन्द वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एन.टी.पी.सी.

शक्तिनगर, सोनभद्र (उ०प्र०)

(केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त)

सत्र- २००६-०७ : हमारे विद्यालय के गौरव- (१) सितेन्द कुमार ९१% (२) विनय कुमार ८७% (३) शशांक दूबे ८४.४% (४) अभिषेक रंजन ओझा ८२.८% (५) नवीन कुमार सिंह ८१.६% (६) रोहित कुमार ८०.२% * मयंक शर्मा ८५.८% * विवेक हर्षवर्धन ७९.० * सूरज कुमार पाण्डेय ७६.८।

व्यावसायिक क्षेत्र की उपलब्धियाँ

१- खुशहाल पाठक-IIIT, २- रोहित भारद्वाज-SEE UPTE रैक (83), ३- प्रवीर राजवार-SEE UPTE, ४- मयंक शर्मा-SEE UPTE, ५- राजेश पाण्डेय-SEE UPTE, ६- प्रशान्त दूबे-SEE UPTE, ७- सोनू-SEE UPTE, ८- समरेश-SEE UPTE, ९- मनीष यादव-SEE UPTE, १०- अनिल कौशल-SEE UPTE, ११- विवेक हर्षवर्धन-SEE UPTE, १२- संतोष कुमार-AIEEE, १३- नीरज सिंह-CPMT, १४- विवेक श्रीवास्तव-SEE UPTE, १५- तेजपाल सिंह भण्डारी-SEE UPTE

विद्यालय की विशेषताएँ-

★ कक्षा षष्ठ से द्वादश तक शिक्षण की उत्तम व्यवस्था। ★ इण्टरमीडिएट में साहित्य वर्ग, वाणिज्य वर्ग, विज्ञान वर्ग के शिक्षण की व्यवस्था। ★ विद्यालय का उत्तम परीक्षाफल। ★ क्रीड़ा प्रतियोगिता/बौद्धिक प्रतियोगिता में विद्यालय को स्थानीय, अखिल भारतीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त। ★ सुसज्जित विज्ञान प्रयोगशाला की व्यवस्था। ★ अध्ययन हेतु समृद्ध पुस्तकालय। ★ वातानुकूलित कम्प्यूटर शिक्षण की उत्तम व्यवस्था।

★ भइया/बहिनों का पंचमुखी व पंचपदी शिक्षा पद्धति द्वारा विकास। ★ १० से १२ में आई. टी./आई.पी० एवं शारीरिक शिक्षण की व्यवस्था। ★ १० से २ के लिए ग्रीष्मकालीन अतिरिक्त शिक्षण की व्यवस्था। ★ आडियो विजुअल विधि द्वारा शिक्षण की उत्तम व्यवस्था। ★ सात छात्र एस.जी.एफ.आई. खेल कूल में चयनित।

मोहनलाल	**जे.एन. दूबे**	**एम.पी. मिश्रा**	**सुजीत सिंह**	**राजबिहारी**
अध्यक्ष	व्यवस्थापक	सहव्यवस्थापक	कोषाध्यक्ष	प्राचार्य

श्रीगुरुजी ने हिन्दुओं में किया था ऊर्जा का संचार

शास्त्र तत्व पर पड़ी धूल को 'श्रीगुरुजी' ने अपने नखों से खुरच कर हिन्दू समाज को नई ऊर्जा दी। ओबरा के स्थानीय मनोरंजन केन्द्र-एक में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् के महासचिव डॉ. कामेश्वर उपाध्याय ने कही। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ भारती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। इससे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं अनुषंगिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि का फूल मालाओं से स्वागत किया।

तकरीबन ढाई घंटे के ओजस्वी भाषण में डॉ. उपाध्याय ने कहा कि हिन्दू जग जाय तो पूरी पृथ्वी स्वर्ग जैसी सुगंधित हो जाएगी। इन्हीं कार्यों को पूर्ण करने के लिए श्रीगुरुजी का पृथ्वी पर जन्म हुआ। देश की महान विभूतियों में महामना मालवीय जी का नाम स्वर्ण अक्षर में लिखा जाता है। श्रीगुरुजी ने मालवीय जी से भी ज्यादा देश की परिक्रमा कर राष्ट्र की भक्ति लोगों के जीवन में भरने का कार्य किया। गुरुजी के तन, मन में राष्ट्र भक्ति कूट-कूट कर भरी थी। तमाम घटनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि जब कभी जेल में महापुरुषों को बंद किया जाता है, तो महाभारत होता है। श्रीगुरुजी को भी जेल की यातनाएं सहनी पड़ी परन्तु उनका संकल्प और अधिक मजबूत होता गया। अविभाजित भारत को मथना प्रारम्भ कर दिया और पूरे भारत वर्ष में तीन दर्जन से भी अधिक संस्थाओं का निर्माण कर देश को मजबूत किया।

श्रीगुरुजी ने अपने जीवन काल में ६५ बार भारत का भ्रमण किया और पूरे जीवन काल में ६० हजार से भी अधिक पत्र लिखे। भारत के सात शक्तिपीठ अब भी दूसरे के कब्जे में है, जिसे हासिल कर इसे पुनः विश्व गुरु का दर्जा दिलाना होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं को श्रीगुरुजी के मानस पुत्रों की संज्ञा देते हुए डॉ. उपाध्याय ने कहा कि समझौता करने पर पांच वर्षों के बाद कोई पूछने वाला नहीं होता। हिन्दू समाज सोने में दक्ष है। उसे जागना होगा, तभीं राष्ट्र को खोया हुआ सम्मान वापस मिल सकेगा। इसके पूर्व काशी प्रांत के कार्यवाह बांके लाल, नरेन्द्र बहादुर समेत अन्य लोगों ने भी विचार व्यक्त किए। समारोह की अध्यक्षता रामकृष्ण मिशन एवं स्वामी सत्यानंद सरस्वती विद्यालय ओबरा के प्रबन्धक सुरेश जी ब्रह्मचारी ने की और संचालन दिलीप पाठक ने किया। राजीव कुमार ने आभार जताया। उपस्थित लोगों में इं. हरिपाल सिंह, सुरेन्द्र बरनवाल, राजेन्द्र गर्ग, राम आसरे सोनी, सूर्यदीप राय मुख्य थे। आयोजन के मद्देनजर पूरा ओबरा नगर केसरिया बैनर और पोस्टरों से पटा हुआ था।

भारत में पैदा होने से ही कोई नहीं हो जाता भारतीय

भारत में पैदा होने मात्र से कोई भारतीय नहीं हो जाता, उसे धरती माँ के प्रति और महापुरुषों के प्रति सम्मान और उनके मान-बिन्दुओं को मानने से ही भारतीय कहा जा सकता है। देश का विभाजन अशिक्षा, गरीबी और बेकारी के कारण नहीं, बल्कि परिवर्तन के कारण हुआ। इसकी वजह से हिन्दू-मुस्लिमों के बीच जनसंख्या असंतुलन है। यह बातें बजरंग दल के उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के संयोजक अम्बरीष सिंह ने कही। वे घोरावल में आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश के बँटवारे के सूत्रधार बलूचिस्तान व सिन्ध के मुसलमान नहीं है। इसकी रूपरेखा

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में रची गयी और खाका तैयार करने वाला दारुल उलूम देवबंद रहा। यह विश्वविद्यालय भी आज भारत में ही है और दारुल उलूम भी यहीं हैं। आज ये मजहबी जूनून पैदाकर फसाद कराते हैं और बंटवारे के फिराक में रहते हैं।

उत्तर प्रदेश की बात करते हुए उन्होंने कहा कि नेता हरित प्रदेश की बात करते हैं, जबकि अगर यह अलग प्रान्त बना तो शायद पहला मुख्यमंत्री हिन्दू बने लेकिन बाद में यहां के सारे मुख्यमंत्री मुस्लिम ही होंगे। एक मुस्लिम मंत्री ने तो इसे हरित प्रदेश की बजाय मुस्लिम प्रदेश की मांग तक कर डाली है। जनसंख्या असंतुलन से प्रदेश का मिजाज बदल जाता है। विभाग संघचालक नरेन्द्र बहादुर ने कहा कि दस साल से मुस्लिम आबादी दस फीसदी बढ़ी है, जबकि हिन्दू जनसंख्या पांच प्रतिशत कम हुई है। सन् २०६० तक हिन्दू स्वयं अल्पसंख्यक हो जायेगा। धर्मांतरण के कारण पूर्वोत्तर के सात प्रान्त ईसाई बहुल हो गये हैं। केरल में ईसाई जनसंख्या ४६ प्रतिशत तक पहुंच गयी है। गुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष पर आयोजित घोरावल के विराट हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक सुभाष ने गुरुजी के त्यागमय जीवन, राष्ट्रधर्म निर्वहन और हिन्दू चेतना की जागृति के लिए किए गए कार्यों का विशद वर्णन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पातालपुरी काशी के पीठाधीश्वर बाबा बालकदास ने कहा कि आज भारतीय दर्शन के चार प्रमुख तत्व संत, सरिता, संस्कृत और संस्कृति पर कुठाराघात हो रहा है। किसी उलेमा पर कोई तल्ख टिप्पणी होती है तो इस्लाम में उन्माद पैदा हो जाता है, लेकिन शंकराचार्य को चार महीने तक कैद में रखा जाता है तब भी हिन्दू मौन रहता है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शेषमणि त्रिपाठी, अवध बिहारी चौबे, शिवशंकर खड्ग, जंग बहादुर सिंह, हिमांशु कुमार सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश कुमार, कैलाश सिंह, अरुणाकर पाठक, गजेन्द्र बहादुर सिंह और लालजी तिवारी समेत अनेक गणमान्य व क्षेत्रीय लोग सम्मेलन में मौजूद थे।

देशभक्ति का ठेका महज हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि दूसरों का भी

देश भक्ति का ठेका सिर्फ हिन्दुओं का ही नहीं हैं बल्कि कुछ और लोग भी हैं जिनमें देश भक्ति का जज्बा है। किन्तु ऐसे लोगों की गिनती काफी कम है। यह उद्गार दुद्धी के तहसील मुख्यालय के रामलीला मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक 'गुरुजी' माधव राव गोलवरकर के जन्मशताब्दी पर आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए खड़िया पीठेश्वर के महंत महाराज सत्यदेव जी ने कहीं। उन्होंने कहा कि मुसलमानों में बहुसंख्यक ऐसे लोग हैं जिनमें देश भक्ति की भावना देखने को नहीं मिलती है। जबकि हमारी सर्वोपरि देशभक्ति की भावना है। अनादि काल में हममें एकता की भावना न होने से मुसलमानों द्वारा आक्रमण कर हमारे राष्ट्र को कई भागों में विभाजित कर दिया गया। चाहे वह इंडोशिया, मलेशिया, इराक पाकिस्तान व बांग्लादेश हो सब हिन्दुस्तान का हिस्सा था। समय रहते हम नहीं चेते तो आने वाले समय में भारतमाता के कई और टुकड़े कर दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए कहीं न कहीं से हम भी दोषी हैं। हमारे भीतर असमानता की भावना भरी हुई है जिसका लाभ लेते हुये ईसाई व मुसलमानों द्वारा बड़े पैमाने पर धर्मान्तरण कराया जा रहा हैं। इसके लिए हम सभी का चरम धर्म यही है कि प्रत्येक गांव जाकर समानता का अलख जगाते हुए सभी हिन्दुओं को जागरूक करें जिससे हम एक हिन्दू राष्ट्र के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर सकें। पूरे विश्व में एक मात्र नेपाल ही

हिन्दू राष्ट्र के नाम से जाना जाता था किन्तु विगत के वर्षों में उसको भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत ले लिया गया। भारतीय संस्कृति व सभ्यता पर बोलते हुए स्वामीजी ने कहा कि आधुनिक युग के बच्चों में कहीं से भी भारतीय परिधान व संस्कृति की झलक देखने को नहीं मिल रही। उनके ऊपर पश्चिमी संस्कृति पूरी तरह से हावी हो चुकी है। युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों का सम्मान करने में झिझकती है। इसका दोष हम किसी दूसरे पर मढ़ने व समाज को कोसने के बजाय आत्म चिन्तन करें। अपने दोष को हम स्वीकार करें। इसके पूर्व विश्व हिन्दू परिषद के प्रदेश पदाधिकारी दयाशंकर पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि देश के विभिन्न भागों में ईसाई मिशनरियों द्वारा व्यापक स्तर पर धर्मान्तरण कराया जा रहा है। यदि समय रहते हम जागरूक नहीं हुए तो आने वाले समय में हम अल्पसंख्यक हो जायेंगे। आज स्थिति ऐसी आ गई है कि इन समस्याओं के लिए हम सभी को एक मंच पर आकर उसके निदान की बात सोचनी चाहिए।

विभाग प्रचारक सुभाष जी ने बड़े ही सरल व ओज पूर्ण शैली में द्वितीय सरसंघचालक परम पूज्य 'श्रीगुरुजी' के जीवन-वृत्त पर चर्चा करते हुए कहा कि एक छोटी किन्तु अनोखी घटना में नौ परिवार के एक मात्र जीवित बचे कुल दीपक परम पूज्य श्रीगुरुजी के जीवन शैली को बदल दिया। वे भारतमाता की सेवा में इतना लीन हो गये कि कुल दीपक के स्थान पर देश दीपक का गौरव प्राप्त किंया। सम्मेलन को राम बिहारी, भाजपा नेता रामनरेश पासवान, रंजन जायसवाल, डॉ. राजकिशोर सिंह ने भी सम्बोधित किया। सम्मेलन में सरस्वती शिशु मंदिर की बहनों ने श्रीगुरुजी के जीवन पर गीत सुनाया। सम्मेलन में आये अतिथियों व महात्माओं की अगवानी के लिए बजरंग अखाड़ा समिति के अध्यक्ष कन्हैया अग्रहरि की अगुवाई में सैकड़ों मोटर साईकिल युवकों का जत्था रजखड़ घाटी से दुद्धी कस्बे तक जय श्रीराम जैसे गगनभेदी नारों के साथ में चल रहे थे। सम्मेलन में रवीन्द्र जायसवाल, अमरनाथ जायसवाल, धीरेन्द्र कुमार जायसवाल, कमलेश सिंह, ईश्वर प्रसाद, निसला नाथ, श्यामजी गौतम एवं नन्दलाल, समेत तमामं लोग मौजूद थे। सम्मेलन का संचालन दिनेश अग्रहरि ने किया।

सेना के सहारे हुए चर्च का विस्तार

अंपनी साम्राज्यवादी नीतिं को सामने रखकर ईसाई विश्व के अनेक स्थानों पर गये। चर्च के विस्तार के लिए सेना साथ चलती थी। सेना के संरक्षण के साथ बढ़ने वाला यह विश्व का प्रथम संप्रदाय था। सेना के साथ ईसाई अमेरिका, कनाड़ा, मैक्सिको, पेरू, आस्ट्रेलिया आदि देशों में गये। वहां राज्य स्थापित किया और वहां की सभ्यता को विरूपित किया। लाखों लोगों की हत्याएं कराईं। यह बातें काशी अन्नपूर्णापीठ के पीठाधीश्वर महंत रामेश्वर पुरी ने रविवार को आर.टी.एस. क्लब में विराट् हिन्दू सम्मेलन में कही।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए। उन्होंने प्रश्न किया कि क्या कारण है कि जब भी कोई आतंकवादी विश्व के किसी कोने में पहचाना जाता है तो वह एक मत विशेष का सदस्य निकलता है। इस विषय पर सभी को गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय शारीरिक प्रमुख चन्द्रमोहन जी ने मुख्य अतिथि के तौर पर संघ के द्वितीय सरसंघचालक चालक माधव सदाशिव राव गोलवलकर के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। सन् १९६२, ६५ व ७१ के युद्ध का जिक्र करते हुए उन्होंने संघ की भूमिका को रेखांकित किया। धर्मान्तरण को चिंताजनक बताते हुए उन्होंने हिन्दुओं से सावधान व जागरूक

रहने के लिए कहा। विषय प्रवर्तन करते हुए समिति के उपाध्यक्ष भोलानाथ मिश्र ने कहा कि विश्व में महज दो ही जातियाँ हैं। एक देवताओं जैसी और दूसरी दानवों जैसी। आसुरी प्रवृत्तियों के विनाश के लिए ही महापुरुषों का आगमन होता है। इसी कोटि के महापुरुष श्रीगुरुजी भी थे। समारोह में समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर सिंह, हिन्दू जागरण मंच के प्रदेश अध्यक्ष दयाशंकर पाण्डेय ने भी संबोधित किया इस मौके पर समिति के अध्यक्ष शिव शंकर गुप्त, धीरेन्द्र, धनंजय, अवध नारायण, जय प्रकाश, राजीव पत्रकार, अरुण चौबे, ओमप्रकाश गोयल, रमेश मिश्र समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ स्वामी रामेश्वरपुरी का भी स्वागत सत्कार किया गया। संस्कार भारती के संयोजक रामानन्द सिंह के निर्देशन में कलाकारों ने भारतीय संस्कृति से जुड़ा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया।

जगद्गुरु शंकराचार्य वासुदेवानन्दजी महाराज के जनपद आगमन पर सोनभद्र नगर में श्रद्धालुओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। उनके लंबे काफिले में दक्षिणांचल के कई गणमान्य आगे-आगे चल रहे थे। स्वर्ण जयन्ती चौक पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने जगत गुरु वासुदेवानन्द जी महाराज का दर्शन पूजन किया। इस मौके पर भाजपा के रतनलाल गर्ग, अशोक मिश्र समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे। हर-हर महादेव के जयकारे के बीच काफिला रवाना किया गया। जगद्गुरु शंकराचार्य श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करने दक्षिणांचल की ओर जा रहे थे। चोपन में भी रविवार को श्री गुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के तत्वाधान में ब्रह्मचारी महाराज विश्वनाथ दास शास्त्री की मौजूदगी में विराट् सम्मेलन का आयोजन किया गया। श्री शास्त्री ने कहा कि समाज को तोड़ने का कुचक्र रचा जा रहा है। इससे हिन्दुओं को सावधान रहना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवेन्द्र शास्त्री, सुधाकर मिश्र, कोमल सिंह एवं सुरेश तिवारी समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे। स्थानीय रामलीला मैदान ॐ अंकित केशरिया ध्वज से पटा था। श्री गुरुजी का आकर्षक कटाउट लगाया गया था। भव्य मंच पर भारतमाता का चित्र मौजूद था। कार्यक्रम को लेकर नगर पंचायत क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा।

म्योरपुर प्रतिनिधि के अनुसार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर का जन्मशताब्दी समारोह मनाया। लिलसी राम पंचायत के राजा चंडौल विद्यालय के परिसर में जगद्गुरु पूज्य शंकराचार्य, वासुदेवानन्द सरस्वती का गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया गया। मोटर सायकिलों व चार पहिया वाहनों के लंबे काफिले में उन्हें मंच तक लाया गया। भव्य मंच पर माल्यार्पण करके जगत्गुरु को सम्मानित किया गया। हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में विराट् हिन्दू सम्मेलन सम्पन्न हुआ। समारोह का आयोजन श्री गुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति की ओर से किया गया था।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की सरकार नहीं कर पा रही पहचान

सत्ता लोभ एवं तुष्टीकरण की नीतियों के कारण हिन्दू स्वाभिमान को लगातार आहत किया जा रहा है। देश के जिस हिस्से में हिन्दू अल्पमत हो गया वह देश से कट गया। मौजूदा परिस्थितियों में गरीब, वनवासी क्षेत्रों में धर्म परिवर्तन करने वाली एजेन्सियाँ तेजी से काम कर रही हैं। वहीं स्वाभिमानी शिवा का वंशज थका दिखायी दे रहा है। यह बातें श्री गुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के दौरान ओबरा में आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में देवरहा बाबा पीठ के संत अभयेश्वर प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने अपने भाषण में कहीं। कार्यक्रम में प्रपन्नाचार्य जी महाराज

मुख्य अतिथि के तौर पर तथा ओंकारानन्द जी महाराज विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित थे।

सम्मेलन में वक्ताओं ने स्वदेशी अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि विदेशी सामानों पर खर्च किया गया हमारा धन हिन्दू धर्मांतरण पर खर्च हो रहा है। पांच करोड़ घुसपैठी बांग्लादेशियों की पहचान देश की सरकार नहीं कर पा रही है। उन्हें वोट की लालच में राशन कार्ड दिये जा रहे हैं। स्वामी ओंकारानन्द जी महाराज ने कहा कि हिन्दू संतानों को कान्वेंट की अंग्रेजियत संस्कारहीन बना रही है। घर में कार न हो पर संस्कार जरूरी है। अहंकार रहित संस्कार से ही नौनिहालों को खड़ाकर देश को बचाया जा सकता है। रामायण की चर्चा करते हुए ओंकारानन्द जी ने कहा कि भगवान राम से मिलने जाते समय भरत जी ने रामसखा निषाद को रथ से उतर कर गले लगाकर हमें ऊँच-नीच, छूआछूत का भेद मिटाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज की प्रत्येक वीर माता को पांच वीर पुत्र पैदा करने होंगे जिससे भारतमाता, गौ माता, गंगा माता व देव तुल्य अपने माता-पिता के साथ ही संघ शक्ति के लिए एक पुत्र को समर्पित कर भारत को और भी गौरवशाली बनाकर विश्व गुरु के पद पर आसीन कराया जा सके। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं भारतमाता की वन्दना आरती से किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजीव जी ने किया। हिन्दू महासम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक विन्ध्याचल अंगराज जी एवं विभाग संघ चालक सोनभद्र नरेन्द्र बहादुर सिंह के अलावा जिला प्रमुख सुरेन्द्र प्रसाद बरनवाल व विरेन्द्र शुक्ल ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में संतराम सिंह, सूर्यदीप राय, जगदीश, शैलेन्द्र द्विवेदी, बी.डी. विश्वकर्मा, धुरन्धर शर्मा, जे.पी. राय, राम निवास तोमर, अजीत तिवारी एवं भीमराय समेत अन्य लोग मौजूद थे।

तुष्टीकरण की राजनीति से पनप रहा है आतंकवाद

जातिवाद के कारण हिन्दू समाज कमजोर हो गया है। हिन्दुओं की एकता के लिए जातिवाद सबसे प्रमुख बाधा है। अपने स्वार्थ एवं वोट बैंक के लिए राजनेता हिन्दू समाज को एक नहीं होने दे रहे हैं और उसका खामियाजा देश को भुगतना पड़ रहा है। उक्त विचार अनपरा परियोजना के आवासीय परिसर स्थित रामलीला मैदान में सोमवार की देर सायं आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व प्रवक्ता राममाधव जी ने व्यक्त करते हुए जातिवाद को पाप व कलंक करार दिया। उन्होंने कहा कि जनसंख्या को लेकर हिन्दू समाज खतरे में है। जब हम हर घर में एक बच्चे को शिवाजी बनायेंगे तभी हिन्दू समाज पुनः उत्कृष्टता को प्राप्त कर सकेगा। श्री माधव ने कहा कि संघ कोई राजनीतिक दल नहीं अपितु समाज निर्माण एवं राष्ट्र भक्त नागरिक तैयार करने के दृढ़ संकल्प के साथ जुटा संगठन है। उन्होंने राजनेताओं को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वर्तमान दौर में तुष्टीकरण की राजनीति पराकाष्ठता की सीमा पार कर गयी है। हमें ऐसे नेता चाहिए जो कि भारतमाता की अर्चना करे न कि उसे डायन कहने की जुर्रत करें। उन्होंने कहा कि तृष्टीकरण की राजनीति से ही आतंकवाद को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि राष्ट्रहित में हमें पुनः एकजुट होना होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री मुलायम सिंह को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि देश में आतंकवाद फैलाने वाले संगठन को क्लीन चिट प्रदान कर रहे हैं तथा बच्चों को देश भक्ति का पाठ पढ़ाने वाले शिशु मंदिरों के प्रति दुष्प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस दिन सत्ता में बैठे लोग अल्पसंख्यकवाद का रास्ता छोड़ देंगे उसी दिन देश से आतंकवाद स्वतः ही समाप्त हो जायेगा। आरम्भ में दीप प्रज्ज्वलित कर उन्होंने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

कार्यक्रम का संचालन सरस्वती विद्या मंदिर खड़िया के प्राचार्य राज बिहारी तथा अंध्यक्षता सत्यदेव महाराज ने की। आभार ज्ञापन प्राण नाथ कालरा द्वारा किया गया। श्री राममाधव के अनपरा पहुंचने पर डिबुलगंज में उनका अभूत पूर्व स्वागत किया गया। तत्पश्चात् सैकड़ों की संख्या में दोपहिया वाहनों के जुलूस के बीच उन्हें सम्मेलन स्थल ले जाया गया। भारतमाता की जय के उद्घोष से क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। सम्मेलन में भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष के.सी. जैन, मण्डल अध्यक्ष अजीत सिंह, कंग उपाध्याय, रघुनाथ सिंह, जिला संघचालक बिजेन्द्र नारायण जी, विभाग कार्यवाह दिनेश प्रताप, रुद्र देव दूबे, आर.एन. पाठक, जगदीश बैसवार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

परमात्मा की अनुभूति करना ही हिन्दू जीवन पद्धति है- डॉ. अमर सिंह

शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा में तारतम्य स्थापित कर परमात्मा की अनुभूति करना ही हिन्दू जीवन-पद्धति है तथा यही हिन्दू-धर्म की वैज्ञानिकता है। उकत विचार गुरुजी जन्म शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शक्तिनगर के विवेकानन्द वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग की संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आर.एस.एस. के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह ने व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि जीवन का ज्ञान व व्यवस्थित जीवन जीने की कला ही हिन्दू जीवन पद्धति है। उन्होंने विद्वानों व ऋषियों द्वारा स्थापित किए गए ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ व सन्यास आश्रम को हिन्दू जीवन-पद्धति की व्यवस्था एवं विशेषता बतलाया। श्री सिंह ने कहा कि धर्म पर आधारित सामाजिक नियम धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष व्यक्ति को समष्टि, सृष्टि एवं परमेष्टि की ओर ले जाते हैं, जिसे मोक्ष की प्राप्ति कहा जाता है। शांति का नोबेल पुरस्कार प्राप्त करते समय कोफी अन्नान ने इसी जीवन दर्शन की ओर इशारा करते हुए कहा था कि पूर्वी एशिया में सहिष्णु विचार धारा के लोग शांतिपूर्वक निवास करते हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी हिन्दू धर्म को भारतीय जीवन पद्धति बताते हुए स्वामी विवेकानन्द के दर्शन पर अपनी मुहर लगा दी है। इससे पूर्व एन.टी.पी.सी. शक्तिनगर परियोजना के वरिष्ठ अभियंता आलोक अस्थाना ने जनसंख्या असंतुलन पर चिन्ता जतायी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एन.सी.एल. खड़िया परियोजना के वित्त प्रबन्धक एस.पी. बरनवाल ने की। अतिथि परिचय विभाग शारीरिक प्रमुख राज बिहारी एवं धन्यवाद ज्ञापन विभाग कार्यवाह दिनेश प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन मंडल कार्यवाह अनिल चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर विभाग प्रचारक सुभाषजी, जिला प्रचारक राममनोहरजी, जिला शारीरिक प्रमुख खुशहाल सिंह एवं नगर संघ चालक रामराज सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुभारम्भ से लेकर समापन तक उपस्थित जनसमूह में भारी उत्साह था। लोग बीच-बीच में जयकारा तथा श्रीगुरुजी के 'राष्ट्राय स्वाहा इदं न मम' के ध्येय वाक्य को बोल रहे थे। अन्ततः श्री सतीश जी द्वारा कल्याण मन्त्र का वाचन कर संगोष्ठी का समापन हुआ।

श्रीगुरुजी को देशभक्ति विरासत में मिली थी -सुरेश सोनी

ककरी सोनभद्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह श्री सुरेश जी सेनी ने उपस्थित विशाल जनसमूह को सम्बोधित करते हुए श्रीगुरुजी के जीवन का अत्यन्त सारगर्भित सूक्ष्म परिचय दिया। उन्होंने कहा श्री गुरुजी बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के व अत्यंत संवेदनशील स्वभाव के थे। देश-भक्ति मानो इन्हें विरासत में ही मिली थी। उनके एक-एक कर्तृत्व में देश भक्ति की भावना झलकती थी। उनका आजन्म सन्यासी जीवन उनके विराट आध्यात्मिक भावना वाले हृदय का प्रत्यक्षीकरण है। श्री सोनी जी ने कहा कि प.पू. डॉ. हेडगेवार जी के बाद राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बनकर श्रीगुरुजी ने आजन्म समाज का प्रबोधन कर सनातन धर्म तथा राष्ट्रीयता को प्रबल जीवन्त रूप दिया।

श्री सोनी ने उपस्थित विद्यार्थियों से कहा कि कोई भी देश तभी आगे बढ़ सकता है जब देश की नई पीढ़ी में यह भावना प्रबल हो कि राष्ट्र - धर्म से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। उन्होंने श्रीगुरुजी के जन्मशताब्दी वर्ष पर प्रतिज्ञा करने का आह्वान किया कि श्रीगुरुजी के द्वारा बताए गए सभी बातों को आगामी काल खण्डों में पूर्ण करना ही उनकी जन्मशताब्दी वर्ष की सार्थकता होगी शासन पद्धति की वर्तमान व्यवस्था व अंग्रेजी शासनकाल की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा देश की शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक बात को छिपाया गया है तथा १८३५ में मैकाले की शिक्षा पद्धति को गौरवपूर्ण ढंग से प्रस्तुत कर न केवल भारतीय जनमानस को परिवर्तित करने का दुस्साहस किया गया बल्कि हमारे देश की प्राचीनतम शिक्षा पद्धति व मूल्यों का अवमूल्यन भी किया गया है।

यह भी उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में बौद्धिक वर्ग की संगणना से पता चलता है कि हमारे भारतीय ही अन्य देशों की तरक्की में भी शामिल हैं यथा कल्पना चावला, सुनीता कुमारी, डॉ. हरगोविन्द खुराना, विजय भास्कर आदि अनेक भारतीयों ने हर क्षेत्र में अपनी दक्षता साबित की है।

अमेरिका ने जिस प्रक्षेपण तकनीक को पांच बार प्रयास करके हासिल किया उसी को भारतीय वैज्ञानिकों ने मात्र दो प्रयास में हासिल कर लिया। आज की वर्तमान पीढ़ी का युवा हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। आज आवश्यकता है प्रत्येक विद्यार्थी को अपने देश के वास्तविक इतिहास जानने की के लिए प्रत्येक विषय में भारतीय इतिहास को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करना होगा।

हिन्दू धर्म की विशालता पर प्रकाश डालते हुए श्री सोनी जी ने कहा कि हिन्दू धर्म में अणु तथा परमाणु स्तर तक की चिन्ता की गई है। इस धर्म की सहिष्णुता अतुलनीय है। दुनिया के प्रत्येक कण में आत्मा का वास होता है। यह धर्म विश्वबन्धुत्व तथा वसुधैव कुटुम्बकम् का भाव रखता है। यह इतना प्राचीन है कि इसके आदि का पता लगाना संभव नहीं है। हमारा सनातन धर्म कहता है धर्म की जय हो, केवल हिन्दू धर्म का नहीं। इसी तरह अधर्म का नाश हो, किसी विशेष धर्म का नाश नहीं। इसी क्रम में केवल भारतीयों में सद्भावना नहीं बल्कि प्राणियों में सद्भावना हो और भारतीयों का ही कल्याण नहीं विश्व का कल्याण हो, धन्य है हमारा सनातन धर्म और संस्कृति जिसमें संकीर्णता का लेश मात्र भी स्थान नहीं। इस समय की राजनीति को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीति ने भारतीय समाज को जातीयता के दंश से ग्रसित कर दिया है, हमारी युवा पीढ़ी को इसका मुहतोड़ जबाव देना होगा, तभी हमारी राष्ट्रीय एकता व अखण्डता अक्षुण्ण रह सकेगी।

आज विदेशी मिशनरियाँ देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने छल भरे कार्यों से जनता को बौद्धिक स्तर पर विकृत करने में संलग्न हैं। जिसका चरम उदाहरण असम में हिन्दी भाषी का कत्ल के रूप में मौजूद है। देश की सर्वोच्च संसद पर हमला के अभियुक्त को बचाने में हमारे नेतृत्वकर्ता ही पक्षधर हो रहे हैं। संसद में शहीद के परिवार वालों का मरणोपरान्त शौर्य पुरस्कार/मेडल का वापस करना सरकार की अत्यन्त गम्भीर अमानवीय संवेदना का परिचायक है। सम्मेलन स्थल युवा विद्यार्थियों से खचाखच भरा हुआं था। लोग अत्यन्त उत्साहित थे। सम्मेलन का समापन कल्याण मंत्र से हुआ।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति

सोनभद्र जिला

अध्यक्ष- श्री शिवशंकर जी
सचिव- श्री धनन्जय जी - हिन्दू सम्मेलन
कोषाध्यक्ष- श्री हर्ष जी
सदस्यगण-
श्री अरूण जी- सामाजिक सद्भाव बैठक
श्री अवध जी - प्रमुख अधिकतम उपस्थिति
श्री जयप्रकाश जी - सह प्रमुख अधिकतम उपस्थिति
श्री नन्दलाल जी - विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख
श्री अरूण प्रताप सिंह - प्रबुद्ध गोष्ठी
श्री आलोक जी - प्रचार प्रमुख
श्री बृजेश जी - अभिलेखागार प्रमुख

रेनूकुट

संरक्षक मण्डल- श्री वीरेन्द्र नारायण जी
श्री शोभनाथ पाण्डेय
श्री बाबा सत्यदेव जी
श्री पुनीत लाल।
अध्यक्ष- श्री दिनेश प्रताप सिंह
उपाध्यक्ष- श्री भाष्कर दत्त
सचिव- श्री राजबिहारी
कोषाध्यक्ष- श्री प्रवीण चौबे
सदस्य- श्री अरुण मिश्र, श्री खुशहाल सिंह
श्री जयप्रकाश जी, श्री दयानन्द जी
श्री राजेन्द्र दूबे
श्री दीप नारायण सिंह
डॉ. लाल मोहन जी
श्री अतुल बिहारी

ओबरा

संरक्षक मण्डल- श्री सुरेन्द्र वरनवाल, डॉ. राजकिशोरी जी
श्री विजय कुमार शर्मा
अध्यक्ष- श्री राम सूर्यराव, श्री सूर्यबली सिंह
श्री धरणीधर शुक्ल
सचिव- श्री राजीव कुमार
कोषाध्यक्ष- श्री राजेन्द्र गर्ग
सदस्य- श्री वृजलाल यादव
श्री गुलाब यादव, श्री गुलाब कुशवाहा
श्री राम आसरे सोनी, श्री जगदीश जी
डॉ. सुरेश मिश्र, श्री सूर्यदीप राय



प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक
पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।



सुरेन्द्र प्रसाद बरनवाल
प्रवक्ता
ओबरा इण्टर कालेज
ओबरा, सोनभद्र
दूरभाष : 05445-267127,9839930142

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक
पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।



शिवशंकर गुप्त
जिला संघचालक सोनभद्र
न्यूमार्केट रोडवेज के निकट
सोनभद्र नगर
दूरभाष : 05444-222169, 9451618400

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक
पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

पुनीत लाल यादव
सह विभाग कार्यवाह
जे. आर. २१ रेणूसागर, सोनभद्र
मो. 9451616890

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक
पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

भाष्कर दत्त त्रिपाठी
जिला कार्यवाह, रेनूकुट
मो. 9415342270

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक
पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

डॉ. सुरेश प्रसाद यादव



प्रधानाचार्य
आदर्श इण्टरमीडिएट कालेज, सोनभद्र
मो. 9415991228

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक
पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

राजेन्द्र नारायण दूबे
प्रधानाचार्य
प्राथमिक विद्यालय शक्ति नगर,
सोनभद्र

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक पर
हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

रामराज सिंह
नगर संघचालक एवं व्यवस्थापक
विवेकानन्द प्राथमिक विद्यालय
शक्ति नगर, सोनभद्र

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक
पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

नरेन्द्र बहादुर सिंह
विभाग संघ चालक, सोनभद्र
दूरभाषा. 05444- 222538

श्रीगुरुजी इस राष्ट्र को मानते थे हिन्दू राष्ट्र -रामाशीष

श्रीगुरुजी के व्यक्तित्व की व्याख्या नहीं हो सकती है, उसके आयाम बहुत ही विस्तृत हैं। देश की कोई भी ऐसी समस्या नहीं है, जिस पर उन्होंने अपना विचार और व्यवहार प्रस्तुत न किया हो। यह बातें प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्र संगठन मंत्री रामाशीष जी ने गंगापुर में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित 'श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह' के उद्घाटन के अवसर पर कहीं।

उन्होंने कहा कि श्रीगुरुजी इस राष्ट्र को हिन्दू राष्ट्र मानते थे। वे हिन्दू समाज को शक्तिशाली बनाना चाहते थे। शक्तिशाली इस अर्थ में कि समाज की विकृतियाँ, अश्पृश्यता, जात-पांत, भेदभाव, भाषा प्रान्त के आधार पर विभाजित समाज राष्ट्र निर्माण में सक्षम नहीं है। समाज से यह कलंक मिटना ही चाहिए। रामाशीष जी ने कहा कि संघ मुस्लिम विरोधी नहीं है किसी भी समाज के दबे, कुचले, भोले, नीरीह लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर उनका धर्मान्तरण करना बहुत ही खतरनाक है। आज देश के अन्दर धर्मान्तरण के माध्यम से जनसंख्या में असंतुलन पैदा किया जा रहा है।

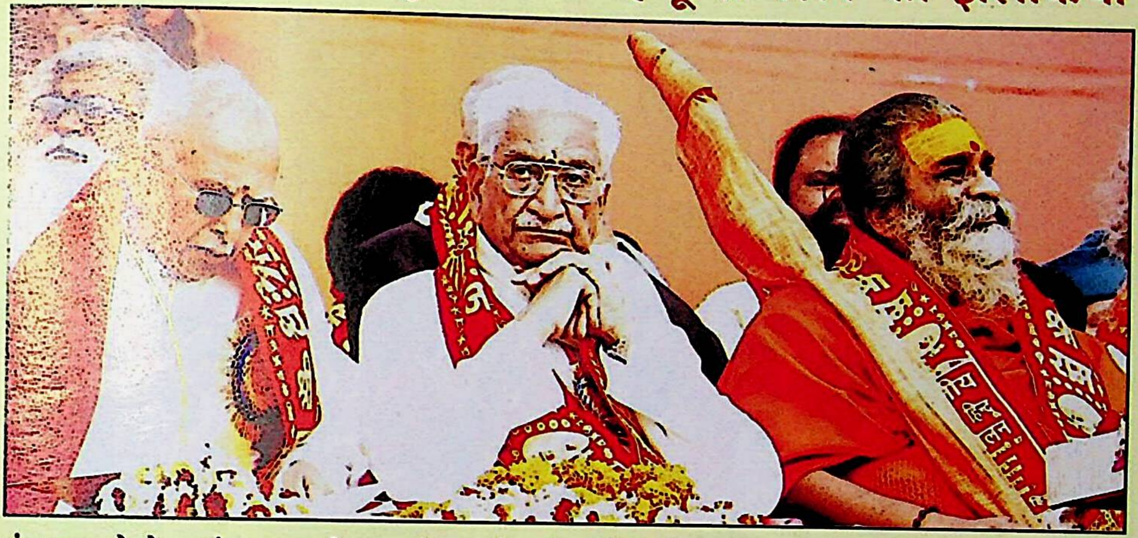
गणवेश में निकले स्वयंसेवक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर के जन्मशताब्दी समारोह के अन्तर्गत राष्ट्रीय चेतना के नायक श्रीगुरुजी को याद किया गया। रविवार को बैण्ड बाजों के साथ राष्ट्रीय चेतना का संकल्प लेते हुए संघ के सदस्यों ने प्रयाग महानगर दक्षिण पजावा रामलीला मैदान मुट्ठीगंज से पद संचलन किया। पूरे यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं के बीच काफी उत्साह दिखायी पड़ा। इसमें सात वर्ष से लेकर पचासी वर्ष की उम्र के लोगों ने हाथ में दण्ड लेकर करीब ६ किमी का पद संचलन किया।

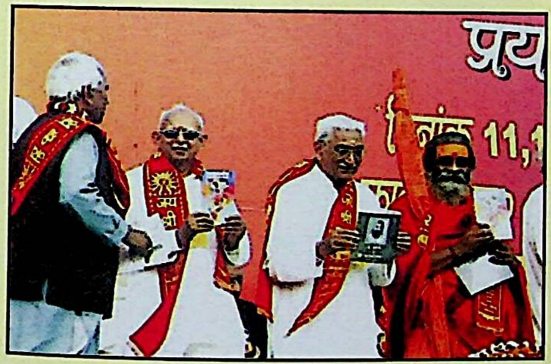
राष्ट्र प्रेम का सन्देश देते हुए पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों का समूह बलुआघाट, मुट्ठीगंज, सुलाकी चौराहा कोतवाली होते हुए पुनः रामलीला मैदान पहुंचा वहां बौद्धिक परिचर्चा हुई। समारोह के मुख्य वक्ता राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि गुरुजी हमेशा राष्ट्रीय चेतना के महानायक के रूप में याद किये जाते रहेंगे, जिन्होंने सदियों से सुप्त भारतीय चेतना को जाग्रत किया। गोलवलकर व डॉ. हेडगेवार के मंत्र को क्रियारूप में परिणत करने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सच्चा बाबा आश्रम के संत गोपाल महाराज ने अपने आशीर्वचन में लोगों को राष्ट्रभावना से ओतप्रोत होने की बात कही।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम के संयोजन में जिला संघचालक (प्रयाग दक्षिण) डॉ. शालिग्राम, डॉ. यज्ञदत्त शर्मा, गिरिजा शंकर त्रिपाठी, शिवकुमार, वागीश मित्रा, विद्याधर द्विवेदी, डॉ. कृष्णबिहारी पाण्डेय, विभाग प्रचारक अमर सिंह, जिला प्रचारक सुभाष, श्याम जी, पद्मानन्द मिश्रा, प्रेमकुमार शर्मा, उमाशंकर सिंह, जगदीश बख्शी, कमलाकर आदि शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आनन्द श्रीवास्तव ने किया।

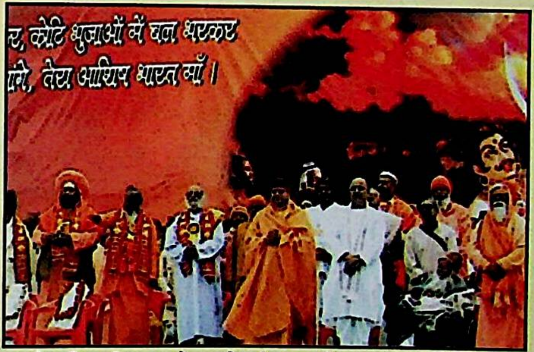
प्रयाग में आयोजित तृतीय विश्व हिन्दू सम्मेलन की झलकियाँ



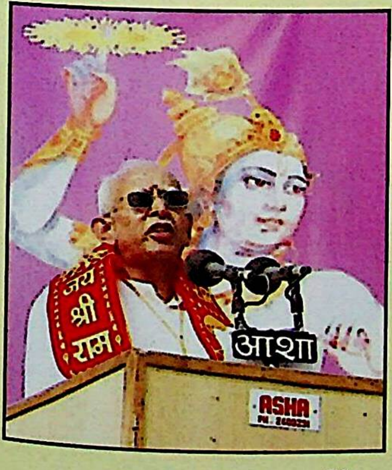
मंच पर बाये से सरसंघचालक श्री कुप्प्.सी. सुदर्शन, श्री अशोक सिंहल, शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती



प्रयाग में विश्व हिन्दू परिषद के पुस्तक का विमोचन करते संघ के सरसंघचालक श्री कुप्प्.सी. सुदर्शन, श्री अशोक सिंहल, शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द जी

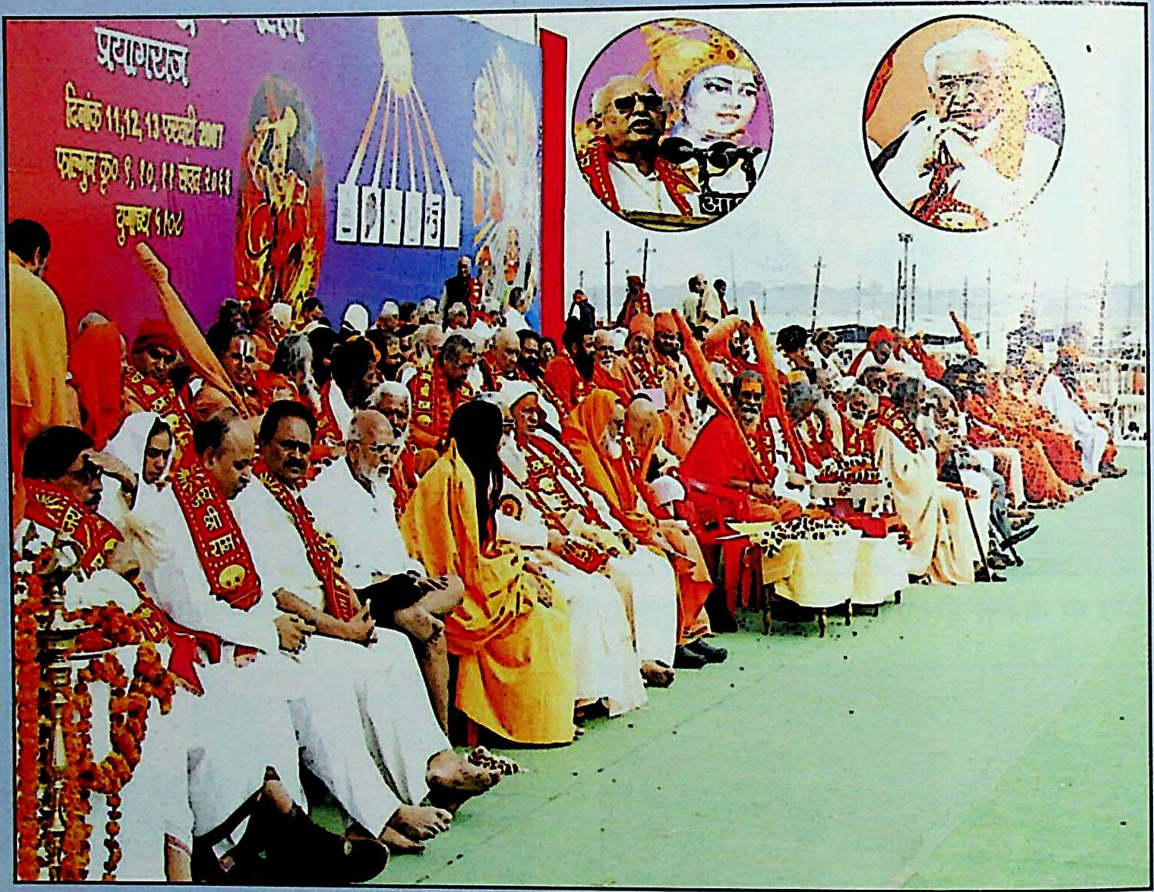


तृतीय विश्व हिन्दू सम्मेलन के मंच पर हिन्दू समाज को संगठित करने का संकल्प लेते डॉ. प्रवीन भाई तोगड़िया एवं संतगण





प्रयाग (उ०प्र०) में आयोजित तृतीय विश्व हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री कुप्प्.सी. सुदर्शन एवं उपस्थित विराट् जनसमूह



प्रयाग में आयोजित तृतीय विश्व हिन्दू सम्मेलन के मंच पर विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष श्री अशोक सिंहल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री कुप्प्.सी. सुदर्शन एवं सन्त महानुभाव



तृतीय विश्व हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते के डॉ. प्रवीणभाई तोगड़िया

प्रयाग विभाग में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की झलकियाँ












राष्ट्राय स्वाहा इदं न मम्

भारतीय संस्कृतिक के पोषक थे श्रीगुरुजी-स्वामी वासुदेवानन्द

श्रीगुरुजी सच्चें अर्थों में भारतीय संस्कृति के पोषक थे। उन्होंने हिन्दू समाज में फैले जाति पंथ, मत, प्रान्त, छुआछूत एवं अन्य भेदों से ऊपर उठकर 'हिन्दवः सोदराः सर्वे, न हिन्दू पतितो भवेत्' का उद्घोष करके सामाजिक समरसता के वातावरण का निर्माण किया।

यह बातें जगत्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह की कड़ी में प्रयाग स्थित ज्वाला देवी सरस्वती इण्टर कालेज में आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि हिन्दू विचारधारा एवं हिन्दू मान्यताओं एवं सनातन हिन्दू धर्म पर हो रहे हमलों के खिलाफ श्रीगुरुजी जी ने हिन्दू समाज को जागृत करके धर्म एवं संस्कृति की रक्षा करने के लिए हिन्दू समाज को एक नई दिशा दिया। डॉ. हेडगेवार ने संघ की स्थापना करने के पहले यह सोच लिया था कि जब तक हिन्दू नहीं जागेगा तब तक समाज का कल्याण नहीं होगा। श्रीगुरुजी ने डॉ. हेडगेवार के साथ मिलकर हिन्दू समाज को जो विभिन्न मत-मतान्तरों एवं विभेदों में विभक्त था उसे एकता के सूत्र में जोड़कर धर्म तथा संस्कृति की रक्षा करने के लिए एक दिशा दी। श्रीगुरुजी की अमूल्य धरोहर तप, त्याग, निष्ठा, संस्कृति एवं मातृभूमि के प्रति प्रेम ने हिन्दू समाज को जागृत किया। जीवन भर भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए श्रीगुरुजी जुटे रहे। आज समाज पर चतुर्दिक हमले हो रहे हैं धर्म एवं संस्कृति तथा हिन्दू समाज पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे में श्रीगुरुजी के आदर्शों को आत्मसात करके चलने की आवश्यकता है। श्रीगुरुजी ने अपने प्रयासों के बल पर संघ को एक बड़े वट वृक्ष के रूप में स्थापित करके समानता के सूत्र का सूत्रपात किया और सभी सम्प्रदायों धर्मों एवं मान्यताओं को आत्मसात करते हुए एकता की कड़ी में पिरोने का कार्य किया। सच्चा बाबा आश्रम के महन्त श्री गोपाल दास महाराज ने कहा कि श्रीगुरुजी एक ऐसे युग पुरुष थे जिन्होंने अपने मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा की चिन्ता किये बगैर हिन्दू समाज को जागृत करने तथा धर्म एवं संस्कृत की रक्षा में जीवन का उत्सर्ग कर दिया। आज हिन्दू धर्म एवं समाज पर चतुर्दिक हमले हो रहे हैं। ऐसे में श्रीगुरुजी के कार्यों की प्रेरणा लेकर संघर्ष करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रान्त प्रचारक शिवनारायण, स्वामी पीताम्बर महराज, स्वामी श्रीधराचार्य, स्वामी सुरपति दास, सरदार इन्दर सिंह, स्वामी रामरतन दास, स्वामी कौशलेन्द्र स्वामी, नित्यानन्दन सरदार, इन्द्र सिंह, स्वामी सुदर्शनाचार्य, स्वामी राजेश्वरानन्द, स्वामी रेवती रमणाचार्य, अशोक बेरी, अमर सिंह, परमेश्वर, डॉ. राजेन्द्र अग्रवाल, उमेश द्विवेदी, संजीव कुमार आदि ने अपने- अपने विचार रखे।

हिन्दू समाज को संगठित होने की जरूरत -डॉ. कामेश्वर

अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. कामेश्वर उपाध्याय ने कहा कि हम विभिन्न जातियों में विभाजित हो गये हैं, हमें संगठित होने की आवश्यकता है। जब तक हिन्दू समाज संगठित नहीं होगा, राष्ट्र का कल्याण नहीं होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूरे देश में हिन्दू समाज को संगठित करने का काम किया है। उक्त बातें नैनी स्थित मुक्ता बिहार पार्क में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित संगोष्ठी के अवसर पर श्री उपाध्याय बतौर मुख्य वक्ता लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। अध्यक्षीय भाषण में फलाहारी आश्रम के पूज्य संत रामरतन दास महाराज ने कहा कि आज हमें अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने और धर्म के प्रति आस्था रखने का पाठ पढ़ाना होगा। बच्चे अपनी सांस्कृतिक सभ्यता को भूलते जा रहे हैं। सम्मेलन में मीडिया प्रभारी

नरसिंह ने भी हिन्दू समाज को संगठित होने की आवश्यकता बतायी। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत भारतमाता और श्रीगुरुजी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन से हुई। गायक कलाकार शिवराम अकेला एवं साथियों ने भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अनिल पाण्डेय ने किया।

जातियों में बंटकर कमजोर पड़ गया हिन्दू समाज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव राव गोलवलकर का जन्मशताब्दी समारोह झूंसी स्थिति गोधाम में मनाया गया। इस अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए वंशबहादुर सिंह ने कहा कि आज राजनीतिक पार्टियों ने वोट के लिए हिन्दू समाज को विभिन्न जातियों में बांट दिया है। इससे हिन्दुओं की शक्ति कमजोर पड़ती जा रही है। यही कारण है कि आतंकवादी शक्तियां देश को कमजोर करने में लगी हैं। विभाग प्रचारक अमर सिंह ने कहा कि लोक समाज को संगठित करने की सिर्फ चर्चा करते हैं लेकिन संघ ने प्रयोगात्मक रूप में कर दिखाया है। आज हिन्दू समाज विभिन्न जाति व बिरादरी में बंटने के कारण कमजोर पड़ गया है। हिन्दू समाज को कैसे तोड़ा जाय इसके लिए हर तरफ प्रयास चल रहा है। मुस्लिम तुष्टीकरण के नाम पर आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसे समाप्त करने के लिए लोगों में सामाजिक सद्भावना पैदा कर उन्हें एक मंच पर लाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वामी रामरत दास ने कहा कि शरीर में यदि कोई इन्द्रिय न हो तो काम चल सकता है परन्तु बिना प्राण के शरीर निर्जीव हो जाता है। उसी तरह प्राण स्वरूप हिन्दू संस्कृति या धर्म को नगण्य करके जाति या बिरादरी अस्तित्व में नहीं रह सकती। इस मौके पर लालजी मालवीय, सुरेशचन्द्र, पन्ना लाल, रवि अग्रवाल, मनोज, गंगा प्रसाद व परमेश्वर आदि लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्र सेवा से ही होगा देश का उत्थान -प्रो. के. बी. पाण्डेय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में स्वयंसेवकों ने नैनी में पूर्ण गणवेश में पथ संचलन कर शोभा यात्रा निकाली। इससे पूर्व आयोजित गोष्ठी में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा कर वर्ष भर होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि आनंद शंकर व विशिष्ट अतिथि प्रान्त के सह संचालक प्रो. कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने संयुक्त रूप से लोगों से गोलवलकर के पद चिन्हों पर चलकर राष्ट्र व समाज की सेवा करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेवा ही देश का उत्थान होगा। इसके बाद गोष्ठी स्थल सरस्वती बाल मंदिर इण्टर कॉलेज से नैनी के विभाग संचालक विश्वनाथ सरन के नेतृत्व में स्वयंसेवकों का पथ संचलन शुरू हुआ। श्रीगुरुजी के चित्र के साथ ही क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों में सवयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश के साथ पथ संचलन किया। स्वयंसेवक अनुशासन के साथ पी.एस.सी. कॉलोनी, भटाही, कॉटन मिल, शंकरढाल, नैनी बाजार, हनुमान नगर, मेवालाल बगिया, सब्जीमंडी, अशोक टाकीज, चकदाउद नगर और जीतलाल चौराहा होते हुए सरस्वती बाल मंदिर इण्टर कॉलेज लौटे। इस दौरान पूर्व उपमहापौर मुरारीलाल अग्रवाल, भाजपा के पूर्व मण्डल अध्यक्ष ज्ञानेश्वर शुक्ल, नरेश तिवारी, शरद द्विवेदी, गिरधारी लाल, राम नारायण मिश्र, नरसिंह, लक्ष्मीकांत तिवारी, ओमप्रकाश शुक्ला, विभाग प्रचारक अमर सिंह, राजन शुक्ला, धर्मजागरण विभाग के संजीव, जिला प्रचारक सुभाष समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गोलवलकर का था आकर्षक व्यक्तित्व

श्रीगुरुजी के व्यक्तित्व की व्याख्या नहीं हो सकती है। उसके आयाम बहुत ही विस्तृत हैं। देश की कोई भी ऐसी समस्या नहीं, जिस पर उन्होंने अपना विचार और व्यवहार प्रस्तुत नहीं किया हो। यह बातें क्षेत्र संगठन मंत्री प्रज्ञा प्रवाह रामशीष जी ने कहीं। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर उपाख्य गुरुजी की जन्मशताब्दी समारोह पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वे इस राष्ट्र को हिन्दू राष्ट्र मानते थे। राष्ट्र का उत्थान एवं पतन हिन्दू राष्ट्र के उत्थान एवं पतन पर निर्भर है। गुरुजी ऐसा मानते थे कि इस देश में हिन्दू समाज का शक्तिशाली होना आवश्यक है। सामाजिक विकृतियों जैसे अश्पृश्यता, भेदभाव, भाषा प्रान्त के आधार पर विभाजित समाज राष्ट्र निर्माण में समक्ष नहीं। समाज से यह कलंक मिटना ही चाहिए। रामाशीष जी ने कहा कि श्रीगुरुजी मुस्लिम विरोधी नहीं थे। उनका मानना था कि व्यक्ति की पूजा पद्धति तो भिन्न हो सकती है किन्तु उनके पूर्वज एक ही रहते हैं। वे पंथ के विरोधी तो नहीं थे लेकिन धर्मांतरण का विरोध करते थे। किसी भी समाज के दबे, कुचले, भोले, नीरींह लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर उनका धर्मांतरण करना बहुत ही खतरनाक है। आज देश के अन्दर धर्मान्तरण के माध्यम से जनसंख्या में असंतुलन पैदा किया जा रहा है।

हिन्दू सम्मेलन में गूंजी राष्ट्रप्रेम की आवाज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर जन्मशताब्दी समारोह के अन्तर्गत इलाहाबाद में आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में हिन्दुत्व व राष्ट्रप्रेम की आवाज गूंजी। 'हिन्दुत्व भारत का राष्ट्रधर्म बने' 'सनातन भारतीय संस्कृति का परचम चहुंओर लहराये' के नारे दिए गए। कल्याणी देवी पार्क में आयोजित हुए सभा में विश्व हिन्दू परिषद काशी के प्रान्तीय संगठन मंत्री मनोज जी ने कहा कि श्रीगुरुजी का जीवन संगठन को समर्पित रहा। वे युगपुरुष थे। भविष्य का अहसास उन्हें था, इसी के चलते उन्होंने हिन्दुओं को संगठित होने का आह्वान किया था। आज जरूरत है कि हम सभी हिन्दू संगठित हों। मुख्य वक्ता श्री मनोज ने राजनेताओं की मुस्लिम तुष्टीकरण नीति की जमकर खिंचाई की। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर ईसाइयों द्वारा किये जा रहे हिन्दुओं के धर्मान्तरण का पुरजोर विरोध किया। इसके पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रयाग के बौद्धिक प्रमुख लालजी द्विवेदी ने कहा कि गुरुजी के राष्ट्रप्रेम की भावना को लोगों के बीच जगाना होगा। तभी देश विश्व में सामर्थ्यवान बन सकेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व महाधिवक्ता अशोक मेहता, डॉ. आंनन्द आदि ने भी अपने विचार रखे। अध्यक्षता विष्णु ब्रह्मचारी सच्चा बाबा आश्रम (अरैल) ने की। प्रारम्भ में मीडिया प्रभारी मोहन जी टण्डन ने अतिथियों का स्वागत किया है। इस मौके पर केवल कृष्ण खुराना, बृजेन्द्र अग्रवाल, वाचा गुरु, राजेन्द्र जी, डॉ. शालिग्राम गुप्त, सुभाष जी, सत्यदेव, दयाराम, राजीव कुमार कुशवाहा, जगदीश बख्शी, कमलाकर, अमित



सारस्वत आदि उपस्थित रहे। दूसरी ओर भारद्वाजनगर रामलीला पार्क में विराट हिन्दू सम्मेलन हुआ जिसमें बतौर मुख्य वक्ता डॉ. गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि हिन्दू धर्म आदर्श है। सहिष्णुता व मानवता की सेवा इस धर्म का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि श्रीगुरुजी ने राष्ट्र धर्म जागरण व प्रचार का जो सूत्र दिया, उसको ग्रहण करना चाहिए। सम्मेलन में डॉ० शारदा पाण्डेय, श्री धाराराम यादव, डॉ. अनूप दत्त शर्मा, डॉ. जनार्दन चतुर्वेदी, शिवनन्द गुप्ता आदि ने अपने विचार रखे। संचालन सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव ने किया।

संगठित हिन्दुओं से ही मिटेगा आतंकवाद

आतंकवाद से निपटने के लिए एकजुटता नितांत आवश्यक है। साहस व हिम्मत के बिना इससे युद्ध नहीं किया जा सकता। यह बातें सरस्वती शिशु मन्दिर हंडिया में आयोजित श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह द्वारा आयोजित विद्यार्थी सम्मेलन में अखिल भारतीय कार्यकारिणी मंडल के सदस्य श्री बजरंग लाल जी ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा मुस्तैदी के साथ की जानी चाहिए तथा जिन रास्तों से घुसपैठ हो रही है उनपर पाबंदी लगाई जानी चाहिए। अमरनाथ यात्रा, अक्षरधाम, रामलला मंदिर जैसे आस्था के केन्द्रों पर हमले से पूरा देश एकजुट होकर विरोध कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर हमले किये जाने का उद्देश्य इस संगठन को समाप्त करना है। कार्यक्रम के अध्यक्ष एस.पी. सिंह ने कहा कि देश विकास के पथ पर अग्रसर हो इसके लिए आवश्यक है कि लोगों को शिक्षित किया जाय। इस कार्य में सभी को सहयोग देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन रणबहादुर सिंह ने किया।

संत मार्गदर्शन करें हिन्दू समाज का -मोहन भागवत

प्रयाग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी की जन्मशताब्दी पर चार दिवसीय कार्यक्रम संतों के सम्मेलन के बाद समाप्त हुआ। काशी प्रान्त के कार्यकर्ताओं के साथ चार दिन बिताने के बाद संघ के सरकार्यवाह मोहन भागवत जी रात्रि में जबलपुर रवाना हो गये। उसके पूर्व शाम को वे श्रृंगेरी आश्रम में संतों की सभा में भी शामिल हुए। यहां श्री भागवत ने संतों से आग्रह किया कि वे हिन्दू समाज का मार्गदर्शन करें।

उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में जहां भी हिन्दू रहता है वह भारत की ओर ही देख रहा है। अमेरिका में पले-बढ़े हिन्दू अंग्रेजी में गीता एवं रामायण का पाठ करते हैं। दशहरे में उसका अंग्रेजी में मंचन हो रहा है। यहां के निवासी अपनी संस्कृति का पालन करने में चूक नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे जब अमेरिका गये तो वहां के हिन्दू यह जानना चाहते हैं कि हिन्दू संस्कृति कैसी है। वे चाहते हैं कि हिन्दू समाज एकजुट हो। उन्होंने संतों से कहा कि वे बताये कि हमें क्या करना हैं। संघ एक सामाजिक संगठन है। संत उसे जैसा रास्ता दिखायेंगे वह वैसा ही करेगा।

सभा की अध्यक्षता करते हुए शंकराचार्य वासुदेवानन्द जी महाराज ने कहा कि हिन्दुओं को अपने स्वार्थों से ऊपर उठकर अपने समाज के बारे में विचार करना चाहिए। संघ के सर कार्यवाह मोहन भागवत ने सुबह सेवा समिति विद्या मन्दिर इण्टर कालेज में स्वयंसेवकों के साथ पूर्ण गणवेश में बैठक की। उन्होंने कहा कि शाखाओं में एक दिन अधिकतम उपस्थिति दर्ज करायी जाय। प्रत्येक सप्ताह एक दिन अधिकतम उपस्थित के लिए नियत किया जाय। उल्लेखनीय है कि संघ के चार दिवसीय कार्यक्रम में मोहन भागवत ने अधिवक्ताओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के सम्मेलनों में भाग लिया और उन्हें सम्बोधित किया।

अखंड भारत के लिए राष्ट्रवादियों को आगे आना होगा –मोहन भागवत

प्रयाग। श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति की ओर से प्रयाग के विज्ञान परिषद में आयोजित अधिवक्ता गोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह मोहन राव भागवत ने कहा कि शक्ति सम्पन्न एवं समरस समाज ही सब समस्याओं के निदान की कुंजी है।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद, असुरक्षा आदि खतरों से शक्तिशाली होकर ही निपटा जा सकता है। शक्तिशाली की तरफ कोई आंख नहीं दिखाता। क्योंकि ऐसे में उन्हें खुद के नाश होने का खतरा भी होता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बिना बुद्धि के शक्ति खतरनाक होती है। इसलिए शक्ति के इस्तेमाल का ज्ञान भी होना चाहिए। स्वावलंबन एवं अहिंसा का मूल है शक्ति। इसे जानना होगा। उन्होंने कहा कि विषमता भावनाबोध है। इसलिए इसे व्यवस्था से नहीं भाव में परिवर्तन से दूर किया जा सकता है। हमें स्वीकार करना होगा कि हम जिसे मानते है उसके अलावा भी धर्म सम्प्रदाय और भाषा है। तभी समरसता आएगी। विभिन्नता को स्वीकार करके एकता ढूंढना ही समरसता है। यही हिन्दुत्व के मूल में है। श्री भागवत ने कहा कि समाज एवं राष्ट्र को बचाने के लिए हिन्दू को एक होना होगा। सरकार किसी की नहीं होती। सरकार ठीक से चले इसके लिए जनता का दबाव जरूरी है लेकिन इससे पहले जनता का ठीक होना भी आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति हृदयनाथ सेठ ने कहा कि राष्ट्र को अखंड रखने के लिए राष्ट्रवादी ताकतों को आगे आना होगा और इन्हें मजबूत करने के लिए राष्ट्रभक्तों को सहयोग करना होगा। श्री सेठ ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सरकार्यवाह को धन्यवाद भी दिया। कार्यक्रम के आरम्भ में श्री भागवत एवं श्री सेठ ने भारतमाता एवं गुरुजी के चित्र पर माल्यार्पण किया। गोष्ठी में बी.एन. सिंह, बी.के.एस. चौधरी, अशोक मेहता, शिवकुमार पाल, सौरभ श्रीवास्तव, विभाग प्रचारक परमेश्वर एवं प्रान्त प्रचारक शिवनारायण मौजूद थे।



महाविद्यालयीय विद्यार्थी कार्यक्रम सम्पन्न

प्रयाग महानगर का महाविद्यालयीय विद्यार्थी कार्यक्रम ३ दिसम्बर २००६ को मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम की योजना २ मास पूर्व बनी। महानगर के २५ तरुण विद्यार्थियों की टोली इस कार्यक्रम को सम्पन्न कराने के लिए नाई गयी महानगर के १८ नगरों में एक-एक विद्यार्थी प्रमुख तय किये गये। इन सभी की साप्ताहिक समीक्षा बैठकें होती रहीं। १६ छात्रावास के भी एक-एक प्रमुख तथा प्रत्येक में ११ की टोली, तय किये गये। २८३ लाजों में सम्पर्क की व्यवस्था बनी। मेडिकल कालेज तथा इन्जीनियरिंग कालेज मे अलग से टोली बनी । कुल २०५ विद्यार्थी इस कार्यक्रम हेतु प्रयत्नशील रहे जिनमें से १३ विद्यार्थी १० दिन के लिए पूर्णकालिक के रूप में लगे।

महानगर में कार्यक्रम से १ मास पूर्व नगरों में महाविद्यालयीय विद्यार्थियों के एकत्रीकरण २ से ४ घण्टे के लिए किये गये, जिनमें उपस्थिति ८८ से १६८ तक रही। छात्रावासों में विश्वविद्यालय के ५ अध्यापकों ने भी सम्पर्क तथा बैठकें की। नगरों के एकत्रीकरण में ही विद्यार्थियों को प्रवेशिका दी गयी तथा १० रूपया शुल्क कार्यक्रम के लिए लिया गया। सभी विद्यार्थिया का पता, दूरभाष संख्या लीखा गया जिससे अनुवर्ती प्रयत्न में सुविधा रहे। कार्यक्रम में प्रवेशिका अनिवार्य की गयी थी। ३ दिसम्बर को अपराह्न २ बजे एकत्रीकरण प्रारम्भ हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्र संगठन मंत्री श्री रामाशीष जी ने कार्यक्रम की भूमिका रखी। एक घण्टे का शारीरिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। बाद में सामूहिक सम्पत के साथ ध्वज लगा एवं मा. सरकार्यवाह जी के साथ प्रश्नोत्तर कार्यक्रम हुआ। एकलगीत के पश्चात् मा. सरकार्यवाह जी का उद्बोधन हुआ। कार्यक्रम की कुल उपस्थिति १०३२ रही जिसमें ८०० विद्यार्थी नेकर में थे। १०८ विद्यार्थी कक्षा ११, १२ के थे।

कार्यक्रम में सभी १६ छात्रावासों एवं २८३ में से २७३ लाजों से विद्यार्थी आये थे। सभी नगरों से भी विद्यार्थी उपस्थित थे। अनुवर्ती प्रयत्न के रूप में सभी छात्रावासों में मासिक बैठक का क्रम प्रारम्भ हुआ है। ५-५ निकटवर्ती लाजों का वर्ग बनाकर उनकी भी मासिक बैठक की योजना बनी है।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति

प्रयाग उत्तर

अध्यक्ष- श्री व्यंकेटेश्वर

सचिव- श्री शिवनन्दन गुप्ता

कोषाध्यक्ष- श्री सुरेश

सदस्य एवं आयाम प्रमुख-

श्री रामकृष्ण पाण्डेय -हिन्दू सम्मेलन प्रमुख
श्री गंगादत्त जोशी - विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख
श्री कमलाकांत जी- प्रबुद्ध गोष्ठी प्रमुख
श्री रामकृष्ण मिश्र - सन्त सम्मेलन प्रमुख
श्री संजीव-अभिलेखागार प्रमुख
श्री प्रभुनाथ जायसवाल,
श्री गंगाराम गुप्ता
श्री माधवाचार्य जी
श्रीमती सरोज शाक्या
डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह गौड
श्री धाराराम यादव
श्री नागेन्द्र जायसवाल

प्रयाग महानगर दक्षिण

संरक्षक - श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह चौधरी
श्री जे.एन. चतुर्वेदी

अध्यक्ष - श्री भूपेन्द्र नाथ सिंह

उपाध्यक्ष - श्री गोवर्धन दास

सचिव - श्री विद्याधर

सह सचिव - श्री अशोक मेहता

कोषाध्यक्ष - श्री विष्णुलाल

सह कोषाध्यक्ष - श्री शरद

सदस्य एवं आयाम प्रमुख-

डॉ. आनन्द श्रीवास्तव-विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुंख
श्री त्रिवेणी- सन्त सम्मेलन प्रमुख
डॉ. आनन्द शंकर सिंह-प्रबुद्ध गोष्ठी प्रमुख
श्री रमेश- विशाल हिन्दू सम्मेलन प्रमुख
श्री कमलाकांत जी- अधिकतम उपस्थिति प्रमुख
श्री वीरेन्द्र चौरसिया, श्री विजय तिवारी
श्री चन्द्रमोहन भार्गव, डॉ. रमेश चन्द्रा

गंगापार

अध्यक्ष- श्री वंशबहादुर सिंह

सचिव- श्री ओमप्रकाश सिंह

कोषाध्यक्ष- श्री रवि अग्रवाल

सदस्य एवं आयाम प्रमुख-

श्री गंगा प्रसाद तिवारी-विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख
श्री मनिकचन्द्र गुप्ता-प्रबुद्ध गोष्ठी प्रमुख
श्री देवेन्द्र सिंह-सामाजिक सद्भाव प्रमुख
श्री अभिलेखागार प्रमुख-श्री प्रमोद पाण्डेय
श्री गंगा प्रसाद तिवारी-हिन्दू सम्मेलन प्रमुख

यमुनापार

यमुनापार में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष के विभिन्न कार्यक्रम

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष के आयोजन में विद्यार्थी सम्मेलन, हिन्दू सम्मेलन, सामाजिक सद्भाव बैठक तथा शाखाओं की अधिकतम उपस्थिति दिवस आयोजित किये गए। विद्यार्थी सम्मेलन में कुल १०० प्रतिभागी उपस्थित हुए। हिन्दू सम्मेलन के आयोजन हेतु ६५५ गांवों में सम्पर्क किया गया, इन गांवों से लगभग ८००० पुरुषों एवं महिलाओं ने हिन्दू सम्मेलन में भाग लिया। सामाजिक सद्भाव की दो बैठकें आयोजित हुई। इन बैठकों में विभिन्न जातियों के प्रमुख उपस्थित हुए जिनकी संख्या १६६ थी। शाखाओं के अधिकतम उपस्थिति दिवस के आयोजन में ७३ स्थानों पर कुल १२६० उपस्थिति अंकित हुई।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति

अध्यक्ष- श्री शिवानन्द शुक्ल   सचिव- श्री ओमप्रकाश   कोषाध्यक्ष - श्री वीरेन्द्र जायसवाल

सदस्य- श्री लल्लन राम, श्री रामसजीवन शुक्ल, श्री अशोक सिंह

कौशाम्बी

कौशाम्बी में आयोजित श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष के विभिन्न कार्यक्रम

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष में सामाजिक सद्भाव बैठक, प्रबुद्ध गोष्ठी, विद्यार्थी सम्मेलन एवं हिन्दू सम्मेलन के कार्यक्रम आयोजित हुए। सामाजिक सद्भाव के एक कार्यक्रम में विभिन्न जातियों के ६५ प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। एक प्रबुद्ध गोष्ठी आयोजित हुई जिसमें १२५ लोगों की सहभागिता हुई और विद्यार्थी सम्मेलन में ६८ विद्यार्थियों ने भाग लिया। २३० गांवों के लोगों को हिन्दू सम्मेलन के आयोजन में आमंत्रित किया गया। जहां से६३०० लोग सम्मलित हुए जिसमें क्रमशः ५४०० पुरुष एवं ६०० महिलाएं थीं।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति

अध्यक्ष- श्री केदारनाथ मौर्य,   सचिव- श्री शारदा, कोषाध्यक्ष-   श्री कृष्ण पाण्डेय

सदस्य- श्री कष्णं पाण्डेय, श्री गुणाकर, श्री विजय पाल, श्री सीताराम, श्री रामनारायण, श्री वृजेश, डॉ. प्रेम प्रकाश, श्री भक्ति नारायण

सुलतानपुर

इस्लामिक आतंकवाद से हिन्दू समाज को खतरा -राममाधव

इस्लामिक आतंकवाद सम्पूर्ण हिन्दू समाज के लिए खतरा है। उपरोक्त विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रवक्ता एवं अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल के सदस्य राममाधव ने सुलतानपुर के पं. रामनरेश त्रिपाठी सभागार में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित प्रबुद्ध नागरिक संगोष्ठी में व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि भरी भीड़ में भी किसी को चाकू मारने वाला इस देश में आतंकवादी नहीं है। वह इससे आतंक जरूर फैलाता है, पर वह आतंकवादी नहीं कहलाता। दुनिया के अन्य देशों में इसे प्रश्रय नहीं मिल रहा है। जबकि भारत में इसे पूरा संरक्षण मिल रहा है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री अपने कार्यकाल का वर्ष पूरा होने पर वहां की जनता से यह नहीं कहते हैं कि मैं प्रदेश से आतंकवाद खत्म कर उन्हें शान्ति व अमनचैन दूंगा बल्कि वह आतंकवादी संगठनों से कहते हैं कि वह अपने कार्यकाल में उनकी हमेशा चिन्ता करते रहे हैं और आगे भी उनकी समस्याओं के प्रति चिन्ता करते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि केरल सरकार ६३ लोगों के हत्यारे मदनी को छुड़ाने का प्रस्ताव पारित करती है। जम्मू के मन्दिर में हमला होता है और उसके आतंकवादी पकड़े जाते हैं। सुनवाई के पश्चात् न्यायाधीश उन्हें रिहा कर देते है और कहते हैं कि आतंकवाद का षड्यंत्र रचने पर कश्मीर के कानून में इस पर सजा का कोई प्रावधान नहीं है। श्री माधव ने कहा कि हिन्दू समाज के लिए अल्पसंख्यकवाद एक दूसरा बड़ा संकट है। इसके लिए संघ जैसे संगठन की आवश्यकता है।

अयोध्या में राममन्दिर ही बनेगा -वेदान्ती

श्रीराम जन्मभूमि न्यास के कार्यकारी मण्डल सदस्य व पूर्व सासंद डॉ. राम विलास वेदान्ती ने हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए जोर देकर कहा कि अयोध्या की धरती पर केवल श्रीरामचन्द्र जी का भव्य मंदिर ही बनेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा अयोध्या में राष्ट्रीय स्मारक बनवाएँ जाने की योजना को संत और हिन्दू समाज पूरा नहीं होने देंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सर संघचालक श्रीगुरुजी के जन्मशताब्दी वर्ष को सामाजिक समरसता वर्ष के रूप में मनाने के क्रम में दूबेपुर ब्लॉक मुख्यालय पर विशाल हिन्दू सम्मेलन एवं समरसता यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें सभी जाति-वर्ग के सैकड़ों स्त्री-पुरुषों ने सामूहिक रूप से यज्ञ आहुति दी। सम्मेलन के मुख्य अतिथि डॉ. वेदान्ती ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि पर निर्णय दिसम्बर में आने वाला है। जिसमें न्यायाधीश इस बात पर निर्णय देंगे कि बाबर से पहले यहां अयोध्या में राममंदिर था या नहीं। जिसे चन्द मुसलमान ढाँचा खड़ा होने से बाबरी मस्जिद कहने लगे थे। उन्होंने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी, अयोध्या में राष्ट्रीय स्मारक बनवाने की नीयत से जो केन्द्रीय प्रतिनिधि मण्डल भेज रही हैं उस प्रतिनिधि मण्डल का हिन्दू समाज विरोध करेगा।

उन्होंने कहा कि अयोध्या की धरती पर श्रीराम मंदिर बनने के दोषी उतना मुसलमान नहीं हैं जितना कि देश

के हिन्दू राजनेता मुलायम सिंह यादव, वी.पी. सिंह, लालू यादव आदि हैं। उन्होंने कहा कि देश में मुस्लिम तुष्टीकरण नीति के कारण संसद में हिन्दी पढ़ने वाला कोई नहीं, पर केन्द्र व प्रदेश सरकार के सभी कार्यालयों में उर्दू अनुवादक नियुक्त कर दिए गए हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री सुरेश भट्ट ने कहा कि हिन्दू संस्कृति की परम्परा सर्वोत्तम रहते हुए भी आज विश्व के मानचित्र पर एक भी हिन्दू राष्ट्र नहीं है, नेपाल अकेला हिन्दू राष्ट्र था तो उसके विरुद्ध षड्यंत्र रचा जा रहा था। इनके अलावा विहिप के संगठन मंत्री मोहनलाल पारसनाथ सिंह, डॉ. रमाशंकर पाण्डेय, संजय सिंह, माता प्रसाद पाठक, यदुनाथ श्रीवास्तव ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। सम्मेलन में डॉ. सीतासरन त्रिपाठी, ओम प्रकाश पाण्डेय, भोलानाथ अग्रवाल, प्रभाकर पाठक बजरंग सिंह, जितेन्द्र सिंह, शेषमणि मिश्र, लक्ष्मीकांत तिवारी रमाकांत दूबे, लल्लनन सिंह, सुरेश बरनवाल, ओम प्रकाश मिश्र, रणजीत सिंह, राकेश पाण्डेय, त्रियुगी प्रसाद, दयाराम देवीदयाल साहू, राजन चौधरी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वंशराज सिंह ने किया।

भेदभाव और ऊँच–नीच की भावना त्यागे हिन्दू समाज

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति की ओर से नगरडीह प्राथमिक विद्यालय में भादर विकास खण्ड का खण्ड स्तरीय हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में हिन्दुओं से आपसी भेदभाव, ऊँच–नीच की भावना त्याग कर समर्थ भारत के निर्माण के लिए आह्वान किया गया।

खण्ड स्तरीय हिन्दू सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के कई नेता मौजूद थे। हिन्दुओं के बीच आपसी भेदभाव जातिभेद, छोटी जातियों के बीच संगठन, इस्लामिक आतंकवाद एवं मुस्लिम तुष्टीकरण की कुछ राजनैतिक दलों की नीति जैसे बिन्दुओं पर सम्मेलन में व्यापक चर्चा हुई। सम्मेलन में भाजपा के विभिन्न आनुषांगिक संगठनों के कार्यकर्ताओं की मौजूगी में हिन्दू एकता के लिए गांव-गांव चेतना अभियान चलाने की पुरजोर वकालत भी की गई। सम्मेलन के मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. गिरीश चन्द्र पाण्डेय रहे। श्री पाण्डेय ने कहा कि हिन्दुओं के बीच आपस में छोटे-बडे, ऊँच-नीच एवं छुआछूत की समस्याओं का उल्लेख किया और कहा कि एक साथ मिलकर काम करने के लिए एक साथ बैठना जरूरी है। उन्होंने इस्लामिक आतंकवाद को राष्ट्र की प्रमुख समस्या बताया और कहा कि राष्ट्र की मौजूदा समस्याओं से लड़ने के लिए संगठित हिन्दू शक्ति। जिला संघचालक सावित्री कुमार पाण्डेय ने छोटे-मोटे मतभेद आपस में सुलझाकर व्यापक हिन्दू एकता के लिए पहल तेज करने की सलाह दी।

श्री पाण्डेय ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रमों एवं उद्देश्यों के प्रति प्रतिभागियों का ध्यान आकृष्ट किया। सम्मेलन की अध्यक्षता श्री स्वामी परमहंस आश्रम टीकरमाफी के पुजारी मोहनदीन मिश्र ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनिल पाण्डेय, भगवानबख्श सिंह, हरिमूर्ति सिंह, सागर कश्यप, बृजलाल यादव, गोविन्द नारायण शुक्ल, प्रवीण कुमार सिंह एवं काशी प्रसाद तिवारी आदि उपस्थित थे।

सत्य के बिना जीवन नारकीय है –मौनी महराज

सृष्टि का सारभूत तत्व है सत्य। बिना सत्य के जीवन नरक हो जाता है। मन दूषित तो गंगा में नहाने से कुछ नहीं हो सकता। मन को ही निर्मल बनाना पड़ता है। ये बातें नगर के रामलीला मैदान में श्री १००८ फलाहारी मौनी महाराज ने विशाल हिन्दू सम्मेलन में कहीं।

मौनी महराज ने कहा कि देश खुशियों व समृद्धि से तभी भरेगा, जब देश के लोग बलिदान देने को हर वक्त तैयार होंगे। उन्होंने अपने को देश को सशक्त बताया। उन्होंने कहा कि अपने परिवार का पत्रकार, वकील, प्रधान, विधायक व सांसद होंगे तो कभी भी किसी बात की कोई कठिनाई नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मुसलमान मेरे खिलाफ षड्यंत्र चला रहे हैं, मेरे खिलाफ मुकदमा लिखाकर मुझे जेल भेजने की तैयारी कर रहे हैं। इसके पीछे उनकी यह चाल है कि ये संत जेल चला जाएगा तो बूचड़खाना फिर चलाएँगे। इसके पूर्व हिन्दू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मौनी महराज को अमहट चौराहे पर मोटरसाइकिल सवारों के साथ अगवानी की। हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करने वालों में पं. रामकिशोर त्रिपाठी, डॉ. रमाशंकर पाण्डेय, विहिप के संगठन मंत्री मोहनलाल, अभय सिंह सरदार, रंजीत सिंह, ज्ञानी जैल सिंह, अंजू चौधरी, प्रज्ञा मिश्र आदि रहे। सम्मेलन की शुरूआत मौनी महराज ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया। इस मौके पर संघ के विभाग प्रचारक अरविन्द, जिला प्रचारक हरिनारायण, सर्वोश, सदर विधायक ओमप्रकाश पाण्डेय, डॉ. सीताशरण त्रिपाठी, प्रवीन अग्रवाल, यदुनाथ लाल श्रीवास्तव, गोवर्द्धन दास कानोडिया, महेश सिंह, करुणाशंकर द्विवेदी, माता प्रसाद शुक्ला, आशीष सिंह, रणजीत सिंह, मथुरेश श्रीवास्तव, भोलानाथ अग्रवाल, राजन चौधरी, विवेक पाण्डेय, दीपक, लक्ष्मी सिंह, भावना सिंह, उषमा शर्मा, दिनेश चौरसिया, बजरंगी सिंह बद्री प्रसाद श्रीवास्तव, कौशलेन्द्र सिंह, श्यामसुन्दर, संजय सिंह, विजय सिंह व जगदीश सिंह आदि रहे। मंच का संचालन अधिवक्ता संजय सिंह ने किया।

हिन्दू हितों की रक्षा के लिए आगे आये समाज –मौनी बाबा

स्वामी अभय चैतन्य मौनी महराज ने कहा कि हिन्दू हितों की रक्षा समाज में छुआछूत एवं ऊँच-नीच का भेदभाव खत्म करके ही किया जा सकता है। जनसंख्या बढ़ाकर हिन्दू धर्म की रक्षा की जा सकती है।

मौनी महाराज कुड़वार स्थित जूनियर हाईस्कूल प्रांगण में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित हिन्दू सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भारतमाता एवं गुरुजी के चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि हिन्दू सम्मेलन में हिन्दुओं को एकजुट किया जा सकता है। भारत में रहने वाला हर व्यक्ति भारतीय है और जो व्यक्ति उपद्रव फैला कर देश में अशांति पैदा करता है वह कत्तई भारतीय नहीं है। उन्होंने हिन्दुओं को संस्कारित बताया। उन्होंने कहा कि यदि मायावती हिन्दू समाज के साथ खड़ी होती तो उनकी मद्द की जा सकती है। इसके ब्लॉक प्रमुख वीरभद्र सिंह, भाजपा नेता रामचन्द्र मिश्र, शशिकान्त तिवारी, नित्यानन्द तिवारी, राकेश पाण्डेय, अशोक यादव, रमाकीर्तन तिवारी, संजय दूबे, सूर्यमणि, प्रदीप शुक्ल, नवीन श्रीवास्तव, संजय सिंह आदि ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया।

उन्होंने सनातन हिन्दू धर्म का जयकारा लगाकर हिन्दुओं में धार्मिक भावना का संचार पैदा किया। माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमरनाथ सिंह ने प्रखर हिन्दू जागरण, सामाजिक समरसत्ता असंतुलन, स्वदेशी स्वावलम्बन पर बोलते हुए कहा कि श्रीगुरुजी की बातों पर यदि ध्यान दिया गया होता तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व० लालबहादुर शास्त्री की मौत नहीं होती और न ही देश का बंटवारा होता। हिन्दू सम्मेलन में प्रमुख रूप से पंकज दूबे, पंकज मिश्र, रजनीश तिवारी, डॉ. वी.पी. सिंह, गोपाल व अन्य कार्यकर्ता रहे।

हिन्दू संस्कृति की रक्षा से ही देश मजबूत होगा -अरविन्द कुमार

हिन्दू संस्कृति की रक्षा से ही देश मजबूत होगा। यह तभी संभव है जब जातियों से बंटा हिन्दू समाज संगठित होकर ऊँच-नीच की भावना खत्म करेगा। संग्रामपुर के कालिकाधाम में आयोजित खण्ड स्तरीय हिन्दू सम्मेलन में यह उद्‌गार संघ के विभाग प्रचारक अरविन्द कुमार ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारे अन्दर जब तक समरसता का भाव समान व्यवहार नहीं आएगा तब तक तुष्टीकरण, जातिवाद, आतंकवाद, विदेशी घुसपैठ, बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का प्रभाव देश व हिन्दुत्व को कमजोर करता रहेगा। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे महंत निर्मल दास ने कहा कि भारत के कण-कण में परमात्मा का दर्शन ही हिन्दू धर्म है। गंगा प्रसाद तिवारी, रमाकांत, रणजीत सिंह, सावित्री पाण्डेय, जगदीश पाण्डेय, शत्रुघ्न सिंह ने भी विचार व्यक्त किए। सभा का संचालन राणा प्रताप सिंह एवं स्वागत भाषण में कृष्ण कुमार पाण्डेय तथा आभार ज्ञापन सहदेव सिंह ने किया। सम्मेलन में नरेन्द्र सिंह, शम्भू पाण्डेय, रामकिशोर वर्मा, सरत कोरी, फक्कड़ दास आदि लोग मौजूद रहे।

देश की एकता और अखण्डता के लिए एकजुट हों हिन्दू

सुलतानपुर के रामलीला मैदान में एक विशाल हिन्दू सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन की अध्यक्षता कर्मयोगी पं. राम किशोर त्रिपाठी ने की और इसके मुख्य अतिथि सगरा गौरीगंज से आये मौनी महाराज जी थे। हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि मौनी महराज ने कहा कि आज हिन्दुस्तान की एकता और अखण्डता को कायम रखने के लिए हिन्दू समाज को जागना होगा। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि अल्पसंख्यक कहे जाने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग बहुसंख्यक बनते चले जा रहे हैं। जो हमसे बराबरी करने चले हैं। मौनी महाराज ने सुलतानपुर जनपदवासियों से अपील की है कि वह चाहे जिस जाति धर्म के हिन्दू हो वह एक मंच पर आकर अपने स्वाभिमान की रक्षा करें तभी हिन्दू का अस्तित्व इस हिन्दुस्तान में सुरक्षित रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्र की राह आसान नहीं है, इसके लिए शूरवीर हिन्दुओं की जरूरत है। कर्मयोगी पं. रामकिशोरी त्रिपाठी ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हमारी एकता ही सफलता हैं। आज देश-प्रदेश एवं जिलों में जातिवाद का विष बोया जा रहा हैं लोग अपने-अपने जाति को लेकर जातीय सम्मेलन के माध्यम से अलग हो रहे हैं। उन्हें अब अपनी रक्षा के लिए एक मंच पर आना होगा। अन्त में कर्मयोगी पं. रामकिशोर त्रिपाठी ने नवनिर्वाचिन नगर पालिका अध्यक्ष, प्रवीण कुमार अग्रवाल से मांग किया कि गुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के अवसर पर वह गुरुजी की प्रतिमा नगर में अवश्य लगवायें जिससे उनके आदर्शों पर हिन्दू समाज के लोगों का चलना आसान हो। इस हिन्दू सम्मेलन में विश्व हिन्दू परिषद के संगठन मंत्री मोहन लाल, अभय सिंह, छात्रा प्रभा मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर सदर भाजपा विधायक ओम प्रकाश पाण्डेय, सत्य प्रकाश सिंह, सभासद डॉ. सीताशरण, सुनील श्रीवास्तव, महेश सिंह, उपमा शर्मा, भावना सिंह, पं. गोकुल प्रसाद पाठक, नागेन्द्र सिंह, वंशराज सिंह, सचिव अधिवक्ता परिषद, अजीत श्रीवास्तव, दिनेश सिंह, वंशराज सिंह, सचिव अधिवक्ता परिषद अजीत श्रीवास्तव, दिनेश चौरसिया समेत कई हिन्दुओं ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता डी. सिंह ने किया। इस हिन्दू सम्मेलन में हजारों की संख्या में सभी जाति के हिन्दुओं ने भाग लेकर सफल बनाया।

सामाजिक समरसता पर आधारित था श्रीगुरुजी का जीवन

स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीशदेव पुजारी ने कहा कि आज की कठिन परिस्थितियों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी द्वारा सामाजिक समरसता पर व्यक्त विचारों का महत्व काफी बढ़ गया है। एक तरफ आतंक की विभीषिका और दूसरी तरफ समाज का टूटता तानाबाना सिर्फ गुरुजी के वैचारिक सम्बल के बूते ही बचाया जा सकता है। श्री पुजारी यहां प्रतापगढ़ नगर में स्थित तुलसी उद्यान (हादीहाल) में श्री गुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि गुरुजी का जीवन एवं कृतित्व हमें उद्घोष के बजाय व्यक्तिगत आचरण पर बल देने की प्रेरणा देता है। इससे बाकी के सारे कार्य स्वतः ही पूर्ण हो जाते हैं। गुरुजी को उद्धृत करते हुए पुजारी ने कहा कि सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी गहरी दृष्टि थीं। यही वजह है कि उनके सम्पूर्ण जीवन में मनीषियों सरीखा उच्च आदर्श दिखता है। उनका सम्पूर्ण जीवन हिन्दू समाज की अनेक बुराइयों को दूर करने वाली स्वयंसेवकों की विशाल फौज खड़ी करने को समर्पित था।

उन्होंने कहा कि श्रीगुरुजी के व्यक्तित्व से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि दूसरे पर दोषारोपण के बजाय खुद पर दृष्टि डालनी होगी। उन्होंने कहा कि गुरुजी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रमाता की चरणों में समर्पित था। आखिरी सांस तक वे हिन्दू संगठन के महान् कार्य में लगे रहे। उनके विचारों के अनुसार समाज को स्थापित कर सकने में हम योगदान कर सकें। यही जन्मशताब्दी वर्ष में उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पहले मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। विषय प्रवर्तन नगर के संघचालक पं० राममूर्ति त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर जिला संघचालक सियाराम, पं. उदय राज मिश्र, जयनारायण अग्रवाल, परमा महाराज, हरीश, ओम प्रकाश, राजकुमार सिंह राजन, सौरभ पाण्डेय, संजय, अजय समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पं. रामसेवक त्रिपाठी ने किया।

सनातन धर्म की रक्षा के लिए सन्तों ने लिया संकल्प

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचाक प.पू. श्रीगुरुजी के जन्मशताब्दी वर्ष में साधु-सन्त सम्मेलन सीताराम धाम जोगापुर में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर मुख्य वक्ता जगद्गुरु शंकराचार्य श्री विद्यानन्द सरस्वती जी महाराज जनपद के अनेक मठ-मंदिरों के संत एवं महंत लगभग सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरम्भ में सम्मेलन के संयोजक मुरलीधर केसरवानी ने शंकराचार्य जी का माल्यार्पण करके स्वागत किया। इसी क्रम में शनिदेव के परमा महाराज, राजा प्रताप सिंह, हरीश कुमार, ओमप्रकाश, राम शिरोमणि पाण्डेय आदि ने माल्यार्पण करके स्वागत किया।

जगद्गुरु शंकराचार्य जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश, संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक है कि हम सभी अपने अन्दर हिन्दू होने का स्वाभिमान जागृत करें। पूर्व में मुसलमान तथा इसाईयों ने हिन्दू धर्म को समाप्त करने के उद्देश्य से धर्म, साहित्य एवं मंदिरों को नष्ट करने का एक कुत्सित प्रयास किया फिर भी हम अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाये रखने में सफल रहे। हमारे पास हमारा मार्गदर्शक वेद, पुराण आदि शास्त्र हैं। इनके आधार पर हम श्रेष्ठ हैं। उन्होंने उपस्थित संतों से अनुरोध किया कि आप अपने महत्व तथा समाज

में स्थान को समझते हुए सनातन धर्म की रक्षा तथा समाज में समरसता की स्थापना हेतु संकल्प लें।

श्रीगुरुज़ी जन्मशताब्दी वर्ष पर हिन्दू धर्म की रक्षा हेतु इससे श्रेष्ठ कार्य और कुछ भी नहीं हो सकता। कार्यक्रम का संचालन समिति के सदस्य हरीश कुमार ने किया तथा शनिदेव धाम के पुजारी परमा महाराज ने जगद्गुरु शंकराचार्य एवं उपस्थित संत वृन्दों के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कुण्डा के संत रामनारायण जी, हरीलाल जी (बालेश्वरनाथ धाम) रघुनाथ दास जी, (संकट मोचन सहेरूआ), भगवानदास (बजरंग चौराहा), घनश्यामदास (तुलसी संघ कसेरूआ), महन्त शंकर गिरि, (वाराणसी), श्यामदास (अयोध्या), जिला संघचालक सियाराम जी, सौरभ जी, रमापति चौरसिया अशोक सिंह, अमर बहादुर, राणा प्रताप, डॉ. अरविन्द, अजय सिंह राजू, गिरिजा शंकर, ओमप्रकाश, अनिल कुमार दूबे आदि उपस्थित रहे।

सहयोग से बढ़ती हिन्दुत्व की भावना -कौशलानन्द सिन्हा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव राव गोलवलरकर की जन्मशताब्दी वर्ष पर समाज में अग्रणी भूमिका रखने वाले मुखिया बन्धुओं की समरसता बैठक सरस्वती शिशु मन्दिर अजीत नगर में हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के क्षेत्र संगठन मंत्री कौशलानन्द सिन्हा ने कहा कि जिस प्रकार मानव शरीर के प्रत्येक अंग के उचित सहयोग से शरीर स्वस्थ रहता है। उसी प्रकार सभी जातियों के सहयोग से ही हिन्दुत्व की भावना प्रकाशित होती है। हिन्दुत्व की रक्षा के लिए हिन्दू समाज को संगठित करना ही श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष का उद्देश्य है। विभाग बौद्धिक प्रमुख रघुवीर उपाध्याय ने कहा कि जाति का निर्माण तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखने के लिए किया गया था। रंजन सिंह ने कहा कि जातियों की समरसता का प्रयास न किया गया तो वर्ग संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अवधेश मिश्र ने कहा कि समाज को पथ प्रदर्शित करने का कार्य सदैव ब्राह्मण करता आया है, किन्तु मनुवाद के नाम पर वही सबके निशाने पर है। गिरीश चन्द्र सिन्हा ने कहा कि आज आवश्यकता जातियों को तोड़ने की नहीं बल्कि जोड़ने की है। इस अवसर पर जगदेव, प्रजापति, शंकर प्रसाद केशरी, राजेश्वर पटेल, रतन चन्द्र जैन, लालजी रावत, अशोक आहूजा, चन्द्र प्रकाश पाल ने अपने समाज का प्रतिनिधित्व कर विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि कौशलानन्द जी ने दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर जिला प्रचारक धनंजय, जिला कार्यवाह हरीश, दानपाल वर्मा, राणा प्रताप सिंह आदि ने भी विचार व्यक्त किये।

हिन्दुओं को एकजुट कर रहा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

संत अवधेश जी महाराज ने कहा कि भगवान् श्रीराम को आदर्श मानकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे चल रहा है। जाति-पांति में बंटे हिन्दू समाज के सामने अपनी संस्कृति के अस्तित्व को बचाने की नौबत आ गयी है। हम सभी-अभी भी नींद में हैं। इतिहास को समझने की भूल हिन्दू समाज कर रहा है। वे कुम्हिया तहसील मुख्यालय पर आयोजित विशाल हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह का आह्वान करते हुए कहा कि देश में सामाजिक समरसता की स्थापना अगर हमें करनी है तो इसके लिए हमें जाति-पांति के भेद को मिटाकर संगठित होना होगा। अगर धर्म कायम रहा तो सबकुछ हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम इतिहास को फिर दोहरा रहे हैं। राम के नाम पर हम सब को मिलकर कार्य करना है।

अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. कामेश्वर उपाध्याय ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देशभर के हिन्दुओं को एक वृक्ष के नीचे लाकर उन्हें संगठित करने का कार्य कर रहा है। जातिवाद में विघटित हिन्दू समाज को जोड़ रहा है। हिन्दुओं के कोई भी कार्य संगठन स्तर पर कभी नहीं हुए, यही कारण है कि हिन्दू बहुसंख्यक होकर भी संगठित नहीं हो सका। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी तथा डॉ. हेडगेवार के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने उपस्थित लोगों का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि आज हमें इस बात का भी चिन्तन करना होगा कि आखिर बहुसंख्यक हिन्दू समाज के मन में हिन्दू सम्मेलन के नाम उत्सुकता क्यों नहीं है। उन्होंने अपने पूर्व के अनुभवों की चर्चा करते हुए बताया कि योजनाबद्ध होकर हम संगठन के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता निश्चित मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह दुःखद है आज हिन्दू समाज अपराजेय नहीं है। चारों वर्ण ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र समाज के प्रमुख अंग है। पुन अपराजेय बनने के लिए तो चारों वर्णों के एक साथ चलने की जरूरत है।

सम्मेलन में अमरदेव पाण्डेय, सेवानिवृत्त प्राचार्य रामप्रताप वर्मा, पं. राममूर्ति त्रिपाठी सहित अन्य लोगों ने भी अपने-अपने विचार रखे। विधायक मोती सिंह ने सभी के प्रति आभार जताया।

कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य पवन कुमार सिंह ने किया। उपस्थित अन्य लोगों में नवनिर्वाचित अध्यक्ष जुग्गीलाल जायसवाल, सुभाषचंन्द्र खण्डेवाल, डॉ. टी.आर. शर्मा, बलदेव प्रसाद चौरसिया, बुटुल सिंह सहित अनेक ग्राम प्रधान, विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता सहित अन्य क्षेत्र के लोग उपस्थित थे।

हिन्दुत्व में समाहित सर्वश्रेष्ठ जीवन दर्शन -राममाधव



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल के सदस्य राममाधव ने कहा कि सर्वश्रेष्ठ जीवन दर्शन हिन्दुत्व में समाहित है। संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी ने धर्म को महान् बनाने के लिए अपने को समर्पित कर दिया। श्री राममाधव ने नगर में स्थित हादीहाल के प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि धर्म गुरुओं का सम्मान आज भी विदेशों में राष्ट्राध्यक्षों से बढ़कर है। श्री रविशंकर जी महाराज का कार्यालय अमेरिका में राष्ट्रपति कार्यालय से आधा मील दूर है। जहां सैकड़ों देशों के दूतावास कार्यालय हैं। उन्हें वहां आज भी हिन्दू धर्म के दूत के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आज हिन्दू धर्म जाति, आतंकवाद आदि समस्याओं से पीड़ित है। आज अपने ही लोग आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। नेताओं को आतंकवाद नहीं, आतंकवादियों को बचाने की चिंता है। दिल्ली, गुवाहाटी, मुम्बई सहित अन्य महानगरों पर मंडराते खतरे इस बात के प्रमाण हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद भी अफ़ज़ल गुरु को फांसी देने के बजाय नेता उसे बचा रहे हैं। श्री माधव ने कहा कि आज जहां अमेरिका, जापान, कनाडा, सहित अन्य कई देशों ने आतंकवाद के खिलाफ नया कानून बनाया है, वहीं भारत ने इन लोगों पर लगने वाले पोटा कानून को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि जहां नेतृत्व में संवेदनहीनता होती है वहीं आतंकवाद बढ़ता है। देश के नेता

देशवासियों की चिंता करने के बजाय वोट की राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि वह सच्चर कमेटी के मामले में सत्ता की दलाली कर रही है। उन्होंने एक समान कानून की वकालत करते हुए प्रदेश सरकार की भी आलोचना की। इस अवसर पर क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह, जिला संघचालक सियाराम गुप्त, रामसेवक त्रिपाठी, विधायक हरि प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा, गणेश नारायण मिश्र, अशोक आहूजा, अवधेश मिश्र, नीलम सिंह, धनंजय आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। अध्यक्षता सहायक प्रबन्धक भारतीय जीवन बीमा निगम रामशिरोमणि पाण्डेय ने किया।

हिन्दू सम्मेलन में गूंजा 'श्रीरामचन्द्र' का जय घोष

पट्टी के हिन्दू सम्मेलन के समापन का पूरा स्थल राजा रामचन्द्र की जय से गूंजने लगा। हुआ यह कि पूज्य संत के साथ आए उनके सहयोगी पंकज ने अध्यक्ष द्वारा जैसे ही समापन की घोषणा की गयी, वैसे ही माइक थाम लिया और जयकारा लगवाने लगे। उनके उद्घोष के साथ ही सम्मेलन में आए सभी लोग उसी जयकारे को दोहराने लगे जिससे पूरा वातावरण जोश से भर गया।

हिन्दुत्व ही है इस देश की पहचान -ब्रह्मचारी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पं.पू. श्रीगुरुजी के जन्मशताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में शिवगढ़ विकास खण्ड के कुराडीह में विशाल हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रयाग ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के प्रतिनिधि ब्रह्मचारी जी महाराज ने कहा कि हिन्दू ही इस देश की पहचान है। उन्होंने हिन्दुओं को जागृत करने का आह्वान किया। उन्होंने संघ के संस्थापक परम पूज्य डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार के जीवन से सम्बन्धित विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख किया। इसके पूर्व उन्होंने माँ भारती को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। संघ के नगर संघचालक राममूर्ति त्रिपाठी ने श्रीगुरुजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से मौजूद लोगों को अवगत कराया। हिन्दू जागरण मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष रामसेवक त्रिपाठी ने देश के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर हो रहे आतंकी हमलों की निन्दा करते हुए संसद पर हमला करने वाले अफजल को फांसी न दिये जाने के समर्थन में उठ रही आवाज का विरोध करते हुए कहा कि यदि ऐसे आतंकी को फांसी न हुई तो पूरे देश में हमले होते रहेंगे। इस अवसर पर प्रयाग विश्वविद्यालय के डॉ. गिरीशचन्द्र त्रिपाठी, मुरलीधर केशरवानी, जिला प्रचारक धनंजय, सौरभ पाण्डेय, शितांशु, मनोज मिश्र, सरदार मंजीत सिंह, हरिश्चन्द्र पाण्डेय, अजीत, महेन्द्र, गिरजा शंकर, राजपति, राजेश सिंह आदि रहे।

जागृत होने पर ही मिलेगा हिन्दुओं को अधिकार -अवधेशानन्द

देश से जाति-पांति के भेदभाव को मिटाने और धर्म को कायम रखने से ही कुछ हासिल हो सकता है। यदि हिन्दू समाज जागृत होगा, तभी अपने अधिकार प्राप्त कर सकता है। यह बातें अवधेशानंद अयोध्या धाम ने पट्टी नगर में बाईपास पर आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा माधव राव सदाशिव राव गोलवलकर के जन्मशताब्दी वर्ष पर समूचे देश में हिन्दू जागरण का अभियान छेड़ा गया है। जिसके तहत जगह-जगह हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। स्वामी

अवधेशानन्द ने कहा कि हिन्दू राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अपना आदर्श मानकर आगे चल रहा है। आज जाति-पांति के भेदभाव में हिन्दू समाज बंटा नजर आ रहा है। यही कारण है कि मिशनरियाँ समाज को तोड़ने में सफल हो रही हैं। देश में सामाजिक समरसता कायम करने के लिए हिन्दू समाज को एक होना होगा। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् के डॉ. कामेश्वर उपाध्याय ने कहा कि जाति से हिन्दू खंडित हो रहा है और इसकी कमजोरी के पीछे हिन्दू समाज में जागरुकता का अभाव है। लोग विवेकानंद के नारे 'गर्व से कहो हम हिन्दू हैं' को भूल चुके हैं' सीता सावित्री के देश में नारियां भ्रूण हत्या करा रही है। यदि पूर्व में भी ऐसा होता तो राम को भरत जैसा भाई कहां मिलता। अंत में उन्होंने विश्व हिन्दू परिषद व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बैनर तले जागृत होने व संगठित होने की बात कही। भाजपा विधायक राजेन्द्र प्रताप उर्फ मोती सिंह ने कहा कि महापुरुषों के संदेश ने हमेशा लोगों को जागृत करने का प्रयास किया हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राम प्रताप वर्मा व संचालन प्रधानाचार्य पवन सिंह ने किया। इस सम्मेलन को राममूर्ति त्रिपाठी अमरदेव पांडेय, भारत सिंह आदि ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर विहिप अध्यक्ष महंथ यादव, जुग्गीलाल, विनोद पाण्डेय, शैलेन्द्र योगी, दूधनाथ वर्मा, आशीष खंडेलवाल, रामचरित्र वर्मा आदि मौजूद थे।

सामाजिक समरसता को मजबूत करना जरूरी -रामाशीष

प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्र संगठन मंत्री रामशीष ने कहा कि समाज में समरसता को मजबूती देना हम सभी का धर्म है। सामाजिक समरसता के माध्यम से ही हम समाज को एकजुट व मजबूती दे सकेंगे। वे संघ के श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी के अवसर पर आयोजित स्थानीय गोविंदधाम कुण्डा के सामाजिक समरसता संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने राजनेताओं को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें सामाजिक समरसता को तोड़ने का दोषी ठहराया। साथ में यह भी कहा कि ऋग्वेद काल में भी किसी भी ग्रामीण पर आक्रमण होने पर एकजुटता के साथ विपक्षियों का सामना किया जाता था। परन्तु आज समाज में समरसता व एकजुटता के लिये जनजागरण चलाने की नौबत आ गई है। इसी क्रम में रामाशीष जी ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सामाजिक समरसता के प्रयासों की चर्चा की। शिक्षक वक्ता चन्द्र प्रकाश यादव ने अपनी ओजस्वी शैली में धर्म को चार मंजिले मकान की तरह बांटा व विस्तार से चर्चा की। साथ में सामाजिक समरसता कायम रखने पर बल दिया। रंजीत श्रीवास्तव ने सामाजिक समरसता संगोष्ठी में भाग लेते हुए सामाजिक विसंगतियों पर चर्चा की। इसी क्रम में महेश चन्द्र, श्रीमती पुष्पा श्रीवास्तव व रामचन्दर धूरिया ने भी संगोष्ठी में अपने विचार रखे। इसके पहले मुख्य अतिथि ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लाल प्रताप सिंह व संचालन सामाजिक संगोष्ठी समरसता के संयोजक अशोक कुमार ने की। इस अवसर पर प्रचार प्रमुख रामदुलारे मौर्य, उमेशचन्द्र पाण्डेय, संजीव श्रीवास्तव, अधिवक्ता सतीश शर्मा तथा लालता प्रसाद जायसवाल समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। विभाग प्रचारक अरविन्द कुमार ने भी अपने विचारों से संगोष्ठी को सिंचित किया।

महिलाओं ने मातृ-सम्मेलन में भरी हुंकार

'संगठित हिन्दू समर्थ भारत' का उद्देश्य और लक्ष्य लेकर राष्ट्रींय स्वयंसेवक संघ ब्लाक स्तर पर पूरे जिले में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। उसी कड़ी में मातृ सम्मेलन का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर कुंडा परिसर में हुआ। जिसमें शामिल महिलाओं ने भारत माँ की पूजा कर हुंकार भरी कि माताओं और बहनों जागो,

तभी देश का कल्याण होगा। सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में मातृ सम्मेलन कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक वंशधारी ने भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन करने के साथ किया। फिर संयोजिका सुश्री पुष्पा श्रीवास्तव की अगुवाई में सभी महिलाओं ने भारत माता की सामूहिक पूजा अर्चना की। इसके बाद सह संयोजिका शकुन्तला ने महिलाओं को जागृत करते हुए हुंकार भरी की भारत मां और उनके बेटों की हिफाजत तथा भारतीय संस्कृति और संस्कारों की रक्षा के लिए महिलाओं को आगे आना ही होगा। साथ ही उन्होंने श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष की प्रासिगंकता पर चर्चा की। इस मौके पर दुर्गेश पाण्डेय, वैशाली, सुषमा श्रीवास्तव, मालती, शैल सिंह, गीता पाण्डेय, गोलू समेत बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। संघ के नगर प्रचारक सुभाष ने कार्यक्रम का संचालन किया।

संडवा चन्द्रिका में हिन्दुओं में एकता की अलख जगाने के लिए हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में वक्ताओं ने हिन्दुओं की घटती आबादी पर चिन्ता जताई। सम्मेलन के मुख्य अतिथि हिन्दू जागरण मंच के प्रान्तीय अध्यक्ष पं० रामसेवक त्रिपाठी ने कहा कि सरकारों की गलत नीतियों के चलते हमारे अस्तित्व को ही खतरा उत्पन्न होता जा रहा है। विशिष्ट अतिथि शनिदेव मंदिर के पुजारी परमा महाराज ने कहा कि हमें जाति व वर्ग भेद से हटकर एकजुटता दिखानी होगी।

शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी -स्वामी प्रपन्नाचार्य

स्वामी अभयेश्वर प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने कहा समाज व परिवार के लिए जितनी शिक्षा जरूरी है, उसी के अनुरूप संस्कार भी जरूरी है। उक्त बातें श्री कुण्डा के महराज जी रविवार को श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के परिप्रेक्ष्य में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

महाराज जी ने कहा परिवार से उठा संस्कार ही समाज में आकार लेता है। इसलिए हर माता-पिता का कर्तव्य है कि वे बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार जगायें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक अरविन्द जी ने हिन्दू धर्म के संस्कार की हिमायत करते हुए कहा हिन्दू एकता व आस्था में गिरावट का दौर चल रहा है। जिस पर संस्कार जगाकर अंकुश लगाना जरूरी है। आर्य समाज के मंत्री राजाराम आर्य ने हिन्दू समाज से मांसाहारी प्रवृत्ति छोड़ने के लिए सचेत किया। धर्म जागरण के जिला प्रमुख अशोक कुमार पाण्डेय ने भूत-प्रेत के भय से बढ़ रहे धर्मान्तरण की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का संकल्प लिये जाने का अनुरोध किया और कहा कि हिन्दू समाज की एकता खंडित न होने देने की जिम्मेदारी सभी हिन्दुओं की है। इस अवसर पर विश्व संवाद केन्द्र, काशी के प्रमुख अमरनाथ ने परम पूज्य श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सरदार हकीकत सिंह, ओम प्रकाश मिश्र, गया प्रसाद पाण्डेय तथा डॉ० महावीर प्रसाद केसरवानी आदि ने भी विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुंवर कमलेन्द्र सिंह ने किया। संचालन अशोक कुमार पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का संयोजन राम दुलारे मौर्य द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में जिला प्रचारक वंशधारी जी, नगर प्रचारक सुभाष जी समेत क्षेत्र के संजीव श्रीवास्तव, पुष्पा श्रीवास्तव, कौशल केसरवानी, लालता प्रसाद जायसवाल, शिव सेवक त्रिपाठी, सावित्री देवी, लवकुश केसरवानी तथा दुर्गेश पाण्डेय समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीयजन मौजूद थे।

वेद, पुराण, गाय और गीता से ही है हिन्दू धर्म की पहचान

वेद, पुराण, गाय और गीता हिन्दू धर्म की पहचान हैं। इसकी ताकत को जानकर इसकी परम्परा बनाए रखकर ही देश-समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। यह आह्वान हिन्दू सम्मेलन में वक्ताओं ने युवाओं से किया। मौका था किशुनगंज के कोहड़ौर इंटर कालेज में हिन्दू जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित हिन्दू सम्मेलन का।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह पर हो रहे सम्मेलन की श्रृंखला में जुटे वक्ताओं ने जहां हिन्दू धर्म की परम्पराएँ बखानी, वहीं इसकी पहचान भी बताया और कहा कि अहिंसा को मानने वाला ही धर्म का सच्चा पुजारी हो सकता है। पट्टी विधायक श्री मोती सिंह ने कहा कि परंपराएं ही हिन्दू धर्म की असली पहचान हैं। उन्होंने तर्क दिया कि शैव और वैष्णवों के बीच तकरार न होना इसकी पुष्टि करता है। जबकि किसी भी अन्य धर्म में ऐसा उदाहरण नहीं मिलेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. महेन्द्र ने हिन्दू धर्म को संगम की संज्ञा दी। बताया कि जैसे तमाम नदियां आकर गंगा में मिलकर गंगामय हो जाती हैं, ऐसा ही अस्तित्व हिन्दू धर्म का भी है। मौजूदा दौर में जारी कट्टरपंथता पर भी उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि शांति एवं भाईचारे से ही असली समाज का निर्माण हो सकता है। उन्होंने वंदेमातरम् प्रकरण को भी देश का दुर्भाग्य करार दिया और कहा कि जिस एक वाक्य को लेकर देश के सेनानियों ने देश को फिरंगियों से मुक्त कराया, आज उसी को लेकर धर्म एवं राजनीति करना बेशर्मी है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी हिन्दुस्तानियों के लिए यह शब्द पवित्र है। इसका गान करना देश को एकता के सूत्र में बांधेगा। इससे पहले सम्मेलन की शुरुआत भारतमाता एवं श्रीगुरुजी के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ, इस अवसर पर जिला प्रचारक धनंजय, विनय बागी, सत्य नारायण पाल, रामप्रसाद, पुष्पजीवी, दीपू, मनोज कुमार, भोलानाथ पांडेय, नन्हें सिंह, दिलीप सिंह, दयाशंकर मिश्र, साधिका प्रसाद मिश्र, गोकुल प्रसाद मिश्र आदि मौजूद थे।

दरिद्र नारायण की सेवा ही सच्ची मानव सेवा

आज के परिप्रेक्ष्य में हिन्दुओं का संगठित होना आवश्यक है। यदि हम संगठित नहीं हुए तो मुट्ठी भर चंद आततताई हमारी अस्मिता के साथ खिलवाड़ करते रहेंगे। साथ ही मानव का स्वभाव समाज सेवा होना चाहिए। अमीरों को चाहिए कि अपने पड़ोस में रहने वाले गरीबों की सेवा करें। दरिद्र नारायण की सेवा ही सच्ची मानव सेवा है। यह बातें संघ के तत्वावधान में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह पर आयोजित ब्लाक स्तरीय हिन्दू सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए देवरहा बाबा पीठ के महन्त स्वामी अमरेश्वर प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने कही। प्राथमिक विद्यालय कुंडा में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में स्वामी जी ने कहा शिक्षा संस्कार युक्त होनी चाहिए। भगवान् श्रीराम को संस्कार युक्त शिक्षा ने ही प्रातःकाल माता-पिता का चरण स्पर्श करने के लिए बाध्य किया। इस अवसर पर सुल्तानपुर के विभाग प्रचारक श्री अरविन्द जी तथा धर्म जागरण विभाग के जिला प्रमुख अशोक कुमार पाण्डेय ने विचार व्यक्त किये। इसके पहले कुंवर कमलेन्द्र सिंह ने भारत माँ के चित्र पर माल्यापण कर और दीप प्रज्ज्वलित कर हिन्दू सम्मेलन का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अमरनाथ, सरदार हकीकत सिंह, राजाराम आर्य, गया प्रसाद पांडेय, रामकृष्ण मिश्र, शिव सेवक तिवारी, ओम प्रकाश मिश्र, लालता प्रसाद जायसवाल, जमुना प्रसाद आदि मौजूद रहे।

हिन्दू के जागने से ही बचेगा धर्म -संत रामानुजाचार्य

संकीर्तन प्रभुदत्त ब्रह्मचारी जी आश्रम झूंसी के प्रमुख संत स्वामी रामानुजाचार्य ब्रह्माचारी ने कहा कि हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए हिन्दू समाज को जागना होगा। ब्रह्मचारीजी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर श्रीगुरुजी के जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर बाबा बेलखरनाथ धाम में शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित हिन्दू सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए प्रत्येक हिन्दू को जागृत होना होगा, तभी हमारा समाज मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि आज हिन्दुओं में वैचारिकता का अभाव दिखाई पड़ता है, उनमें धर्म और समाज के प्रति अपनी सोच संकीर्णता के दायरे में कैद होकर रह गयी है। ऐसे में हिन्दुत्व को जागृत करने के लिए लाठी और गोली के बजाय वैचारिकता रूपी अस्त्र का इस्तेमाल करना होगा, तभी हिन्दू धर्म का उत्थान हो सकता है। इस अवसर पर हिन्दू जागरण मंच के प्रदेशीय उपाध्यक्ष रामसेवक त्रिपाठी ने कहा कि भारतमाता की जय तथा वन्देमातरम् का विरोध करने वाले लोग हिन्दू विरोधी हैं, ऐसे लोग पूरे हिन्दू समाज के लिए कलंक हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रान्त के सुरेश भट्ट ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह कैसी विडम्बना है कि ८५ प्रतिशत की जनसंख्या होने के बावजूद भारत हिन्दू राष्ट्र नहीं है।

कार्यक्रम को संघ के जिला संचालक सियाराम जी तथा नगर संघचालक राममूर्ति जी ने भी सम्बोधित किया। सम्मेलन में कृष्णकान्त मिश्र, इंसाफ बहादुर सिंह, राजकुमार गुप्ता, धनंजय, नरेन्द्र प्रसाद ओझा, नंद किशोर वैश्य, अतीत सिंह तथा डॉ. कैलाश मणि ने अपनी सहभागिता निभाई। इसके अलावा अजय सिंह राजू, रोशन लाल, हीरालाल, रमानाथ सिंह आदि की व्यवस्था सराहनीय रही। सम्मेलन की अध्यक्षता एयरफोर्स के सेवानिवृत्त अधिकारी काली चरन पटेल ने की। संचालन बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

कुण्डा में सम्पन्न हुआ विद्यार्थी सम्मेलन

जनपद कुण्डा का विद्यार्थी सम्मेलन दिनांक १७ नवम्बर, अपराह्न २.०० बजे से आरम्भ हुआ, जिसमें बातौर मुख्य अतिथि डॉ० रजनीश शुक्ल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य थे। कार्यक्रम सरस्वती विद्या मंदिर विज्ञान एवं प्राद्योगिकी महाविद्यालय में माँ सरस्वती की वन्दना से प्रारम्भ हुआ। तत्पश्चात् डॉ. उमेश कुमार प्रान्त छात्रावास प्रमुख ने श्रीगुरुजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीगुरुजी ने अपने जीवनकाल में कर्तव्य तथा समय का विशेष ध्यान दिया जिसके कारण संघ का आज विराट स्वरूप दिखायी दे रहा है। कठिन परिश्रम तथा लगन से कार्य करने का उदाहरण भी विद्यार्थियों के समक्ष रखा। मुख्य अतिथि डॉ. रजनीश शुक्ल ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का जवाब सरल भाषा में दिया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में करुणा शंकर उपाध्याय ने बताया कि हम सभी को ईमानदारीपूर्वक कार्य करना चाहिए तथा हिन्दुओं का संरक्षण कैसे हो यह सब भी बताया। उपस्थित समुदाय में महाविद्यालय के शिक्षक एवं ४०० से अधिक विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

हिन्दू के बचने से ही हिन्दुस्थान बचेगा -पू. शंकराचार्य

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति द्वारा आई.टी.आई. के मैदान में आयोजित सदर क्षेत्र के विशाल हिन्दू सम्मेलन में काशीपीठ के शंकराचार्य ने कहा कि जब भारतवर्ष में धर्म, शिक्षा और राष्ट्रीयता पर खतरा उत्पन्न होता है तो राष्ट्र प्रेम को प्रमाणित करने के लिए वरदानी शक्तियाँ उत्तिष्ठ जाग्रत का.आह्वान करती हैं।

हिन्दुत्व ने सदैव मानव जाति के कल्याण की प्रार्थना की है। धर्म विरोधी आन्ध्र प्रदेश सरकार दो सौ सैंतालिस एकड़ क्षेत्रफल वाले तिरुपति बालाजी मंदिर की जमीन को ४७ एकड़ में सीमित करने की साजिश रच रही है। शंकराचार्य श्री नरेन्द्रानन्द सरस्वती ने कहा कि संसद पर हमले के आरोपी को लेकर की जा रही सहानुभूति अलगाव वाद को बढ़ावा देना वाली है। ऐसी कार्रवाईयों से सुरक्षा बलों का मनोबल कमजोर होता है। उन्होंने कहा कि कुछ विद्वान् हिन्दू शब्द को सिन्धु से उत्पन्न मानते हैं; जबकि यह सनातन धर्म अनादिकाल से चला आ रहा है। जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद एवं सम्प्रदायवाद भारतीयता के विरोध में खोदे गये गड्ढ़े हैं। हिन्दू, हिन्दी और हिन्दुस्थान की रक्षा के लिए प्रयास करना होगा। जब हिन्दू नहीं रहेगा तो हिन्दुस्थान भी नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा को साधन बनाकर हिन्दुत्व की स्थापना की जा सकती है। सम्मेलन के प्रारम्भ में शंकराचार्य ने श्रीगुरुजी एवं भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर हिन्दू जागरण मंच के प्रान्तीय उपाध्यक्ष रामसेवक त्रिपाठी, नगर संघचालक राममूर्ति, अवधेश मिश्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. राजाराम, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. महेन्द्र एवं शनिदेव धाम के महंत परमा महराज ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सदर विधायक हरि प्रताप सिंह, उदय राज सिंह, पूर्व मंत्री बृजेश शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष स्वामीनाथ, गणेश नारायण मिश्र, सियाराम गुप्त, हरीश, धनंजय, सौरभ पाण्डेय एवं सुशील पाण्डेय भी उपस्थित थे। सभा की अध्यक्षता रेलवे के अवकाश प्राप्त रामराज एवं संचालन राजेश सिंह ने किया।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति

सुलतानपुर जिला

अध्यक्ष- श्री गोवर्धन

सचिव- श्री महेश

सह सचिव- श्री पारसनाथ

कोषाध्यक्ष- श्री माता प्रसाद

सदस्य- श्री हृदय राम-हिन्दू सम्मेलन

श्री यमुनाप्रसाद-सामाजिक सद्भाव बैठक

श्री अमरपाल-अधिकतम उपस्थिति दिवस

श्री करुणा शंकर-अधिकतम उपस्थिति

श्री शेषमणि-अभिलेखागार प्रमुख

प्रतापगढ़

अध्यक्ष- श्री उदयराज

सचिव- श्री श्याम किशोर

कोषाध्यक्ष- श्री ओमप्रकाश

सदस्य-श्री हरीश-विशाल हिन्दू सम्मेलन

श्री मुरली-सामाजिक सद्भाव बैठक

श्री राणाप्रताप-सह सामाजिक सद्भाव बैठक

श्री सौरभ पाण्डेय-विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख

श्री राजेन्द्र- प्रबुद्ध गोष्ठी

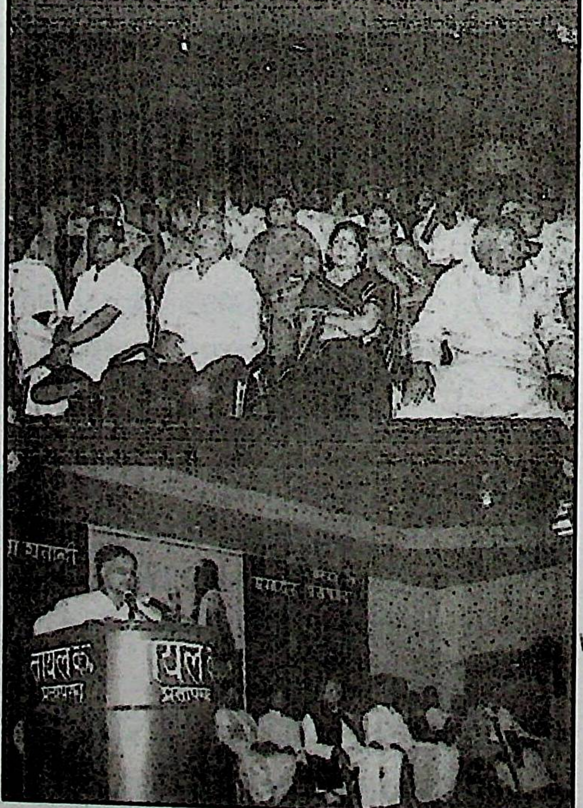
श्री दिग्विजय-अभिलेखागार प्रमुख

श्री धनन्जय-अधिकतम उपस्थिति दिवस

श्री शेषमणि-सह प्रमुख अधिकतम उपस्थिति

जलते जीवन के प्रकाश में
अपना जीवन तिमिर हटायें।
उस दधीच की तप ज्योति से
एक एक कर दीप जलायें।





अमेठी जिला

हिन्दुओं को स्वयं करनी होगी स्वाभिमान की रक्षा -ओमप्रकाश पाण्डेय

हिन्दुओं को अपने स्वाभिमान की रक्षा स्वयं करनी होगी। जो व्यक्ति भारत को माता नहीं कह सकता वह हिन्दुस्थान की धरती पर रहने का अधिकारी नहीं है। ये बातें अमेठी स्थित मुसाफिरखाना के सगरा विशाल मैदान में आयोजित श्रीगुरुजी के जन्मशताब्दी समारोह को सम्बोधित करते हुए बजरंग दल के प्रान्त संयोजक ओम प्रकाश पाण्डेय ने कही। उन्होंने कहा कि भारत मां के मान-सम्मान को कायम रखना हर देशवासी का कर्तव्य है। उन्होंने केन्द्र और प्रदेश की सरकार पर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि आजादी के पहले से लेकर अब तक सिर्फ अलीगढ़ में मुस्लिम विश्वविद्यालय था किन्तु मुलायम सरकार ने मौलाना जौहर अली विश्वविद्यालय के नाम से एक और मुस्लिम विश्वविद्यालय यहां की जनता के ऊपर थोप दिया। केन्द्र और प्रदेश सरकार आतंकवाद को रोकने में विफल है। हिन्दुओं को अब से सचेत हो ज़ाना चाहिए। सम्मेलन को दुवरिया के स्वामी ब्रह्मानंद जी महाराज ने भी सम्बोधित किया। संचालन विश्वम्भर दयाल श्रीवास्तव ने किया।

सुरेश उपाध्याय, महेन्द्र कुमार सिंह, जग प्रसाद, रामसुन्दर दूबे, राजेन्द्र जी, रामेश्वर प्रसाद मिश्र, विहिप प्रान्त उपाध्यक्ष राम धीरज महाराज, अभय जी एडवोकेट, गोरक्ष प्रमुख सुलतानपुर, जिला प्रचारक जगदीश, श्रीनाथ भार्गव, ओमप्रकाश सोनी, बलराम, सुरेन्द्र, सुरेश तिवारी, काली बक्स, अनिल दिलीप, सुधाकर द्विवेदी, विवेक दूबे, आलोक तिवारी आदि ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

पश्चिमी जीवन शैली से बढ़ रहा है भोगवाद

जगदीशपुर स्थित भेल परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के मौके पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। सेवानिवृत्त उपजिलाधिकारी रामफेर शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संघ के सह सरकार्यवाह सुरेश सोनी ने भारतीय जीवन पद्धति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें अपने उत्कृष्ट जीवन मूल्यों को बनाये रखना चाहिए। ताकि सामाजिक जीवन उन्नति बना रहे। श्री सोनी ने कहा कि हिन्दू जीवन पद्धति में प्रकृति के संतुलन का भाव समाविष्ट है। जबकि पाश्चात्य जीवन शैली महज उपभोगवाद को प्रोत्साहन देती है। जिसकी वजह से प्राकृतिक असंतुलन की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने कहा कि हिन्दुत्व अखंड भारत की प्राचीन भारत से आज तक के अनुभवों एवं समसामयिक सुधारों से सम्पन्न एवं जीवन पद्धति में प्रकृति में संतुलन का भाव समाविष्ट है। जबकि पाश्चात्य जीवनशैली महज उपभोग वाद को प्रोत्साहन देती है। जिसकी वजह से प्राकृतिक असंतुलन की स्थिति पैदा हो जाती है। उन्होंने कहा कि हिन्दुत्व समसामयिक सुधारों से सम्पन्न एक जीवन पद्धति है जो दीर्घ काल तक समाज को समृद्ध बनाने में सक्षम है। कार्यक्रम को भारतीय थल सेना के पूर्व कैप्टन रामनरेश त्रिपाठी, जगदीश चन्द्र जोशी, भारतीय मजदूर संघ के सुनील कुमार श्रीवास्तव, संघ के जिला कार्यवाह रणजीत आदि ने सम्बोधित किया और श्रीगुरुजी के बताये मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

हिन्दुओं को एकजुट होना जरूरी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हिन्दू सम्मेलन शाहगंज में देवरहा बाबा प्रयाग के पीठाधीश्वर स्वामी अभयेश्वरानन्द की अध्यक्षता में हुआ। श्रीगुरुजी की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर हुए इस सम्मेलन में पीठाधीश्वर ने कहा कि हिन्दू समाज की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि हिन्दू, हिन्दू न कहलाकर क्षत्रिय, ब्राह्मण या शूद्र कहलाता है। विरोधी ताकतों से अस्तित्व बचाने के लिये हिन्दुओं को एकजुट होना होगा। मुख्य वक्ता डॉ. उमेश ने कहा कि यदि हिन्दुओं को देश के और टुकड़े नहीं कराने हैं तो भाईचारे के साथ जातिवाद भुलाकर संगठित होना होगा। अधिवक्ता उमाशंकर पाण्डेय ने कहा कि यह हिन्दुओं के असंगठित न होने का नतीजा था कि चौबीस हजार अंग्रेजों ने चौबीस लाख हिन्दुओं पर लम्बे समय तक राज किया। हिन्दुओं की पराजय का कारण सनातन धर्म को भूलना भी था।

जिला प्रचारक जगदीश ने कहाकि हिन्दू समाज की विशेषता यह है कि इसमें रौंदने की संस्कृति नहीं बल्कि सहनशक्ति अधिक रही है। इसी विवशता के चलते हिन्दू अपमानित एवं कायर जीवन जीने के लिए विवश रहा है। काश्मीर के हिन्दू आज भी अपने ही देश में शरणार्थी सा जीवन जीने को मजबूर हैं। पूर्व विधायक तेजभान सिंह, रमाशंकर तिवारी, दिनेश, घीसन मिश्र व सत्येन्द्र सिंह अपने-अपने विचार रखे। संचालन वेदप्रकाश शुक्ल ने किया।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति

अमेठी

अध्यक्ष- श्री सत्येन्द्र
सचिव- डॉ. गुरुदीन
कोषाध्यक्ष- श्री राजकुमार
सदस्य- श्री सुरेश-अधिकतम उपस्थिति दिवस
श्री रामचन्द्र-विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख
श्री बलराम-विद्यार्थी सम्मेलन सह प्रमुख
श्री रमाकान्त-विशाल हिन्दू सम्मेलन
श्री रमाशंकर-सामाजिक सद्भाव बैठक
श्री जगनारायण-प्रबुद्ध गोष्ठी

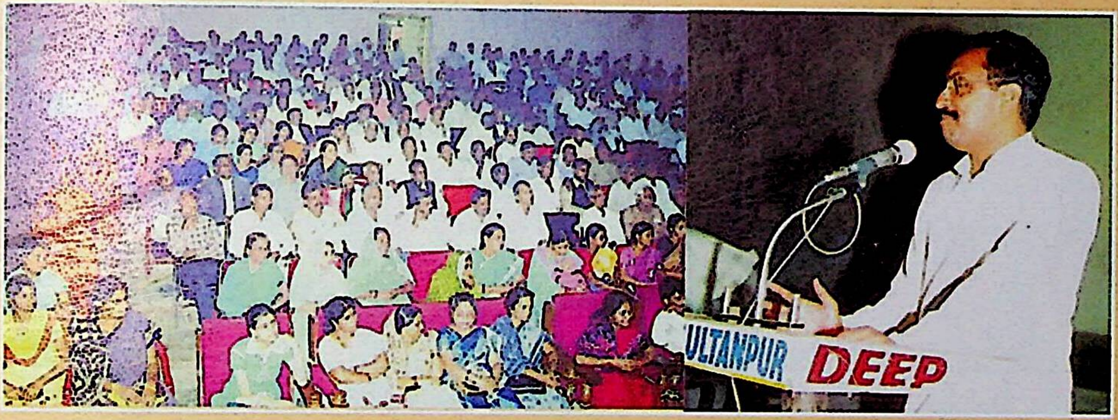


कुण्डा

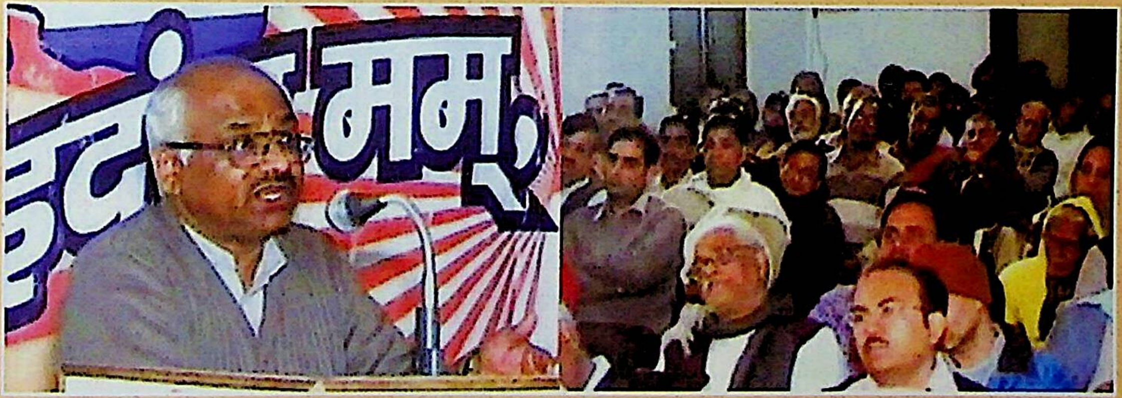
अध्यक्ष- श्री कुवर कमलेन्द्र सिंह जी
सचिव- श्री हरिओम जी
कोषाध्यक्ष- संजीव जी
सदस्य- श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह-प्रबुद्ध गोष्ठी
श्री अशोक पाण्डेय-सामाजिक सद्भाव बैठक
श्री उमाशंकर-अधिकतम उपस्थिति दिवस
डॉ. बृजेन्द्र नारायण-विशाल हिन्दू सम्मेलन
श्री रामअवधेश-विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख
श्री अजय-अभिलेखागार प्रमुख, डा. काशीनाथ द्विवेदी,
श्री अशोक मिश्रा, श्री जटाशंकर तिवारी



श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति सुलतानपुर एवं मीरजापुर द्वारा आयोजित विविध कार्यक्रमों की झलकियाँ



पं. रामनरेश त्रिपाठी सभागार में प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए संघ के पूर्व प्रवक्ता राममाधव जी व एवं श्रोतागण



मुसफ्फरगंज स्थित खेतान भवन में प्रबुद्ध गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए संघ के सह सरकार्यवाह श्री सुरेश सोनी एवं उपस्थित प्रबुद्ध नागरिक



मंच पर काशी प्रान्त के प्रचार प्रमुख श्री कृष्ण मुरारी लाल जी सहित अन्य प्रबुद्ध जन



मंच पर उपस्थित प्रज्ञा प्रवाह के श्री रामाशीष सिंह, जिला कार्यवाह जगदीशजी एवं अन्य अधिकारी

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति सुलतानपुर जिले की चित्र दीर्घा



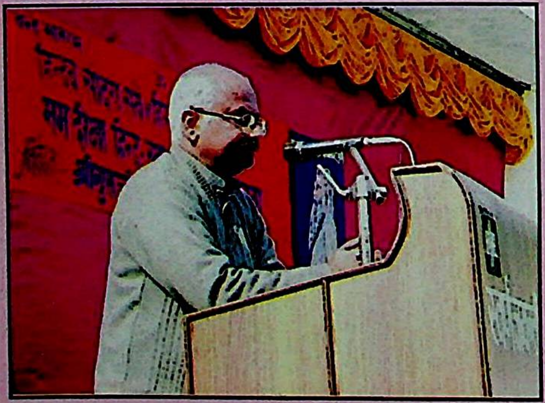


रामलीला मैदान में हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते संत मौनी महाराज व उपस्थित जन





सामाजिक सद्भाव संगोष्ठी में उपस्थित संतों का एक दृश्य





संघ के सह सरकार्यवाह श्री सुरेश सोनी व उपस्थित श्रोतागण

सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय

ज्ञानकुंज, विवेकानन्दनगर, सुलतानपुर



मान्यता- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद नई दिल्ली, स्तर कक्षा 6 से 12 तक। **सम्बद्धता एवं संचालन-**
विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, निराला नगर, लखनऊ।
शिक्षा का माध्यम-
हिन्दी एवं अंग्रेजी।

विषय- १. सभी स्तरों पर योग, शारीरिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा व्यवस्था।

२. व्यावसायिक शिक्षा - कम्प्यूटर साइंस, मोमबत्ती, पुस्तकालय, सूचना प्रौद्योगिकी।

३. कक्षा ११, १२ में बिजिनेस स्टडीज, एकाउन्टेन्सी, अर्थशास्त्र, हिन्दी, गणित, भौतिकी, रसायन, अंग्रेजी, जीवविज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी में से कोई पांच विषय लेकर पढ़ने की व्यवस्था।

४. छात्रों हेतु अपना विस्तृत क्रीड़ांगन है। इसमें वालीबाल, बैडमिन्टन, हाकी, खो-खो, कबड्डी की सुविधा उपलब्ध है।

५. कक्षा १० में ९० प्रतिशत या अधिक अंक पाने वाले सभी छात्रों को आगामी एक वर्ष के लिए निःशुल्क शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है। एकादश में ९० प्रतिशत अंक या इससे अधिक अंक प्राप्त करने पर यह सुविधा द्वादश में भी लागू रहती है। कक्षा द्वादश में ९० प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्तकर्ता छात्र को ५०००/- रूपये की नगद राशि पुरस्कार के रूप में प्रदान की जाती है।

अमरनाथ सिंह
प्रबन्धक

शेषमणि मिश्र
प्रधानाचार्य

नगर पालिका परिषद, बेला-प्रतापगढ़

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक के रूप में 'चेतना प्रवाह' पाक्षिक जागरण पत्र के प्रकाशन अवसर पर नगर पालिका परिषद, बेला-प्रतापगढ़ नगरवासियों का हार्दिक स्वागत करती है तथा अपेक्षा करती है कि-

1- नगर पालिका परिषद के देयों का भुगतान समय से करें।

2- सफाई के उपरान्त अपने घरों का कूड़ा-करकट कूड़ेदान में डालें।

3- पेयजल का अपव्यय न करें।

4- रोड, पटरियों/नाले/नालियों पर अतिक्रमण न करें।

5- नगर आपका है इसे स्वच्छ रखने में हमें अपना सहयोग प्रदान करें।



आर० के० गुप्ता
अधिशासी अधिकारी

हरि प्रताप सिंह
अध्यक्ष

अमेठी के हिन्दू सम्मेलन की झलकियाँ

परम पूज्य गुरुजी के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित जनपद अमेठी के हिन्दू सम्मेलनों में आये मुख्य वक्ताओं ने हिन्दू सम्मेलनों में आये को हिन्दू एकता समानता, समरसता एवं समाज में व्याप्त कुरीतियों की समाप्ति की समाप्ति तथा आदि से संबंधित विषयों पर उद्वेलित किया।

उद्‌बोधन के कुछ प्रमुख विषय बिन्दु-

* हिन्दुत्व : वैदिक काल से अस्तित्व में आया धर्म। * हिन्दुत्व : आध्यात्मिक ऊर्जा का केन्द्र बिन्दु। * हिन्दुत्व : भोगवाद को छोड़कर यथार्थवाद की विचारधारा। * सामाजिक समरसता का भाव मात्र हिन्दु धर्म में ही निहित है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् राम का समस्त सामाजिक प्राणियों से प्रेम। * माना कि आज हिन्दू संगठित नहीं है लेकिन जब भी हिन्दू संगठित हुआ है सामाजिक क्रान्ति निश्चित हुई है। * हिन्दू धर्म ने विश्व शान्ति के साथ-साथ ब्रह्माण्ड में उपस्थित समस्त चल-अचल, जीव-निर्जीव व प्रकाश अन्धकार सबका कल्याण चाहा। * हिन्दू धर्म सक्रिय विचारधारा से ओतप्रोत एक शक्तिशाली एवं सहज स्वीकार्य धर्म है। * नर-वानर के प्रभावशाली अधिपृश्य का सुगम संयोग हिन्दू-धर्म में ही सम्भव है। * राष्ट्रीय गौरव एवं स्वाभिमान, समस्त हिन्दुओं के सम्मान एवं प्रभाव का विषय है। * बंटते एवं घटते हिन्दुओं को संगठित करने का दायित्व भी हम हिन्दुओं का ही है। * हिन्दुओं की संख्या कम करने का कुचक्र राजनीतिज्ञों की मानसिकता बन गयी है। * लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति को हम पर थोपने के उपक्रम को तोड़ना अनिवार्य है। * भारतमाता को डाइन तथा तमाम दैनिक शक्तियों एवं देवताओं को अपशब्द कहने का दुस्साहस हिन्दुस्थान में ही हो रहा है इसका पुरजोर विरोध होना चाहिए। * लार्ड माउन्ट बेटन एवं जवाहर लाल नेहरू की विचारधारा को खींचकर यहां तक लाने का काम हिन्दुओं का ही है, जो अपने राजनीतिक संरक्षण के लिए हिन्दुत्व को किसी भी सीमा तक नुकसान पहुँचा सकते हैं। राजनीति हिन्दुत्व की होनी चाहिए। * भारत माँ के मान-सम्मान स्वाभिमान एवं कीर्ति की रक्षा केवल हिन्दू ही कर सकता है। * हिन्दुओं को जातिवाद से दूर रहकर हिन्दुत्व की विचारधारा अपनाना श्रेयस्कर होगा। * हिन्दुओं को अपने धार्मिक स्थलों एवं पूजा घरों की सुरक्षा करनी ही होगी। * महमूद गजनवी, बाबर, औरंगजेब जैसे चरित्र का वरण करने वाले मुस्लिमों का आज भी देश में अभाव नहीं है। हमें हिन्दू धर्म, हिन्दुओं का कीर्ति और संस्कृति की रक्षा के लिए सन्नद्ध होना पड़ेगा। * विश्व में कहीं भी पकड़ा जाने वाला आतंकवादी केवल मुस्लिम ही होता है। * भारत माँ की यही पुकार, नहीं बँटेगा माँ का प्यार, बुरी नजर जो हम पर डाले, कर दो उसके टुकड़े चार। * आओ, हम ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं हिन्दू कहलाएँ।

जौनपुर जिला

हिन्दू सम्मेलन में लिया राम मंदिर बनाने का संकल्प

संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिव गोलवलकर 'गुरुजी' के जन्मशताब्दी वर्ष के तहत जौनपुर में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में हिन्दुओं से एकजुट रहने के अनुरोध के साथ ही हिन्दू समाज को बांटने वालों की तीखी निंदा की गई। आतंकवाद और आतंकवादियों की पैरवी करने वालों की बखिया भी उधेड़ी गई। मंच से अयोध्या में राममंदिर बनाने का संकल्प दोहराया गया। कहा गया कि हमें १९९२ में मारे गए कारसेवकों के बलिदान को व्यर्थ नहीं होने देना है।

जौनपुर तथा मीरजापुर में आयोजित कार्यक्रम में संघ के पूर्व प्रवक्ता राम माधव ने कहा कि वोट की राजनीति के कारण ही आतंकवाद फल-फूल रहा है। जिस दिन ऊँच-नीच का भाव खत्म कर हम सभी को सम्मान देंगे हिन्दू समाज संगठित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का मुख्यमंत्री सिमी को देशभक्त बताता है और भारतीय शिशु मंदिरों को जहर फैलाने का केन्द्र बताता है। ऐसे नेता से पूरे हिन्दू समाज को सतर्क रहने की जरूरत है।

भेदभाव भूलकर संगठित हों हिन्दू

रामजानकी इण्टर कालेज, जमालपुर में 'माधव सदाशिवराव गोलवलकर जन्मशताब्दी समारोह समिति' द्वारा विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि संत चन्द्रबली हंसजी महाराज रहे। उन्होंने हिन्दू समाज को आपसी भेदभाव मिटाकर संगठित होने का आह्वान किया।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए श्री हंस ने देश की संस्कृति और सभ्यता को बचाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दू वेद-शास्त्रों के अध्ययन से ही हिन्दुत्व को बचाया जा सकता है। इस अवसर पर संघ के विभाग प्रचारक रामचन्द्र ने कहा कि आज देश के सामने आतंकवाद एवं अलगाववाद सबसे बड़ी समस्या है। १९७१ के बाद देश में घुसपैठियों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। देश में लगभग ४.५ करोड़ घुसपैठिये निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों की बढ़ती जनसंख्या से वह दिन दूर नहीं जब हिन्दू अल्पसंख्यक हो जायेंगे।

सम्मेलन में जिला प्रचारक अंबरीश ने कहा कि श्रीगुरुजी ने सामाजिक समरसता पर बल दिया था। मुख्य अतिथि ने भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके सम्मेलन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राधेकृष्ण लाल श्रीवास्तव एवं संचालन ब्रह्मदेव उपाध्याय ने किया।

हिन्दू समाज को बांट रहे हैं राजनैतिक दल -केदिलाय

जो जन्म लेता है वह मृत्यु को प्राप्त होता है। विश्व में जापान, जर्मनी, ईरान, इराक, अमेरिका आदि देशों के जन्म का इतिहास तो मिलता है, लेकिन भारत भूमि अनादि काल से है। इसलिए इसके जन्म का इतिहास नहीं है। तब इसके समाप्त होने का प्रश्न ही नहीं उठता है। यही स्थिति हिन्दू-धर्म की है। यह उद्गार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सेवा प्रमुख सीताराम केदिलाय ने जौनपुर के गोलाबाजार स्थित रामलीला मैदान के उत्सव

गृह में आयोजित 'हिन्दू की अवधारणा व प्रबुद्ध वर्ग' गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किया।

विश्व में इस्लाम, इसाई सहित अन्य पूजा पद्धति को मानने वाले तथा हिन्दू में यही अंतर है कि वे एक पंथ व सम्प्रदाय को मानते हैं जबकि हिन्दू अनादि काल से चल रहा वैदिक धर्म है। उन्होंने कहा कि आज हिन्दू की गलत व्याख्या प्रबुद्ध लोग ही कर रहे हैं। वे देश व धर्म तथा सांप्रदायिकता की व्याख्या ही गलत नहीं कर रहे है बल्कि आम आदमी को संदेश भी गलत दे रहे हैं। देश की हालत यह है कि सत्ता के लिए लोग पूरे देश को अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक के रूप में बांट रहे हैं। यही कारण है कि देश के जिस कोने में हिन्दू कम हो रहा है वहां अलगाववाद की आवाज सिर उठा रही है। हिन्दू अगर एकजुट हो जाएँ तो स्वतः देश की अखंडता व एकता बनी रहेगी। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि ने भारतमाता व श्रीगुरुजी के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गणेश प्रसाद विश्वकर्मा व संचालन ब्रह्मदेव उपाध्याय ने किया। आगंतुकों का परिचय व कार्यक्रम के महत्व पर प्रेमबहादुर सिंह व छोटेलाल जायसवाल ने प्रकाश डाला। अन्य वक्ताओं में राजेश त्रिपाठी व रमापति राम आदि प्रमुख रहे।

करंजाकला ब्लाक में विशाल हिंदू सम्मेलन

प्राथमिक पाठशाला, डाल्हनपुर में हुए इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि रामजन्मभूमि आन्दोलन से जुड़े पूर्व सांसद डॉ. विश्वनाथ दास शास्त्री थे। सम्मेलन के अध्यक्ष श्रीलाल यादव तथा विशिष्ट अतिथि कुंवर जयसिंह बाबा थे।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति

जौनपुर जिला

अध्यक्ष - श्री तीर्थराज उपाध्याय

सचिव - श्री शैलेन्द्र पाण्डेय

कोषाध्यक्ष - श्री राजकिशोर

सदस्य-श्री रामेश्वर सिंह-विशाल हिन्दू सम्मेलन

श्री नौरंगबहादुर-प्रबुद्ध गोष्ठी

श्री त्रिलोकीनाथ सिंह-सह प्रमुख प्रबुद्ध गोष्ठी

श्री अनिल सिंह कप्तान-अधिकतम उपस्थित

डॉ. वेदप्रकाश जी-सह प्रमुख अधिकतम उपस्थिति

श्री शिवप्रकाश मौर्य-सामाजिक सद्भाव बैठक

श्री रामप्यारे यादव-सह सामाजिक सद्भाव बैठक

श्री संजय सिंह-सह सामाजिक सद्भाव बैठक

श्री रामलखन पाण्डेय-सह सामाजिक सद्भाव बैठक

श्री सुरेश सिंह-विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख

श्री रत्नेश-सहप्रमुख विद्यार्थी सम्मेलन

मछलीशहर

अध्यक्ष - श्री रमेश तिवारी

सचिव - प्रेमबहादुर सिंह

कोषाध्यक्ष - महेन्द्र

सदस्य- श्री राजाराम-विशाल हिन्दू सम्मेलन

श्री श्यामशंकर पाण्डेय-सामाजिक सद्भाव बैठक

श्री सेमन लाल जी-विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख

श्री राजेश जी-सह प्रमुख विद्यार्थी सम्मेलन

श्री सोमनाथ जी-प्रबुद्ध गोष्ठी



श्रीगुरुजी के कृर्तत्व को जन-जन तक पहुँचाने का लिया संकल्प

गाजीपुर में माधव राव सदाशिव गोलवकर गुरुजी जन्मशताब्दी समारोह का समापन रविवार को स्थानीय आमघाट पार्क में उनके कृतित्व को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प के साथ किया गया। समारोह के मुख्य वक्ता विद्या भारती के प्रदेश संगठन मंत्री आनंद कुमार थे।

समारोह के प्रारम्भ में शताब्दी वर्ष में जनपद में किये गये कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गयी। तत्पश्चात् आनंद ने स्वयंसेवकों से कहा कि देश के सभी नीतिकारों का लक्ष्य होता है, भारत में रामराज्य की स्थापना करना परन्तु रामराज्य कैसे स्थापित हो इसकी सार्थक योजना का अभाव हो जाता है। परिणामस्वरूप उत्तरोत्तर भारत रावणराज्य की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अलगावाद, विघटन नैतिकता का ह्रास, विश्वास का अभाव, भ्रष्टाचार, अत्याचार से भरा समाज रामराज्य की कल्पना नहीं कर सकता। रामराज्य भाषण से नहीं बल्कि युवा पीढ़ी में चरित्र निर्माण से आ सकता है। चरित्र निर्माण भाषण से नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी में सतत अच्छे गुणों के परिमार्जन से हो सकता है, जिसके लिए डॉ. हेडगेवार ने संघ की शाखा नामक तंत्र दिया और श्रीगुरुजी ने उसे आगे बढ़ाते हुए शिशु के अन्दर अच्छे संस्कार देने के उद्देश्य से सरस्वती शिशु मंदिर के माध्यम से ही चरित्रवान् व्यक्ति का निर्माण हो सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग भारतमाता के प्रति आस्था रखते हैं, यहां के ऋषियों देवी-देवताओं का सम्मान करते हैं, वे सभी भारतीय हैं, चाहे उनकी पूजा पद्धति कोई भी हो। वर्ष भर शताब्दी समारोह में जो भी कार्यक्रम किये गये हैं, उनका उद्देश्य सम्पूर्ण समाज को एकजुट कर राष्ट्र हित में कार्य करने का है। इसे आगे बढ़ाते हुए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर सांस्कृतिक एवं शारीरिक प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में जिला प्रचारक रविभूषण, रामजी प्रसाद, अभय नारायण, दीनदयाल, भोला, रोशन, दिवाकर, प्रहलाद पाण्डेय तथा वशिष्ठ यति आदि लोग उपस्थित थे। आभार ज्ञापन श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति के अध्यक्ष अवध बिहारी ने किया।

आज उपेक्षित महसूस कर रहा है हिन्दू समाज

जमनियां, गाजीपुर के स्थानीय तहसील मुख्यालय के रामलीला मैदान में गुरुवार को श्रीगुरुजी जन्मशती समारोह के तहत आयोजित विशाल हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए परिव्राजक संत ज्ञानानन्द सरस्वती ने कहा कि जीवन के अनन्त आयाम प्रत्येक हिन्दू के रोयें-रोयें पर लिखा हुआ है।

हिन्दू भारत देश की धरती को अपने मां की तरह पूजन एवं वंदन करता है। ऐसा पूरे विश्व के किसी भी देश में देखने को नहीं मिलता है। इसके ब्रावजूद अपने देश में हिन्दू समाज स्वयं को आहत एवं उपेक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत धार्मिक देश है यहां सारे रिश्ते धर्म से स्थापित होते हैं। धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि श्रीगुरुजीजी जन्मशताब्दी समारोह के तहत पूरे देश में दस हजार हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश गंभीर परिस्थितियों से गुजर रहा है। हिन्दू मूल्यों एवं हिन्दुओं के सामने संकट है। सम्मेलन में अखिल भारतीय विद्वत् परिषद के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. कामेश्वर

उपाध्याय ने कहा कि हिन्दुओं को संतति निग्रह के उपायों पर पुनर्विचार करना होगा। माताओं से अपील की कि जनसंख्या संतुलन बनाये रखने के लिए कम से कम चार पुत्रों को जन्म दें। सम्मेलन को स्वामी सिद्धान्तानन्द जी महाराज एवं डॉ. चन्द्रबली हंस ने सम्बोधित किया। सभा में रामजी प्रसाद, अभय नारायण तिवारी, अवध बिहारी राय, जिला प्रचारक रवि भूषण आदि उपस्थिति रहे। सरस्वती शिशु मन्दिर जमानियां की छात्राओं ने वन्देमातरम् एवं दामोदर तिवारी ने स्वागतगीत प्रस्तुत किया।

सम्मेलन की अध्यक्षता काशी के डोम राजा सुरेश चौधरी एवं संचालन कमल कुमार ने किया। शम्भूनाथ राय ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

नैतिकता के बिना शिक्षा निरर्थक -रविभूषण

'श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति' गाजीपुर के तत्वाधान में स्थानीय इण्टर कालेज के सभागार में आयोजित विद्यार्थी सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए संघ के जिला प्रचारक रविभूषण ने कहा कि नैतिक आधार के बिना शिक्षा मूल्यहीन है। शिक्षा का महत्त्व तभी है जब भौतिकता तथा नैतिकता का समन्वय हो, शिक्षा से सेवा, संस्कार तथा रोजगार तीनों प्राप्त होते हैं। समाज में रहने वाले मजदूर व रिक्शा चालकों को भी शिक्षा की आवश्यकता है।

श्री रविभूषण ने कहा कि समाज में व्याप्त अनाचार, दुराचार, आतंकवाद व भ्रष्टाचार को समाप्त करने की अगुवाई विद्यार्थियों को करनी होगी। इन कार्यों को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व्यक्ति-निर्माण, चरित्र-निर्माण व राष्ट्र-निर्माण कार्य में लम्बे समय से लगा हुआ है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उपप्रधानाचार्य रामनारायण ने कहा कि संघ अपनी शाखाओं के माध्यम से अनुशासित जीवन-शैली जीने का अभ्यास कराता है, ताकि नौजवान अनुशासित होकर देश के विकास में अपना भरपूर सहयोग दे सकें। समारोह में मुख्य रूप से काशीनाथ पाण्डेय, सोमेश्वर पाण्डेय, अमित अग्रवाल, वीरेन्द्र सिंह, जयनारायण, राजेश एवं रवि के साथ-साथ सैकड़ों छात्र-छात्राएं व अभिभावक भी मौजूद रहे।

विश्व में बढ़ रहा है इस्लामिक आतंकवाद

जब तक हिन्दू समाज एकता के सूत्र में नहीं बंधेगा, तब तक विश्व में हिन्दुत्व का परचम किसी भी कीमत पर लहरा नहीं सकता। इसके लिए हिन्दू समाज को जाति बंधन से ऊपर उठकर सोचना होगा। आज पूरे विश्व को इस्लामिक आतंकवाद की काली छाया ने घेर रखा है, जिसका प्रमुख केन्द्र पाकिस्तान है।

यह उद्गार पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानन्द ने श्री गुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के तहत गहमर में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में सोमवार को व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूरे राष्ट्र में इस्लामिक कट्टरवाद पनप रहा है। हमारे देश की राजनैतिक अक्षमता के चलते आतंकवादियों की घुसपैठ काफी बढ़ गयी है। हमारे देश के १६५ जिलों में आतंकवाद की काली छाया पड़ चुकी है। इस आतंकवाद को रोकने हेतु पौरुष की आवश्यकता है, जो हमारे देश के नेताओं में नहीं है। विश्व में आतंकवाद की समाप्ति के लिए भारत को शस्त्र उठाना ही होगा।

स्वामी चिन्मयानन्द ने कहा कि राष्ट्र की एकता एवं अखण्डता के लिए विश्व के तमाम राष्ट्र के नेता एकजुट हो गये हैं, वहीं भारत में आतंकवादी अफजल को फांसी देने पर भारत के एक मुख्यमंत्री विरोध कर रहे हैं, जो

हमारे राष्ट्र के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि जहां अफगानिस्तान में आतंकवाद समाप्त हो रहा है, वहीं पाकिस्तान में आतंकवाद पनप रहा है।

संत डॉ. चन्द्रबली हंस ने कहा कि हिन्दू समाज सभी समाजों से काफी अच्छा है। यह भगवान् राम और कृष्ण के आदर्शों पर चलकर समाज को नई दिशाएं देता है, परन्तु हमारे समाज के लोग जागृत नहीं हो रहे हैं। जब तक हिन्दू समाज नहीं जागेगा, तब तक राष्ट्र का उत्थान नहीं हो सकता। नागा बाबा ने कहा कि इस्लामिक कट्टरता को समाप्त करने के लिए जब तक हिन्दू कट्टरवादी नहीं बनेगा, तब तक इस वर्ग का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व आतंकवाद से ग्रस्त है, इसलिए विश्व के हर वर्ग को इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ मुहिम छेड़ना होगा। कार्यक्रम का संचालन धीरेन्द्र सिंह ने किया।

पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं हिन्दुत्व को साम्प्रदायिक कहने वाले -इन्द्रेश कुमार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के केन्द्रीय कार्यकारी मण्डल के सदस्य इन्द्रेश जी ने कहा कि हिन्दुत्व को साम्प्रदायिक कहने वाले लोग पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं। श्री इन्द्रेश कुमार आमघाट पार्क में हिन्दू संगम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्र का मूल आधार हिन्दुत्व है। हिन्दुत्व राष्ट्रीयता का पर्याय है। वास्तव में हिन्दुत्व ही पूरे देश के साथ-साथ विश्व को नया आयाम दे सकता है। हिन्दुत्व का मूलाधार विश्व वन्धुत्व की भावना के साथ-साथ 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की परिकल्पना है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भारत का विस्तार बड़ा व्यापक था, परन्तु परिस्थितिवश हम अपनी आत्मा को भूल गये। उनका कहना था कि हिन्दुत्व में एकता रखने के लिए अपने महापुरुषों में सम्मान का भाव बनाये रखना आवश्यक है। विभिन्न पूजा पद्धतियों का अनुसरण करते हुए। राष्ट्र के प्रति ममत्व का भाव आवश्यक है। पिछड़े और दुर्बल व्यक्तियों का उत्थान तभी होगा, जब हम एकात्मा पर समरसता के भाव को बनाये रखेंगे।

संघ के श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के क्रम में आयोजित इस हिन्दू संगम में श्री कुमार ने गुरुजी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पूज्य श्रीगुरुजी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र देवता के चरणों में राष्ट्रोन्नयन के लिए समर्पित रहा है। हिन्दू संगम में अयोध्या के संत अवधेश जी महाराज, महाराष्ट्र के सिद्धान्तानन्द महाराज, कथावाचक चन्द्रबली हंस आदि ने भी विचार व्यक्त किये। अध्यक्षता महेन्द्र राय तथा संचालन अशोक राय ने किया। अतिथियों का परिचय संघ के जिला कार्यवाह नीरज ने कराया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ गुरुजी व भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अंत में धन्यवाद प्रकाश विभाग कार्यवाह अभय नारायण ने किया।

संगम में पूर्व सांसद मनोज सिन्हा, संघ के प्रान्त प्रचारक शिवनारायण, जिला प्रचारक रविजी, योगेश सिंह, विशाल सिंह, पूर्व एम.एल.सी. बाबूलाल बलवंत तथा ब्रजभूषण कुशवाहा, प्रेम ओझा, नगर पालिका परिषद के चेयरमैन रोहिणी कुमार मुन्ना, त्रिभुवन दास अग्रवाल, अरविन्द सिंह, जससूर्य भट्ट, वरिष्ठ अधिवक्ता रामपूजन सिंह आदि थे।

अधिक बच्चे पैदा करें हिन्दू समाज -साध्वी निरंजना

हिन्दू समाज के लोग अधिक बच्चे पैदा करें। यह हिन्दू धर्म की आज की जरूरत है। यह बात साध्वी निरंजना ने कही। वह सोमवार को स्थानीय मुहम्मदाबाद शहीद पार्क में आयोजित हिन्दू संगम को सम्बोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि भारत शहीदों का देश है न कि कायरों का। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हमें मुसलमानों अथवा ईसाइयों से नहीं बल्कि अपने घरों में पैदा होनेवाले जयचन्दों से ज्यादा खतरा है। उनका कहना था कि अगर देश का हिन्दू समाज मुसलमानों का विरोधी होता तो देश की सर्वोच्च कुर्सी पर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम नहीं बैठते। सच्चाई यही है कि हम मुसलमानों का विरोध नहीं बल्कि सम्मान करते हैं। हम वैसे मुसलमानों का विरोध करते हैं, जो विदेशी ताकतों की मदद कर देश को तोड़ने का कुचक्र करते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में हुए एक शोध में यह बात उभर कर आयी है कि अगर पूरे विश्व में हिन्दू फैलेगा तो बन्धुत्व बढ़ेगा और इस्लाम फैलेगा तो कट्टरता बढ़ेगी। देश में चल रहे दोहरे कानून पर प्रहार करते हुए साध्वी ने कहा कि देश में चलाये जा रहे परिवार नियोजन 'हम दो हमारे दो' अगर हिन्दू समाज के लोग मानते रहे तो बीस साल बाद इस देश में हिन्दू खुद अल्पसंख्यक हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि दो बच्चों के बाद तीसरा बच्चा पैदा कर हमारी झोली में डाल दो जो धर्म व राष्ट्र की रक्षा करेगा। राज्य की वर्तमान कानून व्यवस्था पर भी प्रहार करना वह नहीं भूलीं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में कोई भी सुरक्षित नहीं है। आज आम आदमी क्या प्रशासन के लोग भी गुण्डों के हाथों घसीटे जा रहे हैं। उन्होंने राममंदिर को हिन्दू स्वाभिमान एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक बताते हुए कहा कि इसके निर्माण को कोई नहीं रोक पायेगा। क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अलका राय को झांसी की रानी बताते हुए उन्होंने कहा कि यह अपने दुश्मनों का संहार करेंगी।

इस अवसर पर अवधेश जी महाराज ने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि एक कठमुल्ला के कहने पर उसके धर्म के सभी लोग उसकी बातें मानने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि देश का बंटवारा एक बार धर्म आधार पर हो गया है, तो इसके बाद भी भारत की धरती पर जय श्रीराम का नारा लगाना अपराध है। उन्होंने श्रीराम मंदिर आन्दोलन की विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि यह संक्रमणकाल है। उन्होंने परमहंस रामचन्द्र दास महाराज के अधूरे सपनों को पूरा करने के संकल्प को याद दिलाते हुए कहा कि जिस दिन हिन्दू समाज एक हो जायेगा, उस दिन देश से स्वतः आतंकवाद नष्ट हो जायेगा। विधायक श्रीमती अलका राय ने कहा कि पूर्वांचल में हिन्दुओं की दशा काफी दयनीय है। ऐसे में एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज कुछ स्थानों पर अपने ही देश में हिन्दू अल्पसंख्यक हो गया है। यदि हिन्दू एक जुट नहीं होते हैं तो आने वाले दिनों में स्थिति और भयावह होगी। इस अवसर पर चन्द्रबली हंस, त्रिभुवन तिवारी, काशी पांडेय, दिनेश वर्मा, सोमेश्वर पांडेय, नीरज, अमित अग्रवाल, प्रेम शंकर गुप्ता आदि ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता रमापति राम शास्त्री व संचालन रामजी गिरि ने किया।

हिन्दुओं की चुप्पी से बढ़ रही है इस्लामिक हिंसा -योगी आदित्यनाथ

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष के तहत स्थानीय नेशनल इण्टर कालेज में आयोजित हिन्दू संगम में गोरखपुर के युवा सांसद योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिले के हिन्दुओं की चुप्पी का ही नतीजा रहा कि कृष्णानंद को आततार्इयों ने हत्या कर दी। अगर यहां के हिन्दुओं ने पूर्व की घटनाओं का जबाव दिया होता, तो कृष्णानन्द की हत्या का दुस्साहस अपराधी नहीं करते। उन्होंने कहा कि लोकसभा के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी मनोज सिन्हा के दो

कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गयी और उसका जवाब नहीं दिया गया। यही कारण था कि उसके बाद विधायक कृष्णानंद राय की हत्या हुई तथा मऊ में दंगा हुआ, जिसमें बयालीस हिन्दुओं की बलि चढ़ गयी।

योगी ने कहा कि आज पूरा देश आतंकवाद की चपेट में है। यह स्थिति नयी नहीं है, बल्कि यह देश आजाद होने के पूर्व से ही इस्लामिक आतंकवाद की चपेट में है। आज देश के हिन्दू धरोहर काशी, मथुरा और रामजन्म भूमि सुरक्षित नहीं हैं। वाराणसी जैसे शहर के संकटमोचन में आतंकी हमला हुआ, जो एक शर्म की बात है। आज आतंकवाद की ट्रेनिंग मदरसों में दी जा रही है। जहां पर भी आतंकवाद पैदा किया जा रहा हो, उस पर प्रहार करना होगा और आतंकवाद विरोधी रणनीति बनानी होगी, तभी यह देश सुरक्षित रह पायेगा। आज हिन्दू समाज की उदारता तथा हमारे संदेश को साम्प्रदायिक कहा जाता है और जो साम्प्रदायिक है, उसे राष्ट्रवादी कहा जा रहा है।

संसद पर हमला करने वाले अपराधी अफजल को फांसी न देने की बात चल रही है, जो गलत है। मुख्यमंत्री मुलायम सिंह द्वारा सिमी को क्लीन चिट दिये जाने की निन्दा करते हुए उन्होंने कहा की पूरे प्रदेश में आतंक फैल रहा है, लेकिन वह दिखाई नहीं दे रहा है। आज देश का हिन्दू दोयम दर्जे की जिन्दगी जी रहा है। आज पचासी प्रतिशत में यह हालत है, तो आने वाले समय में आठ प्रतिशत हो जाने पर तो हिन्दुओं के साथ अन्याय और भी बढ़ेगा। योगी ने कहा कि आज यूपीए सरकार में देश में तेजी से धर्मान्तरण हो रहे हैं। ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि हिन्दू संगठन को मजबूत बनाया जाय, तभी आतंकवाद से मुकाबला किया जा सकता है। कार्यक्रम को पूर्व वाइस चांसलर यू.पी. सिंह, चन्द्रबली हंस, दयाशंकर दूबे व राजेन्द्र आदि ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम के आयोजक नरेन्द्रनाथ सिंह अध्यक्ष भाजपा जहूराबाद विधानसभा इकाई ने योगी आदित्य नाथ का स्वागत किया। योगी का स्वागत करने वालों में पूर्व सांसद मनोज सिन्हा, केदारनाथ सिंह, प्रभुनाथ चौहान, डॉ. आर. पी. सिंह, ब्रजभूषण सिंह, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, सुनील सिंह, दीपक लाल श्रीवास्तव, नंदा राजभर, जितेन्द्रनाथ पाण्डेय, उदय प्रताप सिंह आदि शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेमनाथ कादरी एवं संचालन हरिशंकर ने किया।

हिन्दू जागरण से ही होगा राष्ट्र का उत्थान

गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी सांसद योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हिन्दू शक्ति राष्ट्रशक्ति है। हिन्दू जागरण के बिना राष्ट्र का उत्थान संभव नहीं है। श्री योगी जखनियां में आयोजित हिन्दू सम्मेलन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने का कि राष्ट्र को स्वतंत्रता दिलाने वाले बलिदानियों ने यह कभी सोचा भी नहीं होगा कि अपने ही राष्ट्र में उन्हें बर्बाद किया जायेगा। श्री योगी ने कहा कि राजनैतिक स्वास्थ्य के चलते पार्टियां मुसलमानों पर शिकंजा कसना मुनासिब नहीं समझतीं। श्री योगी ने कहा कि भारत ऋषियों तथा योगियों का देश है जिनके संरक्षण में हमेशा सत्कर्म करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता व स्वाभिमानता का कोई बाल बांका नहीं कर सकता। परन्तु नये राजनीतिक परिस्थितियों को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि बलिदानियों के सपने खतरे में है। उन्होंने बताया कि परिवार को जो सुव्यवस्थित चलाता है, वही मुखिया कहलाता है। उन्होंने कहा कि भारतमाता बलिदानियों की जननी है, जिसने देश के लिए सिर कटा दिया, वही महापुरुष है। कार्यक्रम अध्यक्षता पूर्व कर्नल गुप्तेश्वर तथा संचालन हरिशंकर ने किया। हंसराजपुर के रामलीला मैदान में आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र की अखण्डता तथा समाज की एकजुटता के लिए

हिन्दुओं की जागृति जरूरी है। इसलिए विशाल हिन्दू संगम का आयोजन कर हिन्दुओं को जागृत किया जा रहा है। एकजुटता के लिए जातिपांत, छुआछूत, ऊँचनीच के भेदभाव तथा जातीय संगठनों का बहिष्कार करना होगा। हिन्दुओं की घटती आबादी की चर्चा करते हुए योगी राज ने कहा कि राजनीतिक दल हिन्दू भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। हिन्दू बहुसंख्यक है, लेकिन उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक बनना पड़ रहा है। हिन्दू जागरण के इसी क्रम में योगिराज ने मलिकपुरा तथा सिखड़ी के मदनमोहन मालवीय इण्टर कालेज में भी उपस्थित विशाल जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए हिन्दुस्थान की रक्षा के लिए संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया। योगिराज के काफिले में हजारों हिन्दू कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।

तुष्टीकरण की सीमा लांघ रही है कांग्रेस

पूर्व सांसद एवं रामजन्म न्यास के सदस्य डॉ. रामविलास वेदांती ने कांग्रेस पर हिन्दू समाज को तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि साधु, संतों और महात्माओं को कांग्रेस धन का प्रलोभन दे रही है। सत्ता हासिल करने के लिए कांग्रेस तुष्टीकरण की चरम सीमा तक पहुंच गयी है। इसके लिए सेना, सीबीआई और देश की सुरक्षा में लगी एजेन्सियों को भी माध्यम बनाया जा रहा है।

डॉ. वेदान्ती रविवार को यहां संघ कार्यालय में पत्र प्रतिनिधियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने पाठ्य पुस्तकों में देवी-देवताओं की गरिमा व मर्यादा के साथ छेड़छाड़ पर रोष जताते हुए कहा कि केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री ने पाठ्यपुस्तकों में राम, कृष्ण, रामायण, महाभारत एवं पुराणों की सत्यता पर ही प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। सोनिया गांधी के इशारे पर ही जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री अब अफजल गुरु जैसे आतंकवादी की फांसी की सजा को माफ़ करने की मांग कर रहे हैं।

डॉ. वेदान्ती ने मुलायम सिंह यादव पर भी निशाना साधा और कहा कि वह मुस्लिम तुष्टीकरण के तहत हज करने वाले यात्रियों को सब्सिडी देकर मुफ्त विमान यात्रा करा रहे हैं। वहीं अर्द्ध कुंभ का प्रभारी आजम खां को बनाया जा रहा है। यही नहीं अर्द्धकुंभ में शामिल होने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं के ऊपर १२ रुपये सरचार्ज लगाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा व शिवसेना की चर्चा करते हुए कहा कि इन दलों को हिन्दू धर्म के काम को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी थी, लेकिन बाद में वे हिन्दू शब्द से ही परहेज करने लगे। उनका कहना था कि संघ उसी को चुनावों में समर्थन देगा, जो हिन्दू को बल प्रदान करेगा।

रेवतीपुर रामलीला मैदान में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में डॉ. रामविलास वेदांती ने कहा कि जब तक हिन्दू समाज एकता के सूत्र में नहीं बंधेगा, तब तक उसका विकास असंभव है। आज विश्व मंच पर ईसाई एवं मुस्लिम समुदाय एक होकर अपने मिशन को सफल बना रहे हैं, जबकि हिन्दू आज भी एक नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि अफजल जैसे आतंकवादी को बीच चौराहे पर फांसी दी जानी चाहिए, तभी आतंकवाद का सफाया हो सकता है। उन्होंने युवा पीढ़ी में पनप रही पश्चिमी सभ्यता को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि उन्हें जगाने की जरूरत है।

सम्मेलन की अध्यक्षता दुर्गा प्रसाद पाण्डेय ने की, उन्होंने कहा कि आज भी हम अपनी पहचान नहीं दे पाये हैं। सम्मेलन में राजबली हंस, दिनेश चन्द्र राय, रामनगीना दूबे, झारखण्डेय, प्रवीण कुमार राय, अश्वनी कुमार पाण्डेय तथा झब्बर राय आदि उपस्थित थे।

जनजागरूकता से ही संभव है हिन्दुत्व की रक्षा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव राव गोलवरकर की जन्मशताब्दी के तहत करीमुद्दीनपुर (गाजीपुर) में आयोजित हिन्दू संगम समारोह में वक्ताओं ने हिन्दू धर्म और संस्कृति की रक्षा करने की अपील नागरिकों से की।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय के मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्र संगठन मंत्री रामशीष जी ने कहा कि देश में हिन्दुत्व के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास गंभीरता से नहीं किया जा रहा है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुहार्तो और सुकर्णो मुसलमान होते हुए भी हिन्दुत्व की बुनियादों को भूल नहीं पाए थे। अपने पूर्वजों की भूमि भारत देश में आकर उन्होंने गंगाजल से स्नान करके हिन्दुत्व को सम्मान दिया था। ईरान में पूर्वजों को भुला पाना वहां के बहुत से मुसलमानों के लिए संभव नहीं हो पाया है। हिन्दू हो या मुसलमान किसी को भी अपने पूर्वजों की संस्कृति से अलग नहीं रहना चाहिए। देश में रहने वाले सभी धर्मों के लोगों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर हिन्दुत्व के विकास में हर तरह से संहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की मिट्टी में रहने, अन्न खाने तथा उसके परिवेश का लाभ उठाने वाले लोगों को भारत माता की जय बोलना होगा। वन्देमातरम् का गान करने के साथ देश की संस्कृति की सुरक्षा पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। समारोह को चन्द्रबली हंस ने भी सम्बोधित किया।

आतंक के खिलाफ संत उठाएंगे शस्त्र

सांसद योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम, कृष्ण तथा शंकर की कर्मभूमि पर अत्याचार व अनाचार फैलाने की इजाजत किसी को नहीं दी जानी चाहिए। देश में आतंकवाद फैला रहे इस्लामिक संगठनों के खिलाफ शक्ति उपासना कर लोगों को शस्त्र उठाना होगा। आतंकवाद को मिटाने के लिए संतों को भी शस्त्र उठाना पड़ सकता है।

ये बातें योगी ने कासिमाबाद के नेशनल इंटर कालेज के मैदान पर श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित हिन्दू महासंगम समारोह में कही। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार इसाईयत के दबाव में काम कर रही है। आतंकवादियों के साथ कड़ाई से नियंत्रण बनाने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। हिन्दू संगठनों को स्वतंत्र रूप से धार्मिक आयोजनों के तहत कार्यक्रम समारोह आयोजित करने की छूट नहीं दी जा रही है। आतंकवादी संगठन पूरे देश में लोगों के जीवन को अस्त व्यस्त करने के प्रयास में लगे हैं। वाराणसी के संकटमोचन, रेलवे, अयोध्या सहित कई महानगरों से जिस तरह विस्फोट की घटनाओं से दशहत फैलाने का प्रयास किया गया, उसके खिलाफ हिन्दू समुदाय को एकजुट होकर आतंकवादियों के खिलाफ संघर्ष शुरू करना होगा। संगठन चाहे कोई हो आतंकवाद की गतिविधियों से अगर दूर नहीं हो पाते हैं, तो उन्हें शस्त्र की भाषा में समझाना होगा।

उन्होंने कहा कि गाजीपुर ऋषि गाधि की नगरी है। उनके सुपुत्र महर्षि विश्वामित्र इसी रास्ते से राम और लक्ष्मण को लेकर बक्सर तक की यात्रा पर गए थे। रास्ते में ताड़का और सुबाहु जैसे राक्षसों का नाश किया था। राम, कृष्ण तथा शंकर उदार अनुभूति के देवता हैं, लेकिन आतंक को समाप्त करने के लिए वे किसी भी समय प्रलयंकारी रूप धारण कर सकते हैं। हिन्दू समाज के लोगों को इस बात का ध्यान रखना होगा। गाजीपुर में जिस तरह कृष्णानंद राय के हत्याकांड में आतंकवादी शक्तियों ने अत्याचार फैलाया है, उसका जवाब देने के लिए यहां के हिन्दूवादी संगठनों को मजबूती से तैयार रहना होगा। इस बड़ी घटना के पहले भी लोकसभा चुनाव के समय

कई कार्यकर्ता मारे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दू बाहुल्य इस देश का हिन्दू समाज दोयम दर्जे का नागरिक हो गया है। यूपीए सरकार की धर्मविरोधी नीति के कारण हिन्दुओं का अपना अस्तित्व बचाने का भी संकट झेलना पड़ रहा है । तुष्टीकरण की नीति के चलते प्रदेश सरकार की दुर्व्यवस्था आतंकवाद को बढ़ाने में सहायक साबित हो रही है। सिमी को खुली छूट देकंर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अराजकता फैलाने में अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग किया है। इसके लिए समाज के लोगों को लामबंद होकर इन लोगों के खिलाफ खड़ा होना होगा।

कार्यक्रम के संयोजक नरेन्द्रनाथ सिंह ने कहा कि महंत योगी आदित्यनाथ धर्म के सबसे बड़े संवाहक संत हैं। इनकी उपस्थिति में धर्म का प्रभामण्डल सभा में दिखाई देने लगता है। इनका स्वागत करने में हमें ही नहीं इस क्षेत्र के सभी नागरिकों को आनंद की अनुभूति हो रही है। इस अवसर पर चंद्रबली हंस, पूर्व कुलपति पूर्वांचल विश्वविद्यालय उदय प्रताप सिंह, दयाशंकर दुबे, युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह सहित बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। पूर्व सांसद मनोज सिन्हा, विधान परिषद सदस्य केदारनाथ सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, पूर्व अध्यक्ष प्रभुनाथ चौहान, महामंत्री कृष्णबिहारी राय, दीपक लाल श्रीवास्तव, बृजभूषण सिंह, श्यामनारायण सिंह, मनोज सिंह, नंदा राजभर आदि ने भी आदित्यनाथ को माल्यार्पण किया। अध्यक्षता परमगुरु आश्रम कासिमाबाद के संत कौशिक बाबा तथा संचालन हरिशंकर राय ने किया।

छल के जरिए ईसाई मिशनरी करा रही हैं धर्मांतरण

रायगंज स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर के जन्मशताब्दी वर्ष पर सामाजिक सद्भाव बैठक का आयोजन रविवार को किया गया। इस अवसर पर परम गुरु आश्रम कासिमाबाद के संत कौशिक जी महाराज ने कहा कि हिन्दू जीवन पद्धति है। हिन्दू एक संस्कृति का नाम है। देश में इसाई मिशनरियों एवं मुस्लिम सम्प्रदाय के लोग छल आदि के जरिए धर्मांतरण का कार्य करा रहे हैं, इसे रोकते हुए लोगों को पुनः हिन्दू समाज में लाने का प्रयास संतों को करना चाहिए।

श्रीरामजानकी संकटमोचन आश्रम के संत बालक दास महाराज ने कहा कि संतों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सद्प्रयास में सहयोगी बनते हुए हिन्दू समाज को जोड़ने के लिए एक साथ चलना होगा। गृहस्थ संत चन्द्रबली हंस ने कहा कि मैं ही राष्ट्र जागरण में पुरोहित की भूमिका में हूँ, यह भाव समाज के प्रत्येक व्यक्ति के मन में भरना होगा। गायत्री शक्तिपीठ के सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि सामाजिक सद्भाव को प्रारंभ से ही मन में धारण करके समाज को बिखरने से बचाना चाहिए। संस्कारों के माध्यम से ही समाज को शक्ति व परिवार के माध्यम से गति प्रदान की जा सकती। कौशलानन्द सिन्हा ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद् के धर्म सम्मेलन में यह प्रस्ताव आया कि सभी हिन्दू भाई-भाई हैं, कोई भी हिन्दू पतित नहीं हो सकता। इससे पहले विविध हिन्दू पंथ एवं सम्प्रदाय के पूज्य संतों के द्वारा वैदिक मंत्र का उद्घोष किया गया। कार्यक्रम में विज्ञानानंद जी महाराज, राजेन्द्रदास महाराज, परमानन्द जी महाराज, पवहारी बाबा, सच्चिदानंद जी महाराज, बसंतदास महाराज एवं मोहनदास जी महाराज आदि ने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर धरणीधर दूबे, रामजी मुनीब, प्रभुनाथ जी, श्री निवास पांडेय तथा सुनील आदि मौजूद रहे।

गाजीपुर जिला

अध्यक्ष- श्री अवध विहारी
सचिव- श्री नीरज
कोषाध्यक्ष- श्री त्रिभुवन
सदस्य-
श्री शम्भु यादव-सामाजिक सद्भाव बैठक
श्री झारखण्डे-अधिकतम् उपस्थिति दिवस
श्री पवन-विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख
श्री सुनील शाही-अभिलेखागार प्रमुख
श्री ज्ञान सिंह-प्रबुद्ध गोष्ठी
श्री संजीव-निधि प्रमुख
श्री सुनील सिंह-प्रचार प्रमुख

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष के विभिन्न कार्यक्रम

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष के सैदपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में विद्यार्थी सम्मेलन, हिन्दू सम्मेलन, सामाजिक सद्भाव बैठक तथा शाखा में अधिकतम उपस्थिति दिवस के आयोजन किये गए। विद्यार्थी सम्मेलन के दो कार्यक्रमों में कुल ५४१ विद्यार्थियों की सहभागिता रही। विशाल हिन्दू सम्मेलन में क्षेत्र के २७६ गांवों से कुल २७४०० पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित हुई। इनकी संख्या क्रमशः २२८०० तथा ४८०० थी। आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक में ७६ विभिन्न जाति-प्रमुखों ने भाग लिया। शाखा के अधिकतम उपस्थिति दिवस पर ६८ शाखाओं में कुल १८४२ लोगों की उपस्थिति हुई।

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के समिति द्वारा काशी प्रान्त में सम्पन्न वैकल्पिक कार्यक्रम-
१. स्वास्थ्य, २. रक्तदान, ३. वृक्षारोपण, ४. खेल-कूद प्रतियोगिता, ५. मैराथन दौड़, ६. मोटर साइकिल यात्रा, ७. समरसता दौड़, ८. मानव श्रृंखला, ९. संचलन, १०. शोभायात्रा, ११. निबन्ध प्रतियोगिता, १२. श्रमदान, १३. वाद-विवाद प्रतियोगिता, १४. देश भक्ति गीत संध्या, १५. प्रवचन, १६. परिवार सम्मेलन, १७. माधव अक्षर यज्ञ, १८. हिन्दू मेला, १९. महापुरुषो के जन्मदिन, २०. सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, २१. बाल सहस्टिंग, २२. गीत प्रतियोगिता, २३. पुस्तकालय, २४. व्याख्यान माला, २५. ग्रामोत्सव

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति

सैदपुर

अध्यक्ष- श्री पारस राय जी(प्रबुद्ध गोष्ठी)
सचिव- श्री अजय द्विवेदी जी (विशाल हिन्दू सम्मेलन)
कोषाध्यक्ष- श्री महातिम जी
सदस्य- श्री शिवशंकर-सामाजिक सद्भाव बैठक
श्री सुरेन्द्र-अधिकतम उपस्थिति दिवस
श्री संजय-सह प्रमुख अधिकतम उपस्थिति
श्री जयप्रकाश-विद्यार्थी सम्मेलन प्रमुख
श्री अजय प्रताप-अभिलेखागार प्रमुख
श्री बालकृष्ण - प्रचार प्रमुख



प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक
पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

Cottons-Century

Shop No. UG-11 I.P. Mall, Sigra

M.P. Agrawal & Co.
Chowk, Varanasi
Phone : 0542-2414466

SHRI UMASHANKAR AGRAWAL

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक
पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

श्री शम्भू सेठ सर्राफ

लाकेट एवं आभूषण के लिए विश्वसनीय प्रतिष्ठान

सभी ग्रहों के लिए लाभकारी रत्न -
उपरत्न, रुद्राक्ष, सोने-चाँदी में बनी रत्नों की अंगूठी

प्रो० सुशील वर्मा फोन नं. -320801, मो : 9335350388

अस्सी (बी.एच.यू. लंका रोड) वाराणसी

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक पर
हमारी हार्दिक शुभकामनायें।



सरस्वती शिशु मन्दिर एवं सरस्वती विद्या मन्दिर

बारीनाथ, जौनपुर

विद्यालय की विशिष्टताएँ

Phone **: 262975, 241534**

* उत्तम शिक्षा अच्छा अनुशासन। * देश भक्ति।
* स्वावलम्बन सच्चरित्रता। * परोपकार।
* सद्व्यवहार। * संवेदनशीलता व्यवस्थाप्रियता एवं समरसता आदि।

१. आकर्षक विद्यालय भवन एवं खेल के मैदान।

२. भैया एवं बहनों के बहुमुखी विकास में शारीरिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा पर विशेष बल।

३. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हमारे विद्यालय के भैया/बहनों की सहभागिता रहती है।

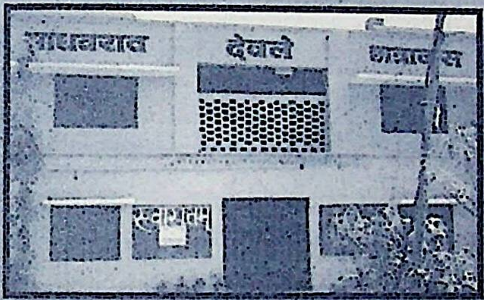
४. सुयोग्य आचार्यों द्वारा उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था।

विजयशंकर पाण्डेय
प्रधानाचार्य

लालजी तिवारी
प्राचार्य

माधवराव देवले छात्रावास ग्राम भारती

धम्मौर-सुलतानपुर (उ०प्र०) पिन- २२७४०८



विद्याभारती से सम्बद्ध
जन शिक्षा समिति
काशी प्रदेश द्वारा संचालित

* सुयोग्य सुशिक्षित आचार्यों द्वारा उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था
* ।
* शिक्षा का माध्यम मातृभाषा हिन्दी में।
* उत्तम शिक्षण संस्कार, नैतिकता एवं अनुशासन पर विशेष बल।
* शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम।
* खेल प्राधिकरण (SAI) साई द्वारा मान्यता प्राप्त।
* स्वस्थ मनोरंजन के साधन बालसभा, देशाटन दृश्य-श्रव्य सामग्री की व्यवस्था।
* नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की व्यवस्था।

अध्यक्ष	प्रबन्धक	छात्रावास प्रमुख
श्री चिन्तामणि शर्मा	श्री रवीन्द्र कुमार सिंह	रमाकान्त त्रिपाठी

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

एस. डी. एस. इण्टर कालेज

६२, माधव मार्केट कालोनी, लंका, वाराणसी-२२१००५

ग्लोरियस- एकेडमी, सी. बी. एस. ई. पाठ्यक्रम

सुविधाएँ-

● कक्षा ९ से १२ की विज्ञान-वर्ग की कक्षाओं में छात्राओं हेतु अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम से पठन-पाठन की व्यवस्था। ● विज्ञान वर्ग हेतु सुव्यवस्थित प्रयोगशालाएँ। ● एल.के.जी. से इण्टरमीडिएट तक की कक्षाओं में अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम से कक्षाओं हेतु पठन-पाठन की व्यवस्था। ● सुव्यवस्थित एवं हवादार कक्ष। ● प्रशिक्षण एवं अनुभवी शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा अध्यापन की व्यवस्था। ● छात्रवृत्ति और कम्प्यूटर की विशेष सुविधाएँ। ● छात्रावास एवं वाहन सुविधा की विशेष व्यवस्था।

प्रधानाचार्य- डॉ. गिरीश चन्द्र तिवारी
(एल.के.जी. से इण्टरमीडिएट तक) दूरभाष-२३६६६११

(द्वितीय शाखा) ग्लोरियस पब्लिक स्कूल, सरायनन्दन, खोजवाँ
श्रीश चन्द्र तिवारी (एल.के.जी. से इण्टरमीडिएट तक)

प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

[सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्ड्री ऐजुकेशन से मान्यता प्राप्त]

माधव सरस्वती विद्या मन्दिर हायर सेकेण्ड्री स्कूल

माधवपुरम् प्रकाश नगर, गाजीपुर-233001 (उ0प्र0)

विद्यालय की विशेषताएँ

- जनपद में सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्ड्री एजुकेशन दिल्ली से मान्यता प्राप्त हिन्दी माध्यम का एक सर्वोच्च शिक्षा संस्थान ।
- गत तीन वर्षों से विद्यालय का शत-प्रतिशत परीक्षा फल कोई भी छात्र तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण नहीं ।
- विद्यालय का शान्त, संस्कारक्षम वातावरण कम्प्यूटर एवं विज्ञान प्रयोगशाला की उत्तम व्यवस्था ।
- सतत मूल्यांकन पद्धति का प्रयोग एवं उन्नत पुस्तकालय वाचनालय की उत्तम व्यवस्था ।



संजय कुमार (पत्रकार)
प्रबन्धक

श्रीनिवास पाण्डेय
प्रधानाचार्य



प.पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक पर हमारी हार्दिक शुभकामनायें।



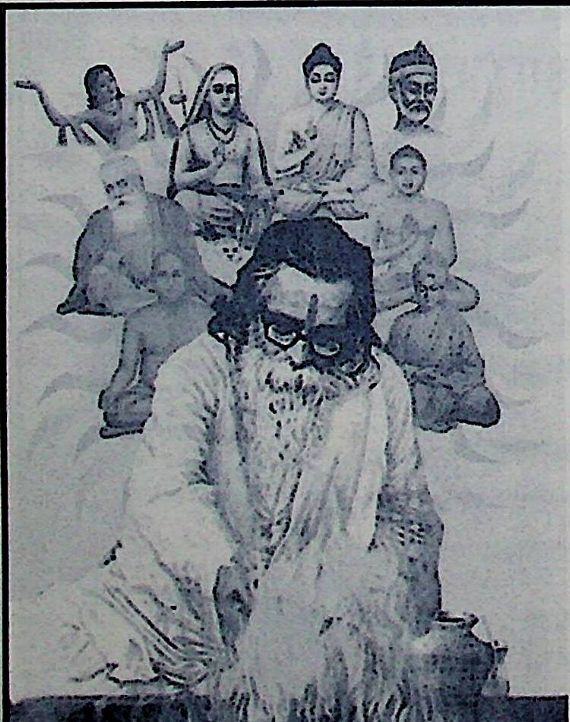
उमेश कुमार द्विवेदी

जिला अध्यक्ष हिन्दू जागरण मंच, प्रयाग

पार्षद (भारतीय जनता पार्टी)

दूरभाष नं. : 0532- 2468125, मो. नं. 9415279221

निवास : 53/5-के./4 मालवीय रोड,
जार्जटाऊन, इलाहाबाद



**पूज्य श्रीगुरुजी जन्म शताब्दी
स्मृति विशेषांक पर
हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ**

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ
पूर्वी उत्तर प्रदेश**

क्षेत्र संगठन मंत्री

कौशलानन्द सिनहा

- पूर्व प्रधानाचार्य



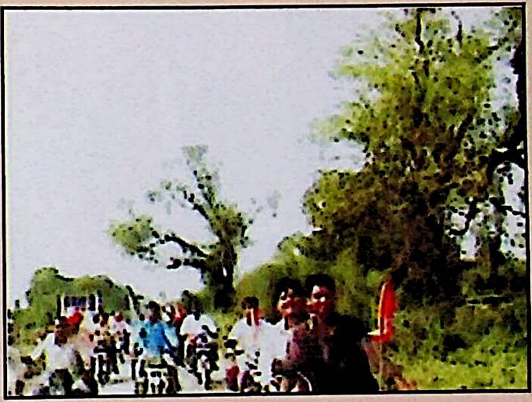




श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति गाजीपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की चित्र स्मृति



हिन्दू संगम में योगी आदित्यनाथ एवं पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह

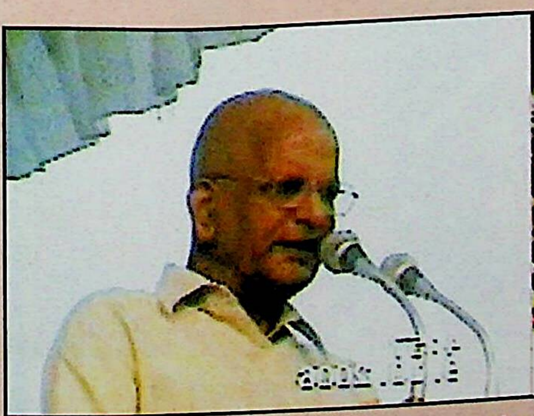


हिन्दू सम्मेलन की सफलता के लिए जुलूस निकालते हिन्दू कार्यकर्ताओं का समूह





कासिमाबाद में आयोजित हिन्दू संगम को सम्बोधित करते योगी आदित्यनाथ एवं उमड़ी भीड़





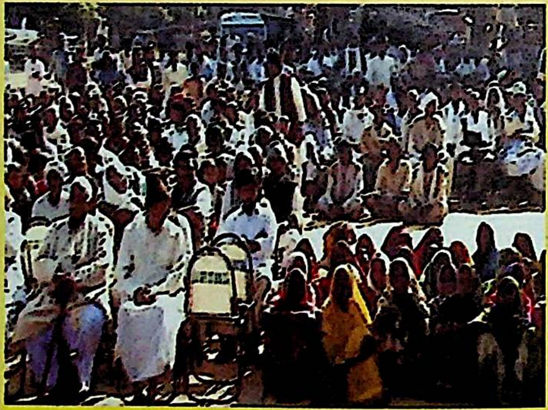
विराट् हिन्दू संगम को सम्बोधित करते हुए प्रो. उदय प्रताप सिंह एवं बड़ी संख्या में उपस्थित श्रोता गण

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति गाजीपुर के कार्यक्रमों की फोटो वीथी



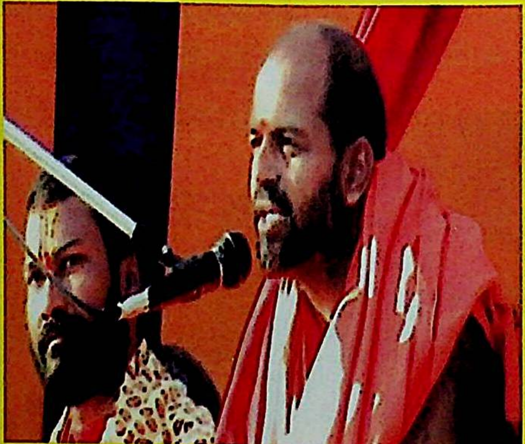
गाजीपुर में स्थित आमघाट कालोनी के गांधी पार्क में विराट हिन्दू संगम में उपस्थित संघ के अ०भा० कार्यकारी मण्डल के सदस्य श्री इन्द्रेश कुमार, अवधेश जी महाराज सहित अन्य लोग





विराट् हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते डॉ. कामेश्वर उपाध्याय व श्रोतागण





गाजीपुर में श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डॉ. अमर सिंह सहित उपस्थित अन्य सन्त

नगर पालिका परिषद शाहगंज-जौनपुर

नगर के निरन्तर विकास एवं नगर को स्वस्थ, स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए कटिबद्ध है तथा नगर वासियों से निम्नलिखित अपेक्षाएँ करता है-

१- २० माइक्रान से पतली पुनः चक्रिय पालीथीन का प्रयोग संज्ञेय अपराध है क्योंकि पशु पालीथीन में रखे पदार्थ का पालीथीन सहित सेवन कर बीमार होते हैं एवं हो रहे हैं। नाले-नालियों को यह पालीथीन जाम करता है तथा अविनाशी होने के कारण वातावरण को प्रदूषित करता है।

पॉलीथीन हटायें नगर बचायें

२- सड़क, पटरी पर अथवा नालियों पर अतिक्रमण न करें। नाले नालियों पर अतिक्रमण होने से इनकी सफाई नहीं हो पाती है, जिससे जलजमाव होकर बीमारियों को फैलने का अवसर मिलता है।

३- जल ही जीवन है, नल की टोटियों को अनावश्यक खुला न छोड़ें और जल संरक्षित रखने में पालिका को सहयोग दें।

४- यह नगर आपका है इसे स्वच्छ रखने में सहयोग दें और कूड़ा निर्धारित स्थल/कूड़ादान में ही डालें।

५- सड़े गले फल, जूस, बासी भोजन आदि का प्रयोग न करें। यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। जन्म-मृत्यु का पंजीयन निर्धारित समय में करायें तथा पशुओं को बाँधकर रखें, जिससे अनावश्यक दुर्घटना न हो सके।

६- सड़क, पटरी को मिट्टी आदि से पाटकर ऊँचा न करें, अन्यथा जल एकत्रित होकर नई सड़कों को क्षतिग्रस्त कर देता है।

७- पालिका के करों, भवन का किराया, जलमूल्य, शुल्क, लाइसेन्स फीस आदि का समय से भुगतान कर पालिका द्वारा नगर के विकास के लिए किये जा रहे प्रयास में अपना बहुमूल्य सहयोग दें।

८- पालिका द्वारा कराये जा रहे वृक्षारोपण में आपका-- अमूल्य सहयोग अपेक्षित है।



संजय कुमार शुक्ला
अधिशासी अधिकारी

ओम प्रकाश जायसवाल
अध्यक्ष

समस्त सभासदगण न०पा०प० शाहगंज, जौनपुर

प. पू. श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक पर
हमारी हार्दिक शुभकामनाओं सहित नगर पालिका
परिषद, गाजीपुर की जनता को शत् शत प्रणाम।

नगर मे विकास कार्यों की उपलब्धियाँ

अपने कार्यकाल में कारगिल शहीदों की स्मृति में नौजवानों को रोजगार मुहैया कराने की व्यवस्था, नगरपालिका फण्ड तथा जनप्रतिनिधियों के सहयोग से ७ करोड़ की लागत से गत ५ वर्ष के कार्यकाल में नगर क्षेत्र में पेयजल एवं सफाई व्यवस्था तथा अन्य विकास कार्यों में खर्च कर नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराकर अपने वायदों को पूरा किया।

नगरपालिका परिषद, गाजीपुर की जनता से अपेक्षा है कि–

1. नगर को स्वच्छ बनाने में पालिका परिषद् का सहयोग करें।
2. नगर की सड़क, नालियों तथा सरकारी भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न करें।
3. नगर में बिक रहे खुले पदार्थ, सड़े गले फल, सब्जियाँ आदि का उपयोग न करें।
4. जल ही जीवन है, नल की टोटियों को खुला न छोड़े।

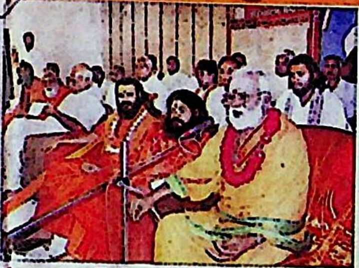


रोहिणी कुमार

अध्यक्ष–नगरपालिका परिषद, गाजीपुर

समाचार पत्रों की दृष्टि में........

स्वयंसेवक स्वीकारें आतंकवाद की चुनौती





हिन्दुत्वका विचार राष्ट्रीय अस्मिता, संस्कृतिकी पहचान है-राममाधव

The Pioneer

Birth centenary celebrations of Golwalkar organised





नगर निगममें आयोजित माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर 'श्री गुरुजी' के जन्म शताब्दी समारोहमें विचार व्यक्त करते सतुआ बाबा।

गुरू गोलवरकर का जन्म शताब्दा समाराह हिन्दुस्तान 27/3/06 (5)

हिंदू समाज से भितरघातियों के खिलाफ संघर्ष का आह्वान

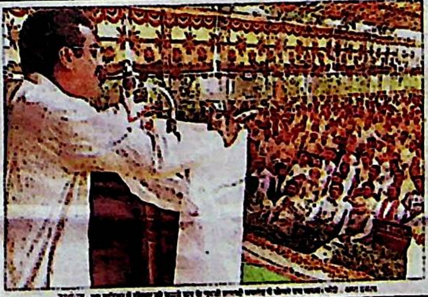
वाराणसी (सं.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आज हिंदू समाज में समरसता और स्वदेशी का भाव जगाने के संकल्प के साथ ही देश को अब हिंदू समाज के भितरघातियों के खिलाफ भी निर्णायक संघर्ष छेड़ने का आह्वान किया। इसकी प्राप्ति के लिए ग्राम स्तर तक पैठ बनाने तथा जनसंख्या असंतुलन के प्रति जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत बतायी गयी।

यह बात आज यहां उप्र व बिहार के क्षेत्र प्रचारक अशोक बेरी ने कही। वे खचाखच भरे नगर निगम प्रेक्षागृह में दूसरे सरसंघ चालक माधवरान सदाशिव गोलवरकर के जन्म शताब्दी समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। कहा कि मजबूत भारत के निर्माण की चुनौतियों का सामना करने के लिए हिंदू समाज को एकजुट करना होगा। इसके लिए गुरू गोलवरकर के जीवन से

अमर उजाला. वाराणसी . 27/3/06

■ निगम प्रेक्षागृह में जुटे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हजारों कार्यकर्ता





घर-घर जगाएंगे हिंदू राष्ट्र की अलख

राममाधव ने किया काशी प्रांत के गुरुजी जन्म शताब्दी समारोह का उद्घाटन

वाराणसी आज 27/3/06

हिन्दू धर्म जैसी त्यागकी भावना अन्य धर्मोंमें ना

गोलवलकर के विचार आत्मसात करें

स्वदेशी जागरण मंच का कार्यक्रम: अखंड भारत का सपना साकार करें





समाचार पत्रों की दृष्टि में.........





स्वतंत्रता आंदोलन में संघ की बड़ी भूमिका

• आजादी दिलाने में आंदोलन के एकाधिकार को ...



देश की आजादी का श्रेय नेताजी की आईएनए को -सुदर्शन

हिन्दुओं से संगठित होने का आह्वान

गोलवलकर गुरुजी महामानव थे-पुजारी

तुष्टिकरण की राजनीति से पनप रहा आतंक





संघ का अब नया नारा दलितों को गले लगाएं

डोमराज परिवार के सदस्य को साथ बैठाया



पृष्ठ एक के शेष

संघ का अब...

१६/१०/०६ - अमर उजाला

गुरु जी के सपनों को पूरा करने का संकल्प

दैनिक जागरण २१/१०/२००६

देश की प्राण शक्ति है हिन्दुत्वः स्वामी नरेन्द्रानंद

• हिन्दू सम्मेलन में शंकराचार्य ने कहा

हिन्दू सम्मेलन : राष्ट्र निर्माण में युवा सक्रिय भूमिका निभाएं



संस्कृति और बचाने के लिए महिलाएं आगे आएं

...तो भाजपा भी हमारे एजेंडे में नहीं होगी

पत्नी की हत्या का आरोपी दोषमुक्त





देश के प्रत्येक व्यक्ति की राष्ट्रीयता हिन्दू : नरेन्द्रानंद

विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित

समाचार पत्रों की दृष्टि में.........




हिन्दू संगम में उमड़ी भीड़ व सम्बोधित करते योगी आदित्यनाथ। -जागरण



हिन्दुओं को एकजुट करने का कार्य कर रहा संघ

हिन्दुओं की चुप्पी ने ली कृष्णानन्द की जानः योगी

अलावलपुर/कासिमाबाद (गाजीपुर)

गुरु जी जन्म शताब्दी वर्ष के तहत स्थानीय नेशनल इण्टर कालेज में आयोजित हिन्दू संगम में गोरखपुर के युवा सांसद योगी आदित्य नाथ ने कहा कि जिले के हिन्दुओं की चुप्पी का ही नतीजा रहा कि कृष्णानन्द की आततायियों ने हत्या कर दी। अगर यहां के हिन्दुओं ने पूर्व की घटनाओं का जवाब दिया होता, तो अपराधी कृष्णानन्द की हत्या का दुस्साहस नहीं करते। उन्होंने कहा कि लोकसभा के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी प्रत्याशी मनोज सिन्हा के दो कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गयी और उसका जवाब नहीं दिया गया। यही कारण था कि उसके बाद विधायक कृष्णानंद राय की हत्या हुई तथा मऊ में दंगा हुआ, जिसमें दयनीय हिन्दुओं की बलि चढ़ गयी।

योगी ने कहा कि आज पूरा देश आतंकवाद की चपेट में है। यह स्थिति नयी नहीं बनी है, बल्कि यह देश आजाद होने के पूर्व से ही इस्लामिक आतंकवाद की चपेट में है। आज देश के हिन्दू धरोहर काशी, मथुरा, रामजन्म भूमि सुरक्षित नहीं है।

वाराणसी जैसे शहर के संकटमोचन में आतंकी हमला हुआ, जो एक शर्म की बात है आज आतंकवाद की ट्रेनिंग मदरसों में दिया जा रहा है। जहां पर भी आतंकवाद पैदा किया जा रहा हो, उस पर प्रहार करना होगा और आतंकवाद विरोधी रणनीति बनानी होगी, तभी यह देश सुरक्षित रह पायेगा। आज हिन्दू समाज की उदारता तथा हमारे संदेश को साम्प्रदायिक कहा जाता है और जो साम्प्रदायिक हैं, उसे राष्ट्रवादी कहा जा रहा है।

संसद पर हमला करने वाले अपराधी अफजल को फांसी न देने की बात चल रही है, जो गलत है। मुख्यमंत्री मुलायम सिंह द्वारा किसी को क्लीन चिट दिये जाने की निन्दा करते हुए उन्होंने कहा की पूरे प्रदेश में आतंक फैल रहा है, लेकिन यह दिखाई नहीं दे रहा है।

आज देश का हिन्दू दोयम दर्जे की जिन्दगी जी रहा है। आज पचासी प्रतिशत में यह हालत है, तो आने वाले समय में साठ प्रतिशत हो जाने पर तो हिन्दुओं के साथ अन्याय और भी बढ़ेगा। योगी ने कहा कि आज यूपीए सरकार में देश में तेजी से धर्मान्तरण हो रहे हैं। ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि हिन्दू संगठन को मजबूत बनाया जाय, तभी आतंकवाद से मुकाबला किया जा सकता है। कार्यक्रम को पूर्व [illegible] चामरार, यू.पी. सिंह, चन्द्रबली [illegible], दयाशंकर दूबे व राजेन्द्र आदि ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम के आयोजक नरेन्द्र नाथ सिंह

• कासिमाबाद के हिन्दू संगम में उमड़ी भीड़

अध्यक्ष भाजपा जहूराबाद विधानसभा [illegible] ने योगी आदित्य नाथ का स्वागत किया। योगी का स्वागत करने वालों में पूर्व [illegible] मनोज सिन्हा, केदार नाथ सिंह, प्रभु चौहान, डा. आर.पी. सिंह, ब्रज भूषण [illegible] सिंह, सुशील सिंह, [illegible] श्रीवास्तव, [illegible] पाण्डेय, उदय प्रताप सिंह आदि शामिल [illegible] कार्यक्रम की अध्यक्षता [illegible] संचालन हरिशंकर ने किया।




हिन्दू जागें, तभी बचेगा धर्म : रामानुजाचार्य



गोलवलकर ने किया हिन्दू समाज को संगठित

विशाल हिं सम्मेलन लालगंज मीरज



हिन्दू नहीं रहेगा तो हिन्दुस्तान भी नहीं बचेगा : शंकराचार्य




दैनिक जागरण 8-10-06

हिंदुत्व में समाहित है सर्वश्रेष्ठ जीवन दर्शन : राम माधव



समाचार पत्रों की दृष्टि में.........

हिंदू धर्म रक्षा को लेकर उठी आवाज

- हिंदू धर्म ऐतिहासिकता और प्रामाणिकता संपन्न
- आतंकवाद का एकमात्र उपाय सिर्फ चिंतन





सामाजिक समरसता बैठक

प्रतापगढ़ (सं.)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वितीय सर संघ चालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर की जन्म शताब्दी वर्ष पर समाज में अग्रणी भूमिका रखने वाले मुखिया बंधुओं की सामाजिक समरसता बैठक सरस्वती शिशु मंदिर अजीत नगर में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रबंधक व सिक्ख समाज के अगुआ सरदार मंजीत सिंह एवं संचालन गुरुजी जन्म शताब्दी समारोह के संयोजक मुरलीधर केसरवानी ने किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री कौशलानंद ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति प्रत्येक कार्य सुचारु रुप से नहीं कर सकता। जिस प्रकार मानव शरीर के प्रत्येक अंग के उचित सहयोग से शरीर स्वस्थ रहता है, उसी प्रकार सभी जातियों के सहयोग से ही हिन्दुत्व की भावना प्रकाशित होती है। हिन्दू ही देश का खेवनहार है, हिन्दू ही ...

सामाजिक समरसता पर आधरित गुरुजी का जीवनःपुजारी

गुरू जी में मनीषियों जैसा उच्च आदर्श



हिंदुत्व के विविध आयाम पर चिंतन

गुरुजी ने हिंदुओं में किया था ऊर्जा का संचार



धर्म व संस्कृति हमारे देश का प्राण

आरएसएस ने मनाया जन्म शताब्दी समारोह

ओबरा (सोनभद्र)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वितीय सरसंघ चालक माधव राव सदाशिव राय गोलवलकर उपस्वास्थ्य श्री गुरूजी का जन्म शताब्दी समारोह धूमधाम से ओबरा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा मनाया गया। पूज्य पुजारी जन्म शताब्दी समारोह 26 ...र्च क्लब नम्बर एक में धूमधाम से मनाया ...या। गुरूजी का जन्म 24 फरवरी सन् 1906 ...े नागपुर में हुआ था। वर्ष 2006 उनके ...न्म शताब्दी के रूप में मनाया जा रहा है। ...ष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा सम्पूर्ण भारत में ...नके जन्म शताब्दी समारोह को मनाया ...ायेगा। इस उपलक्ष्य में वर्ष भर सम्पूर्ण ...ारत में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का भी ...ायोजन किया जायेगा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक ...घ ओबरा इकाई ने उनके जन्म शताब्दी ...मारोह को बड़े धूमधाम के साथ सामाजिक ...मरसता के रूप में मनाया।

सबके सहयोग से प्रकाशित होती है हिन्दुत्व की भावनाः कौशलानन्द

गोलवलकर के विचारों से रुक सकता है बिखरावःपुजारी

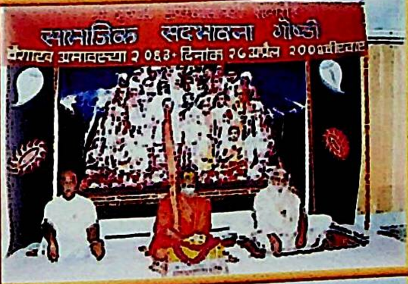
झलकियाँ.......

















झलकियाँ.......





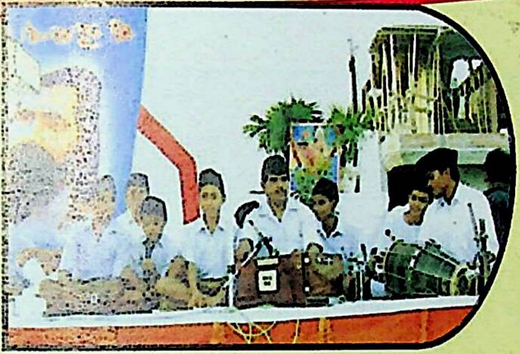




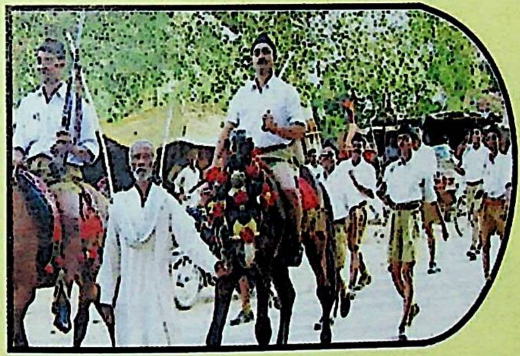




झलकियाँ.......









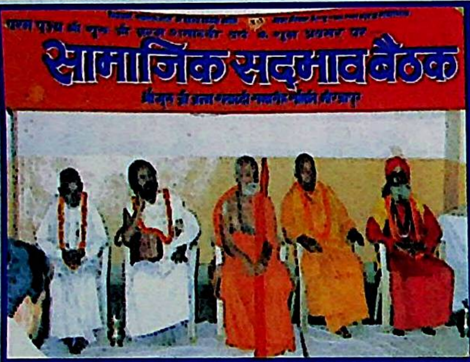








झलकियाँ.......

















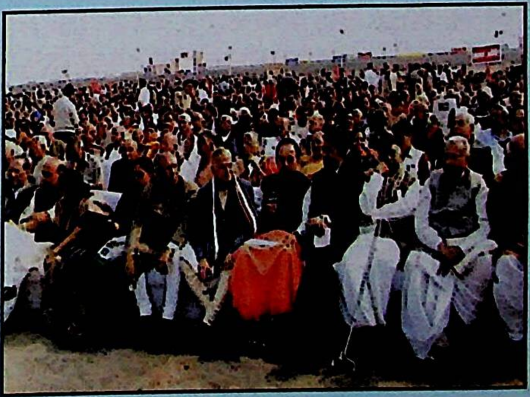
श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समापन समारोह बुराड़ी, दिल्ली



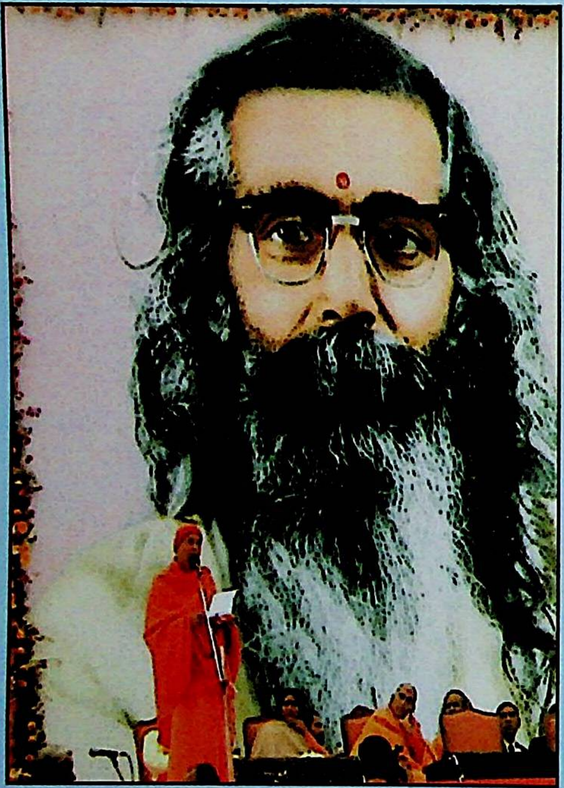
मंच पर स्वामी सत्यमित्रानन्द जी, श्री कुप्.सी. सुदर्शन, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री भैरो सिंह शेखावत एवं अन्य अधिकारी



जनसमूह को सम्बोधित करतीं ममतामयी साध्वी ऋतंभराजी



श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी के समापन समारोह में उपस्थित विशिष्ट जन



उद्बोधन करते हुए श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह के अध्यक्ष स्वामी सत्यमित्रानन्द जी



देश भर से आये २५०० प्रशिक्षित घोष वादकों ने लिया राष्ट्ररक्षा का संकल्प



घोष वादकों के नायक का दृश्य



मंच पर बायें से स्वामी अवधेशानन्द गिरि, स्वामी सत्यमित्रानन्द जी,उपराष्ट्रपति श्री भैरो सिंह शेखावत, सरसंघचालक श्री कुप्प्.सी. सुदर्शन पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी, गायत्री परिवार के प्रमुख डॉ. प्रणव पण्ड्या, समिति के राष्ट्रीय महासचिव बजरंग लाल गुप्ता



अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता के विजेता को पुरस्कार प्रदान करते सरसंघचालक कुप्प.सी. सुदर्शन एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी समारोह समिति के राष्ट्रीय महासचिव श्री बजरंग लाल गुप्त ने बताया कि देश भर में ७१०० हिन्दू सम्मेलन आयोजित किये गये जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के १ करोड़ ७६ लाख लोग सम्मिलित हुए। पूरे वर्ष में २२५० प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठियाँ आयोजित की गयीं। जिसमें ३ लाख १० हजार लोग सम्मिलित हुए। २३५० सामाजिक सद्भाव बैठकें हुई जिसमें १ लाख ६० हजार प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। साथ ही ४०० संत सम्मेलन आयोजित हुए, जिसमें १५००० संतों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त भी अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, काशी प्रान्त

श्री गुरुजी जन्मशताब्दी वर्ष - 2006 - 07

1. श्री गु[illegible]न्मशताब्दी समारोह-वृत्त संकलन प्रपत्र

कुल		[illegible] न संख्या		नागरिक			कुल		सम्पर्क किया		प्रतिनिधित्व		विस्तारक		सम्मेलन	
खंड	नगर	खंड	नगर	महिला	पुरुष	योग	ग्राम	बस्ती	ग्राम	बस्ती	ग्राम	बस्ती	७ दिन	अधिक दिन	आधा दिन	पूर्ण दिन
147	76	147	51	54047	297100	353147	10371	607	10110	581	8916	557	940	309	60	138

2. प्रबुद्ध संगोष्ठी

जन संगोष्ठी		उपस्थिति			विश्वविद्यालय संगोष्ठी		उपस्थिति		
स्थान	गोष्ठी संख्या	महिला	पुरुष	योग	स्थान	गोष्ठी संख्या	महिला	पुरुष	योग
23	27	674	5085	5659	6	6	126	1155	1281

विषय : 1. हिन्दुत्व -(27) 2. जनसंख्या असंतुलन -(27) 3. समरसता -(27) 4. स्वदेशी -(19) 5. अन्य विषय - आतंकवाद -(27)

3. सामाजिक सद्भाव बैठकें

सामाजिक नेतृत्व						
बैठक स्थान संख्या		*उपस्थिति*			*सम्प्रदाय उपस्थिति संख्या*	
		महिला	पुरुष	योग		
21	24	85	1755	1830	40	.....

संतवृन्द						
बैठक स्थान संख्या		*उपस्थिति*			*बिरादरी उपस्थिति संख्या*	
		महिला	पुरुष	योग		
19	19	11	666	677	11	.....

चर्चा विषय :

1. समरसता -(40)
2. जनसंख्या असंतुलन -(40)
3. स्वदेशी -(30)
4. सांस्कृतिक आक्रमण -(31)
5. मतांतरण परावर्तन -(40)

अन्य विषय : आतंकवाद -(40)

4. महाविद्यालयीन विद्यार्थी सम्मेलन -

		उपस्थित छात्र संख्या				
स्थान	कार्यक्रम संख्या	कक्षा 11-12	स्नातक	स्नातकोत्तर	व्यावसायिक शिक्षा	कुल
82	84	1038	5266	1658	284	8246

5. शाखा उपस्थिति दिन -

स्थान			उपस्थिति			
वर्तमान शाखा स्थान	पूर्व शाखा स्थान	कुल स्थान	तरुण	बाल	योग	शिशु
1409	351	1760	44456	23143	67598	10426

1. केवल बौद्धिक वर्ग - 887 2. शारीरिक कार्यक्रम सहबौद्धिक वर्ग - 973 4. गणवेश - 14537 5. शाखा वेष - 31080 6. सामान्य वेष - 21981

6. सामग्री बिक्री एवं वितरण -

समग्र दर्शन - 400 छोटी पुस्तिकाएँ संच - 8000 चित्रांजली - 300 पू. सरसंघचालक जी का पत्र वितरण - 55000

7. निबन्ध प्रतियोगिता -

संख्या	
हिन्दी	17

नगर पालिका परिषद, सुलतानपुर

श्रीगुरुजी जन्मशताब्दी स्मृति विशेषांक [illegible] प्रवाह के प्रकाशन पर नगर पालिका परिषद, सुलतानपुर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ सुलतानपुर नगर की जनता से अपील करती है कि-

१-नगर पालिका परिषद, सुलतानपुर के समस्त करों का भुगतान समय से करें।

२-नगर को स्वच्छ बनाने में पालिका परिषद का सहयोग करें।

३-नगर की सड़क, सड़क पटरियों, नालियों तथा सरकारी/ सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार अतिक्रमण न करें।

४-जल ही जीवन है, नल की टोटियों को खुला न छोड़ें।

५-नगर में बिक रहे खुले पदार्थ, सड़े गले फल, सब्जियाँ आदि का उपयोग न करें।



गिरिजा शंकर श्रीवास्तव
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, सुलतानपुर

प्रवीन कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष-नगर पालिका परिषद, सुलतानपुर

नगर निगम, वाराणसी

नगर निगम, वाराणसी द्वारा सम्मानित नागरिकों से अपेक्षा है कि-

१. पालीथिन से नालियाँ, सीवर आदि जाम होते हैं, जिससे उनके पानी का बहाव अवरुद्ध होता है। इसके खाने से जानवरों के पेट में ट्यूमर जैसी गम्भीर बीमारियाँ भी होती हैं। अतः इसका उपयोग कदापि न करें।

२. पार्क, तालाब, कुण्ड, नाले आदि सार्वजनिक सम्पत्ति हैं। इन पर अवैध अतिक्रमण/कब्जा न करें।

३. दोना, पत्तल, कुल्हड़ आदि फेंकने के लिए अपनी दुकानों/ठेलों के पास कूड़ादान रखकर उसी में फेंकें।

४. अपने घरों/दुकानों का कूड़ा सफाई के पूर्व निर्धारित स्थान पर फेंके।

५. नगर निगम के समस्त करों, शुल्कों तथा अन्य देयों का भुगतान समय से करें जिससे दण्डात्मक कार्यवाही से बच सकें और नगर के विकास कार्य सम्भव हों।



लालजी राय
नगर आयुक्त

कौशलेन्द्र सिंह
महापौर